जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

ARBiT

Fancy a Kulfi? Granita? Queso Helado? Shaved ice, stretchy ice cream and other cold treats can transport you in time and place

An Anecdote!

WHY BURN STUBBLE? Burning fields also affects the quality of the soil, robbing it of vital nutrients. The smoke contains toxic chemicals which causes respiratory problems and other diseases

राहुल गाँधी की, फ्रैश, साफ छवि वाले जिलाध्यक्ष बनाने की योजना राजस्थान में क्यों फेल हो रही है

यह कार्यक्रम देश भर में जोर-शोर से आगे बढ़ रहा है, पर, राजस्थान में आकर फिसड्डी हो गया है

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- राजस्थान में यह दो व्यक्तियों के कारण असफल होता नज़र आ रहा है। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा व प्रभारी रंधावा।
- स्पष्ट निर्देश थे कि दिल्ली से पर्यवेक्षक भेजे जाएंगे, जो खोजबीन व छानबीन के बाद, नए जिलाध्यक्षों के नाम प्रस्तावित करेंगे।
- यह भी स्पष्ट निर्देश थे कि प्रदेशाध्यक्ष व राज प्रभारी की इन नियुक्तियों में कोई भूमिका नहीं होगी।
- पर, प्रदेशाध्यक्ष व प्रभारी ने बारह नामों की सूची भेजी है। इस सूची में वे नाम शामिल हैं, जो काफी हद तक विवादित हैं, जैसे प्रमोद सिसोदिया चित्तौड़गढ़, शबनम गोदारा हनुमानगढ़ तथा पुष्पेंद्र भारद्वाज जयपुर। इस तरह के कई नाम हैं, जो पुराने नेताओं व खेमेबाजी में भी सक्रिय रहे हैं।

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान शुरू कर साफ-सुथरी और प्रभावी राजनीति की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस अभियान के तहत, जिलाध्यक्षों को अधिक अधिकार और मजबूती देने के लिए कुछ मानक और नियम तय किए गए हैं, ताकि संगठन के संचालन में ऊर्जा और प्रभावशीलता बनी रहे। यह प्रक्रिया पूरे देश के कई राज्यों में चल रही है।

इस कार्य के लिए पर्यवेक्षकों (ऑब्ज़र्वर्स) को नियुक्त किया गया है, जिन्हें राज्य नेतृत्व, प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्षों और अन्य स्वार्थी हितों को दरकिनार करते हुए, जिलाध्यक्षों के नामों की पैनल सूची तैयार करनी थी।

लेकिन राजस्थान में इन निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया जा रहा है। केन्द्र से मिले स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी करते हुए, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और एआईसीसी प्रभारी रंधावा ने 12 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के लिए सिफारिशें भेज दी हैं, जबकि, इसका अधिकार नहीं था तथा ऐसा न करने के निर्देश उन्हें पहले ही दे दिए गए थे, क्योंकि इस काम के लिए अलग से पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि जिन लोगों के नाम सुझाए गए हैं, उनमें कई पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो कि स्वच्छ छवि और प्रभावी जिलाध्यक्षों की मूल भावना के खिलाफ हैं। रंधावा, जिन्हें राजस्थान का प्रभारी बनाए रखा गया है, केसी वेणुगोपाल के करीबी माने जाते हैं, और वेणुगोपाल पार्टी में वास्तविक रूप से कांग्रेस अध्यक्ष की भूमिका निभा रहे हैं।

रंधावा, डोटासरा, अशोक गहलोत और सी.पी. जोशी के गुट से जुड़े हुए हैं। ये नेता अपने-अपने क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते हैं और ऐसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार ने क्या कदम उठाये'

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर केन्द्र व राज्य सरकार से 6 नवंबर तक जवाब देने के लिए कहा है। अदालत ने विस्तृत रिपोर्ट मांगते हुए यह बताने के लिए कहा है कि अभी तक सड़क सुरक्षा नीति, ब्लैक स्पॉट सुधार योजना और वाहन जांच अभियान के तहत क्या कदम उठाए गए हैं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की

- राजेन्द्र शर्मा की पत्र याचिका पर प्रसंज्ञान लेकर हाई कोर्ट ने 6 नवंबर तक जवाब मांगा।

खंडपीठ ने यह आदेश मंगलवार को राजेन्द्र शर्मा की पत्र याचिका पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का विषय नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के जीवन के मौलिक अधिकार से जुड़ा मामला है।

याचिका में कहा गया कि हाल में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर सहित प्रदेशभर में लगातार सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं और इनमें लोगों की मौतें हुई है। इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण सड़क सुरक्षा के प्रति सरकारी लापरवाही, खस्ताहाल रोड, ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की कमी और ट्रैफिक प्रबंधन की विफलता है। प्रदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनडीए का आंतरिक फीडबैक, पटना में भारी झटका लग सकता है

एनडीए के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि 2020 में भाजपा ने पटना की 14 में से 9 सीटें जीती थीं, इस बार 3 या 4 सीटें ही मिलेंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पटना में पहले चरण में मतदान होना है। नुकसान को भांपते हुए प्रधानमंत्री ने खुद पटना की चुनावी मुहिम संभाली और विशाल रोड शो के जरिए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की, पर, अभी अनिश्चितता कायम है।
- राजनैतिक जानकारों ने कहा कि यह बदलता रुख सत्ता विरोधी लहर, बेरोज़गारी की चिंता और महागठबंधन के बढ़ते प्रभाव की वजह से है।
- इन हालात में भाजपा की नज़र में नीतीश का मोल बढ़ गया है, भाजपा में। माना जा रहा है कि तेजस्वी को हराने के लिए नीतीश की जरुरत पहले से कहीं ज्यादा है।

नई दिल्ली, 4 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार समाप्त होने के साथ ही राजनीतिक पारा अपने चरम पर पहुंच गया है, जिससे सत्तारूढ़ एनडीए और महागठबंधन के बीच कड़ी टक्कर की संभावना बन गई है।

जैसे-जैसे तस्वीर साफ हो रही है, शुरुआती जमीनी आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि राजनीतिक परिदृश्य में बड़ा बदलाव संभव है, खासकर पटना जिले में, जो पारंपरिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ माना जाता रहा है।

एनडीए के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने आंतरिक फीडबैक का हवाला देते हुए माना कि राज्य के राजधानी क्षेत्र में भाजपा को अप्रत्याशित झटका लग सकता है। पटना जिले की कुल 14 विधानसभा सीटों में से, जहां 2020 के चुनाव में भाजपा ने 9 सीटें जीती थीं, इस बार पार्टी को महज 3 से 4 सीटों पर ही जीत मिलने का अनुमान है। इसलिए 6 नवंबर को होने वाला पहला चरण पार्टी के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जिसने इस जिले में अपने संगठन और स्टार प्रचारकों की पूरी ताकत झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से पटना में भाजपा की चुनावी मुहिम की कमान संभाली, विशाल रोड शो और जोशीली जनसभा के जरिए पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। लेकिन इन जबरदस्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

7 देशों के डिप्लोमैट्स की टीम चुनाव देखने बिहार गई

"नो भाजपा" (भाजपा को जानो) मुहिम के तहत दो दिन के प्रवास में इन डिप्लोमैट्स ने भाजपा के चुनाव प्रचार को करीब से देखा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- बिहार यात्रा में इन राजनयिकों ने प्र.मंत्री मोदी की आरा में हुई विशाल जनसभा देखी, कई-कई नेताओं से मुलाकात की तथा घर-घर चुनाव अभियान में गहरी रूचि ली।
- "नो भाजपा" मुहिम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शुरु की है।
- डिप्लोमैट्स की टीम में जापान, यूनाईटेड किंगडम, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, इंडोनेशिया, जापान व भूटान के राजनयिक शामिल थे।

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा द्वारा शुरू की गई "नो बीजेपी" (भाजपा को जानो) पहल के तहत जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, यूनाइटेड किंगडम, भूटान और दक्षिण अफ्रीका के भारत में स्थित दूतावासों के राजनयिक प्रतिनिधियों का एक दल 2-3 नवम्बर 2025 को बिहार का दौरा करने के लिए गया, ताकि वे भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार और भारत की जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बारे में वास्तविक जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस प्रतिनिधिमंडल ने अररिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक रैली देखी, जहाँ उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान बहुत सारे लोगों की भागीदारी को देखा। अपने दौरे के दौरान, राजनयिकों ने भाजपा के वरिष्ठ नेताओं रविशंकर प्रसाद, धर्मेन्द्र प्रधान और विनोद तावड़े से मुलाकात की और बुनियादी स्तर पर घर-घर जाकर हो रहे चुनाव प्रचार की गतिविधियों को देखा। इसके बाद वे भाजपा के राज्य मुख्यालय पटना गए और पार्टी के संगठन, संचार रणनीति और चुनाव प्रबंधन प्रणाली को समझने के लिए राज्य के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत की।

एस आई भर्ती : अशोक गहलोत के पूर्व पी एस ओ को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में पूर्व सीएम अशोक गहलोत के पीएसओ रहे राजकुमार यादव सहित पांच आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इसी के साथ अदालत ने पीएसओ के बेटे

- हाई कोर्ट ने पीएसओ के पुत्र सहित नौ आरोपियों को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिये।

भरत यादव सहित नौ आरोपियों को राहत देते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस चंद्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने यह आदेश 14 आरोपियों की ओर से दायर जमानत याचिकाओं की सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने पेपर लीक गैंग के सदस्य विजय कुमार डामोर, पेपर हल करने वाले प्रवीण कुमार, सत्येन्द्र यादव, ट्रेनी एसआई समेता कुमारी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जद (यू) के कद्दावर नेता लल्लन सिंह पर चुनाव आयोग ने केस किया

लल्लन सिंह एक वायरल वीडियो में धमकाने वाला बयान देते हुए दिखे कि मतदान के दिन कुछ नेताओं को घर से नहीं निकलने देना है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- लल्लन सिंह उर्फ राजीव रंजन सिंह खुद एक बाहुबली हैं तथा नीतीश के करीबी हैं। जद (यू) में उन्हें नीतीश के बाद नंबर दो माना जाता है।
- मुख्य विपक्षी दल, राष्ट्रीय जनता दल ने मोकामा में दिए गए लल्लन सिंह के भाषण का वीडियो जारी किया।
- मोकामा लल्लन सिंह के लोकसभा क्षेत्र मुंगेर में आता है, जहाँ से जद (यू) ने बाहुबली अनंत सिंह को टिकट दिया है। लल्लन सिंह उर्फ राजीव रंजन सिंह, जो खुद बाहुबली हैं, अनंत सिंह के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं।
- लल्लन सिंह ने दुलार सिंह यादव (एक अन्य पूर्व बाहुबली) की हत्या में अनंत सिंह का बचाव किया व कहा कि अनंत सिंह को फंसाया जा रहा है।

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। बिहार में पहले चरण के हाई-वोल्टेज विधानसभा चुनाव में वोटिंग से 48 घंटे पहले, नीतीश कुमार की अगुवाई वाली जेडीयू में नंबर 2 और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह, जिन्हें लल्लन सिंह के नाम से जाना जाता है, के खिलाफ एक पुलिस मामला दर्ज किया गया है। यह मामला उनके चुनाव प्रचार के दौरान भड़काऊ बयान देने को लेकर दर्ज हुआ है।

लल्लन सिंह के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें वह एक वीडियो में यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि "कुछ नेताओं को मतदान के दिन उनके घर से बाहर जाने नहीं दिया जाना चाहिए।" यह एफआईआर चुनाव आयोग के आदेशों पर आर भारतीय दंड संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज की गई है।

मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने पहले मोकामा विधानसभा क्षेत्र में लल्लन सिंह के भाषण का मुद्दा उठाया था, जो उस वक्त सुर्खियों में आया था जब स्थानीय बाहुबली और जेडीयू उम्मीदवार अनंत सिंह को हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

वायरल वीडियो में लल्लन सिंह यह कहते सुनाई दे रहे हैं, "कुछ नेताओं को चुनाव के दिन उनके घर से बाहर नहीं जाने देना चाहिए। अगर वे बहुत ज़्यादा मांग करें, तो उन्हें अपने साथ ले जाओ और मतदान करने के बाद उन्हें घर वापस लेकर जाओ और बिस्तर पर सुला दो। उन्हें घर में बंद कर देना है। अब जिम्मेदारी संभालो। चुनाव के लिए अब समय नहीं बचा है।"

वीडियो शेयर करते हुए आरजेडी ने कहा कि लल्लन सिंह चुनाव आयोग पर बुलडोजर चला रहे हैं। "(वह कह रहे हैं) उन्हें बंद कर दो, अगर वे मिन्नत करें तो उन्हें मतदान करने ले जाओ। आरजेडी ने सवाल उठाया, मरा हुआ आयोग कहाँ है?"

मोकामा, जो मुंगेर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, लल्लन सिंह के प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्र में आता है। इससे पहले, एक साक्षात्कार में उन्होंने अनंत सिंह की गिरफ्तारी को एक साजिश बताया था और कहा था कि आगामी चुनावों में बाहुबली अनंत सिंह भारी बहुमत से जीतेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पैसेंजर ट्रेन व मालगाड़ी की टक्कर में 7 की मौत

बिलासपुर, 04 नवंबर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मंगलवार को एक मेमू लोकल ट्रेन और मालगाड़ी में जबरदस्त टक्कर हो गयी, जिसमें सात यात्रियों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

दुर्घटना बिलासपुर स्टेशन के पास शाम को करीब चार बजे हुयी जिसमें

- बिलासपुर स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन खड़ी मालगाड़ी से टकराई।

मेमू ट्रेन खड़ी मालगाड़ी से टकरा गयी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मेमू का इंजन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गया। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे और जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गयीं और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भूमिहार बिहार में जनसंख्या का 2.9 प्रतिशत ही हैं

फिर एनडीए ने बत्तीस व महागठबंधन ने पंद्रह भूमिहार नेताओं को क्यों टिकट दिये हैं, विधानसभा चुनावों में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इस प्रश्न का जवाब है, बिहार के इतिहास में, ऐतिहासिक व सामाजिक जीवन में भूमिहार जाति का भारी प्रभाव रहा है।
- भूमिहार मुख्य रूप से लैंड ओनिंग जाति है और कई छोटे-बड़े राजघरानों में, जैसे बेतिया, टिकारी, हथुआ, तामुखी, श्योहर, पाकुर, महिषादल, महेशपुर व वाराणसी, भूमिहार ठिकाने हैं।
- बिहार में भूमिहारों ने कई बुद्धिजीवी, जैसे, रामधारी सिंह दिनकर, राहुल सांस्कृतायन, रामवृक्ष बेनीपुरी भी दिये बिहार को।
- राजनीतिक दृष्टि से बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री, भूमिहर नेता कृष्ण सिन्हा (1946-61) थे, उनके लंबे राजनीतिक जीवन में कई प्रभावशाली भूमिहार नेता पनपे। जैसे, महेश प्रसाद सिन्हा, कैलाशपति मिश्रा, वर्तमान में सी.पी. ठाकुर, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, जम्मू-कश्मीर के गवर्नर मनोज सिन्हा तथा वर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा।
- बुद्धिजीवी लैंड ओनिंग जाति, राजनीति व प्रशासनिक बिहार में बहुत महत्व रखती है। वर्ष 1990 से 2025 तक, नीतीश-लालू युग में सत्ता जरुर इन दोनों के इर्द-गिर्द रही, पर, प्रशासनिक पकड़, उच्च शिक्षा, मीडिया, प्रोफेशनल, जैसे कानून व मैडिसन आदि में भूमिहार छाये रहे।

नई दिल्ली, 4 नवम्बर। भूमिहार बिहार की जनसंख्या का केवल 2.9 प्रतिशत हैं, लेकिन एनडीए ने 32 और महागठबंधन ने 15 भूमिहारों को टिकट दिया है। आज, भूमिहार बिहार में महत्वपूर्ण जाति बन गए हैं।

बिहार के केन्द्र में, गंगा नदी के किनारे स्थित मोकामा एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो पहले एक औद्योगिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था और एक प्रमुख दाल उत्पादन केन्द्र था।

आज, मोकामा एक क्रूर विडंबना के रूप में हमारे सामने है तथा अपराध और राजनीति के जटिल अंतर्संबंध का प्रमाण बना हुआ है। इस क्षेत्र में अतीत और वर्तमान एक भयंकर हिंसा, शक्ति और चुनावी महत्वाकांक्षा के विभिन्न जीवन्त स्वरूप में दिखाई देते हैं।

जैसे-जैसे 2025 के विधानसभा चुनाव पास आ रहे हैं, दांव पहले से कहीं ज्यादा ऊंचे हैं, पुराने प्रतिद्वंद्वियों के बीच की खाई नए आरोपों के बीच उभरकर सामने आई है। हाल ही में, 64 वर्षीय भूमिहार उम्मीदवार अनंत सिंह, जो जेडी (यू) से हैं, की गिरफ्तारी 75 वर्षीय दुलारचंद यादव की हत्या से संबंधित आरोपों में हुई, जो खुद भी पहले एक गैंगस्टर थे, फिर राजनीति में आए थे। यह गिरफ्तारी इस उथल-पुथल भरे क्षेत्र में बाहुबली नेताओं के निरंतर प्रभाव को उजागर करती है, और अनंत सिंह के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी रहे सूरज भान सिंह के खिलाफ एक तीव्र मुकाबला फिर से शुरू हो गया है। सूरज भान सिंह भी एक कुख्यात भूमिहार एवं बाहुबली नेता हैं।

मोकामा, जो पटना से केवल 70 किलोमीटर दूर स्थित है, एक ऐसे खूनी इतिहास से जूझ रहा है, जो इसके राजनीतिक रूप से ताकतवर व्यक्तियों के जीवन से जुड़ा हुआ है। अनंत सिंह और सूरज भान सिंह, दोनों भूमिहार जाति के कुख्यात व्यक्ति, दशकों से एक हिंसा के उस चक्र में फंसे हुए हैं, जो 1980 के दशक से शुरू हुआ। उनका अतीत गोलीबारी और खून-खराबे से भरा हुआ है, क्योंकि ये लोग सत्ता में अपने बाहुबल और धमकियों के जरिए एक ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में पहुँच गये थे, जहाँ बाहुबल अक्सर रणनीति पर हावी रहती थी।

हाल ही में, जन सूराज समर्थक पार्टी के दुलारचंद यादव की हत्या (जो लालू प्रसाद के पुराने सहयोगी थे) ने राजनीतिक गुटों के बीच झड़पों के बीच मोकामा की समकालीन कहानी में एक और काला अध्याय जोड़ दिया। यह घटना, जिसमें अनंत सिंह के समर्थक शामिल थे, न केवल इस क्षेत्र में राजनीतिक जीवन के खतरों को उजागर करती है, बल्कि इस क्षेत्र की निर्दयी राजनीति के रूप को भी एक भयंकर रूप में प्रस्तुत करती है।

जैसे-जैसे पुलिस यादव की मौत की परिस्थितियों की जांच कर रही है, शहर अपनी सांस रोके हुए, अपने हिंसक अतीत और चुनावी बदलाव के अनिश्चित वादे के बीच फंसा हुआ है।

वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक अजीब परिवर्तन दिखता है, एक ऐसा परिदृश्य, जहां पूर्व दुश्मन अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बारह राज्यों में एसआईआर का काम शुरू

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। चुनाव आयोग ने कहा कि 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम शुरू हो गया है।

चुनाव आयोग की ओर से मंगलवार को बताया गया कि बिहार में

- चुनाव आयोग ने मंगलवार को घोषणा की।

एसआईआर के सफल समापन के बाद, इस अभ्यास के दूसरे चरण में नौ राज्यों (छत्तीसगढ़ , गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल) के लगभग 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। इसमें तीन केन्द्र शासित प्रदेशों (अंडमान और निकोबार, लक्षद्वीप और पुडुचेरी) के 321 जिले और 1,843 विधानसभा क्षेत्र शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि इन 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

यदि तुम्हारी कोई निंदा करे तो भीतर ही भीतर प्रसन्न होओ, क्योंकि तुम्हारी निंदा करके वह तुम्हारे पाप अपने ऊपर ले रहा है।

–ब्रह्मानंद सरस्वती

अब सभ्यताओं का नहीं, अर्थ व्यवस्थाओं के बीच संघर्ष का दौर

सूचना, तकनीक और पूंजी के आज के युग में वैश्विक राजनीति का चरित्र तेजी से बदल रहा है। कभी सभ्यताओं, धर्मों या साम्राज्यों के बीच युद्ध होते थे, परंतु 21वीं सदी की दुनिया में यह पूरी तरह बदल रहा है। अब युद्ध हथियारों या विचारधाराओं का नहीं, बल्कि बाज़ार और मुद्रा के प्रभाव क्षेत्र का होने लगा है। अब सभ्यताओं का नहीं, अर्थव्यवस्थाओं के बीच संघर्ष होता है–जहां लक्ष्य भूमि नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक वर्चस्व है। आज किसी देश की ताकत उसके सैन्य हथियारों से भी बढ़कर उसके जीडीपी, औद्योगिक उत्पादन, स्टार्टअप इकोसिस्टम और तकनीकी प्रभुत्व से मापी जाती है। अब निवेश सम्मेलनों, व्यापार समझौतों और मुद्रा समझौतों से दुनिया के समीकरण तय होते हैं। आधुनिक कूटनीति अब आर्थिक हितों की रखवाली वाली बन चुकी है।यह स्पष्ट हो चुका है कि सभ्यताएं नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्थाएं ही वास्तविक शक्ति केंद्र हैं।

सोवियत संघ के पतन के बाद अमरीका अपने को अधिक सुरक्षित होने की अपेक्षा असुरक्षित महसूस कर रहा है और उसके राष्ट्रपति ट्रम्प अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में लगे हैं ताकि दुनिया में अमरीका का वर्चस्व बना रहे। अमरीकी मुद्रा डॉलर सिर्फ भरोसे के बल पर टिकी है। इसे हर अर्थशास्त्री जानता है। मगर इसकी वैश्विक स्वीकार्यता है। डॉलर दुनिया की रिज़र्व करेंसी है। तेल और अन्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ज़्यादातर डॉलर में होता है, इसलिए इस मुद्रा की मांग बहुत ऊंची बनी रहती है। मगर डॉलर 'फिएट मनी' है, यानी इसकी कीमत सरकार के भरोसे और आर्थिक नीतियों से तय होती है न कि किसी भौतिक आधार के जैसे सोना। अमेरिकी डॉलर को भरोसा मिलता है अमेरिका के वित्तीय प्रभुत्व, तथा वैश्विक व्यापार में उसकी भूमिका से। इसे बनाए रखने के लिए अमरीका हमेशा ऐसा प्रपंच रचता रहता है जिससे उसकी आर्थिक ताकत सुरक्षित रहे और डॉलर मजबूत बना रहे। सभी देख रहे हैं कि अमरीका अपने डॉलर के प्रभुत्व का राजनीतिक हथियार की तरह उपयोग करता रहा है। अमरिका किसी देश पर प्रतिबंध लगा कर उस देश की डॉलर लेन–देन प्रणाली को रोक सकता है। यह उसकी ताकत है। विश्व बाज़ार में डॉलर पर निर्भरता ऐतिहासिक, आर्थिक और राजनीतिक कारणों से है और दुनिया के देशों को व्यापार करते समय इन्हीं कारणों से डॉलर पर निर्भर रहना पड़ता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जुलाई 1944 में अमरीका में न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन वुड्स स्थित माउंट वाशिंगटन होटल में संयुक्त राष्ट्र मौद्रिक एवं वित्तीय सम्मेलन आयोजित किया गया था, जहां 44 देशों के प्रतिनिधियों ने 'ब्रेटन वुड्स प्रणाली' नामक एक नई अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक व्यवस्था स्वीकार की। इस समझौते में तीसरी दुनिया की कोई भागीदारी नहीं थी क्योंकि वे देश तब ब्रिटेन के साम्राज्य के अधीन थे। विश्व युद्ध के कारण पूरा यूरोप ध्वस्त हो चुका था मगर अमरीका उस आंच से बचा रहा था। उस समय अमरिका के पास दुनिया का सबसे बड़ा सोने का भंडार था। इसलिए तय किया गया कि 1/35 औंस सोने का एक डॉलर होगा, और बाकी देश अपनी मुद्राओं को डॉलर से जोड़ेंगे। इस तरह डॉलर विश्व की रिज़र्व करेंसी बन गया। बाद में 1970 के दशक में अमेरिका ने सऊदी अरब और अन्य तेल उत्पादक देशों से अपने निवेश की एवज में समझौता किया कि वे तेल की कीमत डॉलर में तय करेंगे। इससे दुनिया के हर देश को तेल खरीदने के लिए डॉलर की ज़रूरत पड़ने लगी। यह पेट्रोडॉलर सिस्टम कहलाया। इसने डॉलर की अंतरराष्ट्रीय मांग को स्थायी बना दिया। दुनिया के देश अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में राशि का निपटान डॉलर में करने लगे। अमेरिकी डॉलर 1/35 औंस सोने की स्थिर विनिमय दर पर परिवर्तनीय था। अमेरिका पर सोने की कीमत स्थिर रखने की ज़िम्मेदारी थी और भविष्य में सोने की परिवर्तनीयता में विश्वास बनाए रखने के लिए उसे डॉलर की आपूर्ति को समायोजित करना पड़ता था। 'ब्रेटन वुड्स प्रणाली' तब तक लागू रही जब तक कि लगातार अमेरिकी भुगतान संतुलन घाटे के कारण डॉलर अमेरिकी सोने के भंडार से अधिक नहीं हो गए, जिसका अर्थ था कि संयुक्त राज्य अमेरिका आधिकारिक मूल्य पर सोने के बदले डॉलर को भुनाने के अपने दायित्व को पूरा नहीं कर पा रहा था। इसलिए अमरीका ने चतुराई की। राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने 1971 में डॉलर को सोने से पूरी तरह अलग कर दिया। उसके बाद डॉलर का मूल्य सोने से नहीं बल्कि अमेरिकी सरकार के भरोसे पर निर्भर हो गया। यह भरोसा अमरीका की अर्थव्यवस्था की ताक़त से बना हुआ है और इसीलिए उसकी वैश्विक स्वीकार्यता बनी हुई है। अब जब विश्व में नई अर्थव्यवस्थाएं महत्वाकांक्षी रूप से उभरने लगी है, अमरीका अपना प्रभुत्व बनाए रखने के लिए छटपटा रहा है। जिसके परिपेक्ष्य में उसके राष्ट्रपति ट्रम्प का व्यवहार समझा जा सकता है। कहते हैं प्यार और युद्ध में सब जायज होता है। ट्रम्प के लिए आर्थिक युद्ध में सब जायज है। उनके लिए अब तक बने वैश्विक नियमों का कोई महत्व नहीं है। वे अब अपनी शर्तों पर नयी वैश्विक अर्थ व्यवस्था बनाने का प्रयास कर रहे हैं। वे अपना आधिपत्य चाहते हैं। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमरीकी साम्राज्यवाद चाहते हैं। एक चतुर व्यवसायी की तरह उन्हें लगता है को अमरीकी आर्थिक साम्राज्यवाद को असली चुनौती यूरोप से नहीं बल्कि एशिया से उभर रही भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाओं से मिलने वाली है। इस समय जो शतरंज जैसी चालें चली जा रही हैं उन्हें इसी परिपेक्ष्य में बेहतर समझा जा सकता है।

> **भारत ने ऑस्ट्रेलिया, यूएई, यूरोपीय संघ, और आसियान देशों से मुक्त व्यापार समझौतों पर काम शुरू करके अपने निर्यात बाज़ारों का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया है। इस नीति से भारत ने न केवल अपने निर्यातकों के लिए नयी राहें बनाई हैं, बल्कि अमरीकी टैरिफ के प्रभाव को भी काफी हद तक कम किया है। भारत ने अमरीका के साथ आर्थिक युद्ध में विवेक, आत्मनिर्भरता और कूटनीति को अपना हथियार बनाया हैं। यह खींचतान लंबे समय तक चल सकती है।**

इन हालात में जहां अमेरिका अपनी डॉलर आधारित अर्थव्यवस्था के वर्चस्व को बनाये रखने की जंग में लगा है। चीन 'मेड इन चाइना' से लेकर 'मेड फॉर वर्ल्ड' तक का सफर तय कर चुका है और अब वह अपनी मुद्रा युआन के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए प्रयत्नशील है। यूरोप यूरो मुद्रा के माध्यम से अपनी वैश्विक व्यापार की ताकत बनाए रखने की जद्दोजहद में लगा है। ऐसे माहौल में अपने आईटी सेवा क्षेत्र तथा 140 करोड़ की आबादी के बड़े बाज़ार के दम पर बढ़ती अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए भारत भी बड़ी महत्वाकांक्षा लिए उभर रहा है और अमरीका के आर्थिक साम्राज्यवाद को चुनौति चुनौती दे रहा है। अमरीका द्वारा छेड़ा गया टैरिफ युद्ध की केवल व्यापारिक ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक भी है। किंतु भारत जिस संयम, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भर नीति के साथ इस संकट का सामना कर रहा है उसे अनेक विश्लेषक वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्मार्ट डिप्लोमेसी का एक उदाहरण मान रहे हैं। भारत का अमेरिका से आर–पार का व्यापारिक युद्ध छेड़ने से बचना जसकी कूटनीतिक जरूरत है, लेकिन उसने यह संदेश भी स्पष्ट रूप से जरूर दिया है कि वह किसी भी आर्थिक दबाव में झुकने वाला देश नहीं है और संवाद और पारस्परिक सम्मान से ही अमरीका के साथ व्यापारिक संबंध आगे बढ़ सकते हैं। कूटनीतिक संतुलन भारत की आर्थिक परिपक्वता का प्रमाण माना जा रहा है।

अर्थ व्यवस्थाओं की वैश्विक जंग के बीच भारतीय रिज़र्व बैंक ने बहुआयामी रणनीति बनाई है जिसमें महंगे डॉलर रूपांतरणों से बचने के लिए एक सामानंतर गतिशील रुपया–रूबल विनिमय तंत्र विकसित करने, भुगतान पुष्टिकरण प्रणालियां स्थापित करने और वैकल्पिक वित्तीय प्लेटफ़ॉर्म तैयार करने की व्यवस्था है। आरबीआई ने पिछली 5 अगस्त को, अधिकृत डीलर श्रेणी–1 बैंकों को पूर्व अनुमोदन के बिना अपने विदेशी सहयोगी बैंकों के लिए विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दे दी। फिर 12 अगस्त को उसने नियमों में और ढील दी, जिससे वोस्ट्रो खातों में जमा धनराशि को सरकारी प्रतिभूतियों और ट्रेजरी बिलों में स्वतंत्र रूप से निवेश करने की अनुमति मिल गई। वोस्ट्रो खाता एक घरेलू बैंक खाता होता है जो किसी विदेशी बैंक के लिए स्थानीय मुद्रा में खोला जाता है। विशेषज्ञों का कहना है, "वोस्ट्रो खाता रूस के साथ तेल व्यापार को सुगम बनायेगा क्योंकि यह लेनदेन को डॉलर जैसी तृतीय–पक्ष मुद्राओं के माध्यम से परिवर्तित किए बिना सीधे रुपये में निपटाने की सुविधा प्रदान करता है। तेल क्षेत्र में, रूसी निर्यातक इस व्यवस्था के तहत भारतीय बैंकों के वोस्ट्रो खातों में भारतीय रुपये रख सकते हैं, जिससे भारतीय आयातक डॉलर को दरकिनार करते हुए सीधे रुपये में भुगतान कर सकते हैं। यह व्यवस्था मुद्रा रूपांतरण लागत, विनिमय दर जोखिम और भुगतान में देरी को कम करेगी। रूसी संस्थाएं इस व्यवस्था से प्राप्त अतिरिक्त रुपया शेष राशि को भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड, इक्विटी और बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में भी निवेश कर सकेंगी। इसके अलावा, तीसरे देशों के निर्यात के लिए रुपया शेष राशि का उपयोग करने के भी प्रस्ताव हैं, जिससे रूसी आपूर्तिकर्ता अन्य मुद्राओं में भुगतान प्राप्त करते हुए भारतीय सामान खरीद सकेंगे। इसके साथ ही संयुक्त अरब अमीरात को शामिल करते हुए त्रिपक्षीय निपटान तंत्र पर भी बातचीत चल रही है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया, यूएई, यूरोपीय संघ, और आसियान देशों से मुक्त व्यापार समझौतों पर काम शुरू करके अपने निर्यात बाज़ारों का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया है। इस नीति से भारत ने न केवल अपने निर्यातकों के लिए नयी राहें बनाई हैं, बल्कि अमरीकी टैरिफ के प्रभाव को भी काफी हद तक कम किया है। भारत ने अमरीका के साथ आर्थिक युद्ध में विवेक, आत्मनिर्भरता और कूटनीति को अपना हथियार बनाया हैं। यह खींचतान लंबे समय तक चल सकती है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि आने वाले सालों में आर्थिक प्रतिस्पर्धा का नया दौर शुरू हो सकता है। भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश उसका इस युद्ध में असली हथियार होगा। अब नया इतिहास अर्थशास्त्री और निवेशक लिखने वाले हैं जो मुद्रा को प्रभावी बनाने वाले योद्धाओं की कहानियां कहेंगे।"

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

गुरु नानकदेव जी

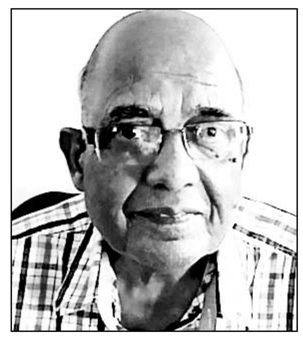

डॉ. जे के गर्ग

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति–पूजा आदि निरर्थक है। नाम–स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत–प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो इस प्रकार हैं।

ईश्वर एक है। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता। ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ–लालच व संग्रह वृत्ति बुरी है। सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अंतर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा– "मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे संपर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ।" इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे।

उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की भी यात्राएं की और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे। नानक देवजी ने 25 सितंबर, 1539 को अपना शरीर त्याग दिया था। मृत्यु से पहले उन्होंने अपने शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया जो बाद में गुरु अंगद देव के नामसे जाने गये। नानक देव जी ने कहा– "मोन धारण करके नाम जपो, क्योंकि इसी से मानसिक आध्यात्मिक शक्ति मिलती है और आत्मिक शांति भी।"

सिख हमेशा अपनी आमदनी का दसवा हिस्सा दान–पुण्य में खर्च करे।

सच्चाई तो यही है कि गुरु नानक देवजी एक महान दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मधारक, समाजसुधारक, कवि और देशभक्त थे। वे विश्वबंधुत्व में विश्वास करते थे और उनमें सच्ची मानवता के सभी गुण मौजूद थे। उनके बचपन के समय में कई चमत्कारिक घटनाएं घटी जिससे जन साधारण उन्हें दिव्य व्यकित्व का स्वामी मानते थे। नानकदेव जी वास्तव में आलोलिक श्रेणी के संत महापुरुष थे। गुरु नानक ने बचपन से ही रूढ़िवादिता के विरुद्ध संघर्ष करना शुरू कर दिया था। वे धर्मप्रचारकों को उनकी खामियां बतलाने के लिए अनेक तीर्थ स्थानों पर पहुंचे और लोगों से धर्मांधता से दूर रहने का आग्रह किया। गुरु नानक जंयती पूरे देश में कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है जिसे प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। गुरुनानक सिखों के प्रथम गुरु हैं।

गुरु नानक देवजी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा, संवत् 1526 के दिन हुआ था। कुछ इतिहासकार एवं जानकार गुरुनानक की जन्मतिथि 15 अप्रैल, 1469 मानते हैं। नानक जी का जन्म रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी नामक गांव में खत्री कुल में हुआ था। तलवंडी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया था। गुरु नानक देव के पिता और माता का का नाम मेहता कालू और तृप्तादेवी था। गुरु नानक को बचपन से ही सांसारिक विषयों में कोई रुची नहीं थी और वे उनसे उनकी उससे विरक्ति थी। उनका अधिकाशं समय आध्यात्मिक चिंतन और सत्संग में व्यतीत होता था। गुरु नानकदेव महान सामाजिक सुधारक थे, उन्होनें सिख धर्म की स्थापना की थी। गुरु नानक जी का विवाह सन् 1487 में माता सुलखनी से हुआ। उनके दो पुत्र थे जिनका नाम श्रीचंद और लक्ष्मीचन्द था। नानक देव जी ने समाज में फैली कुरीतियों को खत्म करने के लिए अनेक यात्राएं की थी। ऐसा कहा जाता है कि नानक देव जी को उनके पिता ने एक बार व्यापार करने के लिए 20 रुपये दिए और कहा 'इन 20 रुपये से सच्चा सौदा करके आओ।' नानक देव जी सौदा करने निकले, रास्ते में उन्हें साधु–संतों की मंडली मिली। नानकदेव जी साधु–संतों को 20 रुपये का भोजन करवा कर वापस लौट आए। पिताजी ने पूछा– 'क्या सौदा करके आए?' उन्होंने कहा– 'साधुओ ईश्वर की सीमाएं और कार्यक्षेत्र संपूर्ण मानव जाति की सोच से परे हैं। सत्य को जानना हर चीज से बड़ा है और उससे भी बड़ा है सच्चाई के साथ आपकी मदद करता है। इसलिए हमें हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहना चाहिये। कर्म भूमि पर फल पाने के लिए कर्म सबको करना पड़ता है। ईश्वर तो सिर्फ लक़ीरें देते हैं पर रंग उनमे हमको ही भरना पड़ेगा है। ईश्वर की हज़ारों आँखें हैं और फिर भी एक भी आँख नहीं। ईश्वर के हज़ारों रूप हैं और फिर भी प्रभुजी निराकार हैं। आप जो भी बीज आज बोयेंगे, उसका फल आपको देर-सबेर जरूर मिलेगा। जब हमारा शरीर मैला हो जाता है तो हम

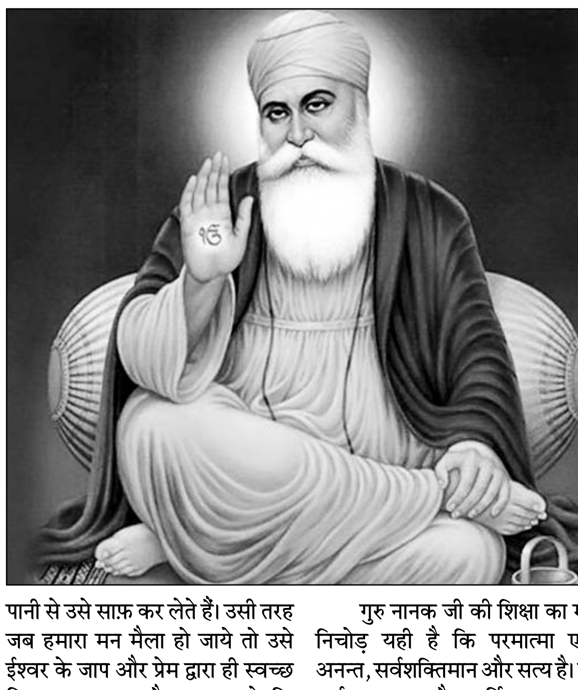

पानी से उसे साफ़ कर लेते हैं। उसी तरह जब हमारा मन मैला हो जाये तो उसे ईश्वर के जाप और प्रेम द्वारा ही स्वच्छ किया जा सकता है। याद रक्खे कि भगवान के दरबार में सभी कर्मों का लेखा–जोखा रहता है। बिना गुरु के कुछ भी काम अधूरा होता हैं। धन को जेब तक ही रखें उसे हृदय में जगह न दें। जब धन को हृदय में जगह दी जाती है तो सुख शांति के स्थान पर लालच, भेदभाव और बुराइयों का जन्म होता है। धन के भंडार से परिपूर्ण प्रभुत्व वाले सम्राटों की तुलना में वो चींटी महान है जिसके मन में ईश्वर का निवास है। यदि लोग अपने धन का प्रयोग सिर्फ अपने लिए और खजाना भरने के लिए करते हैं तो वह शव की तरह है, लेकिन यदि वे इसे दूसरों के साथ इसे बांटने का निर्णय लेते हैं तो वह प्रभुजी पवित्र प्रसाद बन जाता है। जो व्यक्ति किसी का हक़ छीनता है उसे कही भी सम्मान नहीं मिलता। इसलिए कभी किसी का हक़ नहीं छीनना चाहियें। जिन्होंने प्रेम किया है वो ही लोग परमात्मा को पा सकते है। नानक देव जी के अनुसार एक ओंकार यानी ईश्वर एक है।

गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति–पूजा आदि निरर्थक है। नाम–स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत–प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दी जो इस प्रकार हैं– "ईश्वर एक है। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता। ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। .सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ–लालच व संग्रह वृत्ति बुरी है।"

–डॉ. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा

स्पानइल मस्कुलर एट्रोफी: मरीजों के लिए किफायती दवा का रास्ता खुला

उच्च न्यायालय के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर से दवा के दाम में 97 प्रतिशत राहत

विकास आसावत

हाल ही में भारतीय सुप्रीम कोर्ट ने स्विस दवा निर्माता रोश कंपनी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें नैटको फार्मा को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवा रिस्डिप्लाम के जेनेरिक संस्करण बनाने और बेचने की अनुमति दी गई थी। इससे पूर्व इसी वर्ष मार्च में दिल्ली हाई कोर्ट की एकल पीठ ने नैटको फार्मा की रोश के रिस्डिप्लाम सम्बंधित पेटेंट की वैधता के समबन्ध में दी गयी दलील को पेटेंट एक्ट के अनुसार प्रथम दृष्टया तर्कपूर्ण माना और पेटेंट को पूर्व में उनके ही जीनस पेटेंट यौगिक का स्पष्ट जैव समस्थानिक संशोधन माना।

साथ ही कोर्ट ने किसी दुर्लभ बीमारी के इलाज के लिए उपलब्ध एकमात्र दवा की आम जनता के लिए बहुत ही किफायती और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्धता को भी फैसले के लिए महत्वपूर्ण कारक माना था। बाद में डिवीजन बेंच ने भी इसी माह फैसला देते हुए एकल न्यायाधीश के निर्णय में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया।

उच्च न्यायालय की युगल पीठ के फैसले के बाद नैटको फार्मा ने प्रेस रिलीज़ जारी कर बताया कि कंपनी ने रिस्डिप्लाम के जेनेरिक संस्करण को तुरत प्रभाव से व कोर्ट के समक्ष उसकी मंशा अनुरूप दवा को प्रति बोटल 15,900 में जारी करने का निर्णय लिया जो रोश फार्मा द्वारा एवरिस्डी (रिस्डिप्लाम) की प्रति बोतल कीमत लगभग 6 लाख से 97 प्रतिशत कम है। नैटको ने अपने पेशेंट एक्सेस प्रोग्राम के तहत कुछ अधिक जरूरतमंद मरीजों को इस मूल्य पर भी छूट देने की इच्छा जाहिर की है।

स्पानइल मस्कुलर एट्रोफी (एस.एम.ए.) मांसपेशियों से समबन्धित एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार है जो एसएमएन1 जीन की डिफेक्टिव प्रतियों के कारण होता है व मोटर न्यूरॉन्स को प्रभावित करता हैं। मोटर न्यूरॉन्स मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में विशिष्ट तंत्रिका कोशिकाएँ होती हैं जो चेहरे, बाहों, पैरों, छाती, गले और जीभ की गति को नियंत्रित करती हैं।

साथ ही बोलने, चलने, निगलने और साँस लेने के लिए प्रयुक्त मांसपेशियाँ की गतिविधि को भी नियंत्रित करती है।

आमतौर पर रिपोर्ट की जाने वाली दुर्लभ बीमारियों (ऑर्फ़न डिजीज) में, लाइसोसोमल भंडारण विकार, गौचर रोग, पोम्पे रोग, फैब्री रोग, स्पानइल मस्कुलर एट्रोफी आदि शामिल हैं। नेशनल रजिस्ट्री फॉर रेयर एंड अदर इनहेरिटेड डिसऑर्डर्स में अब तक 18366 दुर्लभ विकार से ग्रसित मरीजों का पंजीकरण हुआ है जो निश्चित ही वास्तविक संख्या से कम है जबकि भारत में ही प्रति वर्ष लगभग 4,000 नवजात एस.एम.ए. डिसऑर्डर के साथ पैदा होते है।

एस.एम.ए. के संभव इलाज में नवीन उपचारों ने रोगियों के लिए दीर्घायु और जीवन की गुणवत्ता में सुधार का अवसर दिखाया है लेकिन दूर–सुदूर क्षेत्रों में विशेषज्ञों की अनुपलब्धता व ट्रीटमेंट का सामर्थ्य के बाहर होने के कारण बहुसंख्यक परिजनों के लिए चुनौतीपूर्ण है।

उक्त वर्णित रोश फार्मा के रिस्डिप्लाम के अतिरिक्त ज़ोल्गेन्स्मा – दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एक बार दिया जाने वाला एकमात्र स्वीकृत जीन थेरेपी है जिसकी कीमत लगभग 16 करोड़ है, वही इंजेक्शन नुसिनर्सेन (स्पिनराज़ा) भी एक विकल्प है जिसके प्रत्येक डोज़ की कीमत लगभग 87 लाख है, ही अनुमत उपलब्ध इलाज है।

भारत सरकार द्वारा तिरसठ असाध्य रोगों के उत्कृष्टता केंद्रों में उपचार के लिए प्रति रोगी 50 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता भी एस.एम.ए. के इलाज में नाकाफी है जो प्रति मरीज 16 करोड़ से अधिक हो सकती है। इस कमी को पूरा करने के लिए व दानदाताओं द्वारा स्वैच्छिक दान की सुविधा प्रदान लिए सरकार ने पारदर्शी डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म बनाया गया है। इस पोर्टल पर रोगियों से संबंधित जानकारी, रोग, उपचार की अनुमानित लागत और उपचार करने वाले संस्थानों के बैंक खातों का विवरण उपलब्ध है।

आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान भारत सरकार पेटेंट एक्ट में उल्लेखित प्रावधानों प्रयोग का करके दवा व सार्वजनिक स्वास्थ्य से सम्बंधित पेटेंट्स को इस्तेमाल कर या कंपल्सरी लाइसेंस प्रक्रिया में लाकर किफायती दामों पर जेनेरिक दवा को जन उपलब्ध उपलब्ध करा सकती है। सांसद श्री हरीस बीरन भी राज्य सभा में भारत सरकार द्वारा धारा 100 के अंतर्गत क़ानूनी छूट देकर जेनेरिक्स के निर्माण को बढ़ावा देने की बात कह चुके है।

कोर्ट का यह निर्णय बौद्धिक संपदा अधिकारों और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाने के न्यायपालिका के निरंतर प्रयास को दर्शाता है। भारत पहले ही यूकेएफटीए व इफटीए जैसे मुक्त व्यापार समझौतो से डाटा एक्सक्लूसिविटी को बाहर रखकर, सस्ती दवा तक आसान पहुंच और न्यूनतम समयावधि में जेनेरिक दवा उपलब्ध कराने के प्रति अपनी नीति पर तटस्थता जाहिर कर चूका है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने भी देश भर के औषधि नियामकों को दुर्लभ रोगों के इलाज के लिए दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने है व ऐसे सभी आवेदनों पर तीन महीने के भीतर कार्रवाई का निर्देश दिए है। चूँकि सार्वजनिक स्वास्थ्य मुख्य रूप से राज्य का विषय है इसलिए केंद्रीय योजनाओ का प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सख्त निगरानी जरुरी है।

पेटेंट एक्ट द्वारा जन स्वास्थ्य सम्बंधित प्रदत शक्तियों का समय समय पर इष्टतम इस्तेमाल, जेनेरिक्स निर्माताओं के लिए विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम, दुर्लभ रोगों की दवाओं के नमूनों के सरकारी प्रयोगशाला मूल्यांकन को प्राथमिकता, अंतर्राष्ट्रीय दवा निर्माताओं के साथ साझेदारी, अनुसंधान में अधिक निवेश, न्यायालय के जन स्वास्थ्य व दवा के पेटेंट से सम्बंधित निर्णयों की सख्त पालना, केंद्र व राज्य सरकारों के बीच योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बेहतर तालमेल, क्राउड फंडिंग के बारे में जागरूकता आदि कुछ ऐसे कदम है जो एस.एम.ए. पीड़ितों के लिए उपचार और उनके गरिमापूर्ण जीवन के लिए मील के पत्थर साबित होंगे।

–विकास आसावत,
पेटेंट अटॉर्नी एवं एडवोकेट

राशिफल बुधवार 5 नवम्बर, 2025

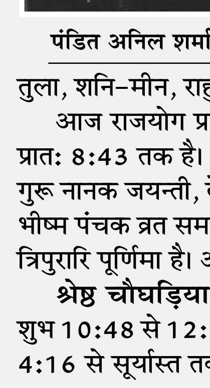

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र प्रात: 9:40 तक, सिद्धि योग दिन 11:28 तक, विष्टि करण प्रात: 8:43 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–मेष, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज राजयोग प्रात: 9:40 से सायं 6:44 तक है। भद्रा प्रात: 8:43 तक है। आज कार्तिक पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, गुरू नानक जयन्ती, देव दिवाली है। आज कार्तिक स्नान और भीष्म पंचक व्रत समाप्त होंगे। आज व्यतिपात पुण्य, मन्वादि, त्रिपुरारि पूर्णिमा है। आज अष्टानिका महापर्व पूर्ण होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:27 तक, शुभ 10:48 से 12:10 तक, चर 2:54 से 4:16 तक, लाभ 4:16 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:43, सूर्यास्त 5:38 तक

मेष
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर–परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। संभावित धन प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा की स्थिति बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

राजस्थान में डेयरी विकास के लिये 1000 करोड़ रुपए का "कोरपस फण्ड" बनाने की मंजूरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस ऐतिहासिक पहल से प्रदेश की सहकारी डेयरियों और उनसे जुड़े लाखों दुग्ध उत्पादकों को फायदा मिलेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार ने डेयरी विकास के लिए राज्यभर की डेयरियों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिये 1000 करोड़ रुपये के "कोरपस फण्ड" बनाने की स्वीकृति जारी की है। यह स्वीकृति राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट फण्ड के लिये जारी की गई है। डेयरी विकास के क्षेत्र में राजस्थान में पिछले दो दशकों में पहली बार यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस ऐतिहासिक पहल से प्रदेश की सहकारी डेयरियों और उनसे जुड़े लाखों दुग्ध उत्पादकों को फायदा होगा। साथ ही डेयरियों के आधारभूत ढांचे में विस्तार से आरसीडीएफ एवं जिला दुग्ध संघों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार की संभावनाएं तलाशने में भी मदद मिलेगी।

राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन की प्रशासक एवं प्रबन्ध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि राजस्थान में डेयरी विकास के क्षेत्र में इतनी बड़ी राशि के विनियोजन की स्वीकृति पहली बार जारी की गई है। स्वीकृत राशि से राज्यभर की सहकारी डेयरियों में दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार किया जायेगा और वर्तमान में आरसीडीएफ की कुल दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता को 52 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 75 लाख लीटर प्रतिदिन किया जावेगा। उन्होंने बताया कि अलवर, उदयपुर, बांसवाड़ा, भरतपुर एवं सवाईमाधोपुर में नवीन एवं अत्याधुनिक तकनीक के डेयरी प्लान्टस की स्थापना की जावेगी। इसके साथ ही सीकर-झुन्झुनुं, श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़, जोधपुर और कोटा दुग्ध संघों के डेयरी प्लान्टस का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। कोटा, उदयपुर एवं राजसमंद जिलों में भी नये अत्याधुनिक संयंत्रों की स्थापना की जावेगी और जोधपुर पशु आहार संयंत्र का विस्तारीकरण किया जावेगा।

- **राज्य सरकार के इस फैसले से आरसीडीएफ की दुग्ध प्रसंस्करण क्षमता भी बढकर 75 लाख लीटर प्रतिदिन होगी**
- **इसके साथ ही पशु आहार उत्पादन क्षमता भी 2550 मैट्रिक टन प्रतिदिन हो जाएगी**

पाली एवं हनुमानगढ़ जिले में 60 मैट्रिक टन क्षमता के नये डेयरी प्लान्टस भी स्थापित किये जाएंगे। श्रुति भारद्वाज ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत इस बजट के कारण आरसीडीएफ के पशु आहार संयंत्रों की उत्पादन क्षमता भी बढ़ाई जा सकेगी।

वर्तमान में पशु आहार संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 1800 मैट्रिक टन प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 2500 मैट्रिक टन प्रतिदिन किया जाएगा। इसी प्रकार आरसीडीएफ के पाउडर प्लान्टस की वर्तमान क्षमता 165 मैट्रिक टन प्रतिदिन है, जिसे बढ़ाकर 225 मैट्रिक टन प्रतिदिन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि "कोरपस फण्ड" की 10 प्रतिशत राशि आरसीडीएफ स्वयं के द्वारा अर्जित लाभ में से देगा।

इसी प्रकार जिला दुग्ध संघों द्वारा भी कोरपस फण्ड की 10 प्रतिशत राशि उनके द्वारा अर्जित लाभ में से दी जावेगी। कोरपस फण्ड में बैंक अथवा वित्तीय संस्थाओं से उचित ब्याज दर पर ऋण लिया जा सकेगा।

केन्द्रीय प्रवर्तित योजना एएचआईडीएफ के अन्तर्गत 3 प्रतिशत ब्याज की सब्सीडी भारत सरकार और 3 प्रतिशत ब्याज की सब्सीडी राजस्थान सरकार द्वारा दी जावेगी।

'गिवअप' अभियान से जुड़कर 42 लाख लोगों ने खाद्य सुरक्षा योजना से स्वयं नाम हटवाया

इस कारण राज्य सरकार 69.50 लाख नए पात्र लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ सकी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में 42 लाख अपात्र लोगों ने स्वयं "गिव अप" अभियान से जुड़कर खाद्य सुरक्षा योजना छोड़ी है। इससे अब पात्र और वंचित लोगों को फायदा मिलेगा।

प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम में लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीमा निर्धारित है। परंतु यह सीमा पूर्ण हो जाने के कारण नए पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 1 नवम्बर 2024 को आरंभ हुए "गिव अप" अभियान में प्रदेशभर में 41.95 लाख से अधिक अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। करीब 27 लाख से अधिक व्यक्ति ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण स्वत: सूची से बाहर हो गए, जिससे नए पात्र लाभार्थियों के लिए स्थान उपलब्ध हुआ। यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि 26 जनवरी को खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुन: शुरू किया। इसके बाद से अब तक लगभग 69.50 लाख नए पात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जा चुका है।

- **खाद्य सुरक्षा योजना में कलैक्टर्स जोड़ सकेंगे लाभार्थी, लोग स्वयं हटा सकेंगे अपना नाम सूची से**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पात्र वंचितों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब जिला कलेक्टर को भी एनएफएसए सूची में नए लाभार्थियों को सम्मिलित करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही, सक्षम लाभार्थी पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना नाम सूची से हटवा सकते हैं। इससे पारदर्शिता और न्यायसंगतता सुनिश्चित हुई है।

मुख्यमंत्री की इस पहल से पात्र वंचितों को न केवल खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना में 450 रुपये की दर से प्रतिवर्ष 12 गैस सिलेंडर, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में 5 लाख रुपये का निशुल्क बीमा और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में निशुल्क चिकित्सा सुविधा जैसी अन्य योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों के चलते राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का यह विस्तार न केवल राज्य की प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर की भावना को साकार करने वाला ऐतिहासिक कदम है। राजस्थान सरकार की यह पहल 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को मूर्त रूप दे रही है।

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा राजपार्क गुरूद्वारा

गुरुनानक देव की जयंती आज, जयपुर के सभी गुरुद्वारों को फूलों से सजाया

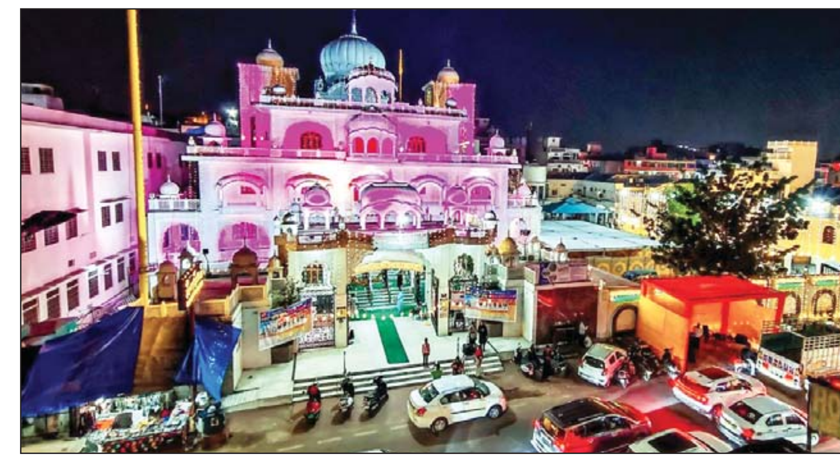

गुरूनानक देव जयंती की पूर्व संध्या पर राजापार्क स्थित गुरूद्वारे को रोशनी से सजाया गया।

जयपुर। सिख धर्म के प्रथम गुरु और संस्थापक गुरुनानक देव जी का 556वां प्रकाश पर्व (जयंती) 5 नवंबर को पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर जयपुर के सभी गुरुद्वारों में रोशनी और सजावट की गई है। पूरे परिसर को रंगीन लाइटिंग और फूलों से सजाया गया है।

गुरुद्वारे के सेक्रेटरी गुरमीत सिंह ने बताया कि कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह 5 बजे नित नेम से होगी। जो 6.30 बजे तक चलेगा। इसके बाद सुबह साढ़े सात बजे से आसा दी वार का कीर्तन होगा। इसे दरबार साहब (अमृतसर) के हजूरी रागी जत्था भाई ओंकार सिंह द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद सिख शिक्षण संस्था के बच्चे गुरुवाणी कीर्तन करेंगे। गुरुद्वारे में दोपहर से लेकर शाम तक भी धार्मिक कार्यक्रम जारी रहेंगे। भाई ओंकार सिंह, भाई तेजेंद्र सिंह और गुरुमत प्रचारक विचारक ज्ञानी किशन सिंह साध संगत के समक्ष गुरुवाणी कीर्तन एवं गुरमत विचार प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान गुरु के उपदेश, जीवन दर्शन और इतिहास पर आधारित विचार साझा किए जाएंगे। इसके बाद प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए अरदास की जाएगी। इस पावन अवसर पर सरबत के भले की अरदास कर समूची मानवता के कल्याण की प्रार्थना की जाएगी।

राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजय पाल सिंह ने बताया कि जयपुर में आदर्श नगर राजापार्क, वैशाली नगर, कंवर नगर और मानसरोवर गुरुद्वारों में बुधवार की सुबह से ही संगत पहुंचना शुरू हो जाएगी।उन्होंने बताया कि आदर्श नगर गुरुद्वारे में लगभग 25 हजार श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। यहां श्रद्धालु मत्था टेकने के बाद दिनभर लंगर परसादी ग्रहण करेंगे। गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी को भी विशेष फूलों और रोशनी से सजाया गया है। गुरुद्वारे के ज्ञानी जगदीश सिंह ने बताया कि गुरु ने कई उपदेश दिए है। इनमें गुरुनानक देव जी के उपदेश नाम जपो, किरत करो, वंड छको के भाव को आगे बढ़ाने के लिए श्रद्धालु सेवा और भक्ति में लीन रहेंगे। जयपुर में प्रकाश पर्व का यह आयोजन न केवल सिख समाज बल्कि अन्य समुदायों के लिए भी श्रद्धा और एकता का प्रतीक बनेगा।

2130 बदमाशों के ठिकानों पर छापा

जयपुर। जयपुर पुलिस ने मंगलवार को बदमाशों के 2130 संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देकर 551 वांछित अपराधियों को गिरफ्तार किया। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि पुलिस की 430 टीमों ने हार्डकोर और वांछित अपराधियों के ठिकानों को चिह्नित कर आठ जिलों में एक साथ दबिश दी थी, जिससे बदमाशों में हडकंप मच गया।

वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क

कॉर्पोरेट कार्यालयः चौथी मंजिल, पूर्वी विंग, वर्ल्ड मार्क-1, एरोसिटी, दिल्ली 110 037

दूरभाषः 011-49111200, www.gstn.org.in

निविदा सूचना

सरकारी उद्यम, वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन), निम्नलिखित वस्तुओं/सेवाओं के लिए पात्र फर्मों/कंपनियों से बोलियां आमंत्रित करता है:

विवरण	बोली जमा करने की अंतिम तिथि और समय
उच्च-स्तरीय लैपटॉप और डेस्कटॉप की आपूर्ति और स्थापना के लिए निविदा	को 15:00 बजे 18 नवंबर, 2025 तक

निविदा/आरएफपी दस्तावेज़ एवं संबंधित आवश्यक जानकारी जीएसटीएन वेबसाइट www.gstn.org.in से डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र को जीएसटीएन वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

CBC 15319/12/0004/2526 संजय शर्मा, उपाध्यक्ष (पी एंड सी)

Government of India

Ministry of Road Transport and Highways

संबंधित व्यक्ति विवरण परिवहन वेबसाइट **https://parivahan.gov.in/** पर देख सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया ईमेल करें - आईडी: helpdesk-vahan[at]gov[dot]in and helpdesk-sarathi[at]gov[dot]in

CBC 37101/13/0012/2526

अवैध शराब समेत दो गिरफ्तार

रामसिंहपुर, (निसं)। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों के दौरान 10 लीटर अवैध हथकढ़ शराब बरामद की गई। यह कार्रवाई थानाधिकारी अजय कुमार के निर्देश पर की गई। पहली कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल गुलाब सिंह ने रेडबगी फाटक के पास से अंकुश पुत्र जरनैल सिंह को पकड़ा। उसके पास से 5 लीटर अवैध हथकढ़ शराब जब्त की गई। वहीं, दूसरी कार्रवाई में हेड कॉन्स्टेबल वीरेंद्र सिंह ने राजेन्द्र उर्फ राजू पुत्र चंद्रभान मेघवाल को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से भी 5 लीटर अवैध हथकढ़ शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी मौलवी को आजीवन कारावास

आरोपी मौलवी ने मिठाई का लालच देकर बच्ची को मस्जिद में ले जाकर दुष्कर्म किया था

- **जज ने कहा कि 5 साल की छोटी उम्र खिलौनों से खेलनी की होती है, ऐसी दरिंदगी जघन्य अपराध है, जिसमें किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जा सकती है**
- **पीड़िता को मुआवजा दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर को अनुशंसा भेजी है**

अलवर, (निसं)। अलवर में पांच साल की मासूम बच्ची से रेप करने के दोषी मौलवी को अंतिम सांस तक कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। आरोपी पर साढ़े 6 लाख का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी ने मिठाई का लालच देकर बच्ची के साथ वारदात की थी।

विशिष्ट पॉक्सो न्यायालय संख्या-2 की जज शिल्पा समीर ने आरोपी को सजा सुनाते हुए कहा कि 5 साल की छोटी उम्र खिलौनों से खेलनी की होती है। ऐसी दरिंदगी जघन्य अपराध है, जिसमें किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जा सकती है।

सरकारी वकील पंकज यादव ने बताया कि पीड़िता के पिता ने सितंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया कि 22 सितंबर 2024 को मौलवी उसकी 5 साल की बेटी को मिठाई देने के बहाने मस्जिद में ले गया था। आरोपी ने मस्जिद में ही वारदात को अंजाम दिया। बच्ची की मां के मौके पर पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी को बस स्टैंड से दबोचा था। वह वारदात के बाद बस और अन्य वाहनों से भागने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में पेश की। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 16 गवाह और 18 दस्तावेजी सबूत पेश किए। कोर्ट ने सबूतों, मेडिकल रिपोर्ट और एफएसएल सबूत के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराया। कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया। इसके अलावा पीड़िता को मुआवजा दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर को अनुशंसा भेजी है।

डोरबेल बजाने पर बालक को पीटा

भीलवाड़ा, (निसं)। एक बच्चे का डोरबेल बजाना एक व्यक्ति को इतना नागवार गुजरा कि एक दो नहीं बल्कि आठ थप्पड़ मारे। वारदात करने वाला डॉक्टर बताया जा रहा है। डॉक्टर यानी एक सभ्य व्यक्ति जो बच्चे की नादानी पर इतना भड़क गया कि इंसानियत ही भूल गया। घटना रायला के राजस्थान ग्रामीण बैंक के पास स्थित निजी क्लिनिक के बाहर हुई है। वीडियो में थप्पड़ मारने वाला व्यक्ति डॉक्टर रंजीत मंडल है। पीड़ित बच्चे के पिता ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। बच्चे को मानसिक और शरीरिक ज़ख्म देने वाले डॉक्टर मंडल ने अलग से सफाई पेश की है कहा कि ये बच्चा रोजाना डोरबेल बजा कर भाग जाया करता था।

करोड़ों के मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

- **एक स्कॉर्पियो जब्त, मणिपुर से मादक पदार्थ लेकर आ रहे थे**

दौसा, (निसं)। मेहंदीपुर बालाजी के पास खेड़ा पहाड़पुर में एजीटीस और एसओजी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 10 किलो 692 ग्राम मादक पदार्थ पकड़ा है। साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार कर एक स्कॉर्पियो को भी जब्त किया है। तस्कर मणिपुर से मादक पदार्थ लेकर आ रहे थे। इसकी कीमत करोड़ों में आंकी गई है।

जानकारी के अनुसार एजीटीएस और एसओजी की टीमें पांच बोलेरो में भरकर जयपुर से खेड़ा पहाड़पुर के पास पहुंची, जहां कई घंटे तक कार्रवाई की गई। दौसा पुलिस के एएसपी हेमंत कलाल व मेहंदीपुर बालाजी थानाधिकारी गौरव प्रधान भी पहुंचे। मादक पदार्थ और तस्करों को पकड़कर मेहंदीपुर बालाजी थाने लाया गया। एडीजी दिनेश एमएन के निर्देश पर मादक पदार्थों के खिलाफ हुई यह कार्रवाई जिले में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है।

एसपी सागर राणा ने बताया कि करोड़ों की कीमत का 10 किलो 692 ग्राम मादक पदार्थ पकड़ा गया है। दो तस्कर गिरफ्तार किए हैं और उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी को जब्त कर लिया गया है।

45 किलो डोडा-चूरा समेत आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नारकोटिक्स टीम ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए छोटी सादड़ी बस स्टैंड से सेमरदा करुंडा रोड़ के बीच एक मारुति ऑल्टो कार को रोककर तलाशी के दौरान 45.520 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उक्त कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति राजस्थान नम्बर वाली मारुति ऑल्टो कार में छोटी सादड़ी बस स्टैंड से सेमरदा करुंडा रोड़ तक अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। सूचना पर सीबीएन प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी, टीम ने संदिग्ध वाहन की पहचान करने के बाद उसे रोक लिया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने मौके पर कार की तलाशी ली तो कार में 45.520 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद डोडा चूरा को वाहन सहित जब्त कर लिया और एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल

- **पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल में स्वदेशी तकनीक से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उच्च गति परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण**

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल में स्वदेशी तकनीक से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उच्च गति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह ट्रायल अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ), लखनऊ की परीक्षण निदेशालय टीम द्वारा 2 नवम्बर से प्रारंभ किया गया है, जो 17 नवम्बर तक चलेगा।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यह परीक्षण सवाई माधोपुर-कोटा-नागदा खंड पर 16 कोच वाले वंदे भारत स्लीपर रेक के माध्यम से किया जा रहा है। ट्रेन को अधिकतम 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर चलाकर उसकी तकनीकी दक्षता, ब्रेकिंग क्षमता, स्थिरता, कंपन तथा यांत्रिक व विद्युत प्रणालियों की विश्वसनीयता की जाँच की जा रही है। आरडीएसओ के परीक्षण निदेशक राधेश्याम तिवारी के निर्देशन में यह ट्रायल वास्तविक यात्री भार के समान परिस्थितियों में किया गया। रेक को पूर्ण लोडेड स्थिति में चलाया गया, जिसमें 800 टन रेक भार के अतिरिक्त 108 टन अतिरिक्त भार (50-50 किलोग्राम लोहे की धूल से भरे कनस्तरों के रूप में) जोड़ा गया। इस प्रकार कुल 908 टन भार के साथ ट्रेन का संचालन कर इसे वास्तविक ऑपरेशनल स्थिति में परखा गया। यह परीक्षण भारतीय रेल के इंजीनियरिंग कौशल और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है।

रोहलखुर्द-लबान स्टेशनों के मध्य 180 किमी प्रति घंटे की गति से 50 किलोमीटर तक लॉन्ग कंफर्मेटरी रन (एलसीआर) सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त ऑसिलेशन टेस्ट और वेट ट्रैक इमरजेंसी ब्रेकिंग टेस्ट जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी परीक्षण भी किए गए, जिनका उद्देश्य उच्च गति पर ट्रेन की स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस ट्रायल में आरडीएसओ के परीक्षण निदेशक राधेश्याम तिवारी के अतिरिक्त, मुख्य लोको निरीक्षक रामनिवास मीणा, यातायात निरीक्षक संदीप दुबे, लोको पायलट पंचम सिंह, अभिनंद त्रिगुनयक, राजेश भाटजीवाल, पी.के. जैन एवं ट्रेन प्रबंधक धर्मेन्द्र कुमार सैनी सहित तकनीकी विशेषज्ञों का योगदान रहा। वंदे भारत स्लीपर रेक नवीनतम डिज़ाइन की संशोधित बोगियों से सुसज्जित है, जो उच्च गति पर भी अधिक स्थिरता और आराम प्रदान करती हैं। यह ट्रायल मिशन रफ्तार और मिशन गति शक्ति के तहत भारतीय रेल के उच्च गति नेटवर्क की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

शादी वाले घर में दो सिलेण्डर ब्लास्ट, 13 लोग घायल

घायलों में नौ का एमडीएम और तीन का एमजीएच में इलाज चल रहा है, दो की हालत गंभीर

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में शादी वाले घर में एक के बाद एक दो सिलेंडर ब्लास्ट हो गये। हादसे में 13 लोग घायल हो गए। घायलों में नौ का एमडीएम और तीन का एमजीएच में इलाज चल रहा है। इनमें दो की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा बावड़ी के पास हरढाणी में मंगलवार शाम हुआ। हादसे में दूल्हा महेंद्र भी झुलस गया है। महेंद्र की 15 नवंबर को शादी है।

एएसपी भोपालसिंह लखावत ने बताया कि खेड़ापा थाना क्षेत्र के एक मकान में कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा था। इस दौरान गैस वेल्डिंग हो रही थी, चिंगारी उछल गई। इस वजह से सिलेंडर में आग लग गई और विस्फोट हो गया।

हादसे में घायल एक व्यक्ति ने बताया कि उसके नाक और मुंह पर चोट लगी है। पता ही नहीं चला कि सीएनजी गैस की टंकी फटी या सिलेंडर ब्लास्ट हुआ। तेज धमाका हुआ और कुछ पत्थर जैसे आकर गिरे। मुझे कैसे चोट लगी पता ही नहीं चला। एकदम से धुआं हो गया था। हादसे में छोटू सिंह, अजमाल सिंह, दिनेश, राकेश, निवासी सेवकी कल्ला, बुधाराम निवासी हरढाणी, अजमाल सिंह निवासी हरढाणी, गणपत राम निवासी हरढाणी, ओमाराम निवासी हरढाणी, रामदास, सुनील निवासी पूसाराम हरढाणी, महिपाल निवासी हरढाणी घायल हुए हैं।

बनास नदी में डूबे युवक का शव मिला

टोंक, (निसं)। मेहंदवास थाना क्षेत्र में बह रही बनास नदी में नहाते समय डूबे युवक का शव चौथे दिन मंगलवार को घटना स्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर बरामद किया गया।

- **युवक का तीन दिन बाद 10 किलोमीटर दूर मिला**

एसडीआरएफ टीम ने बताया कि बीते शनिवार को दोस्तों के साथ बनास नदी पर नहाने आये राकेश कीर पुत्र रमेश कीर (28) निवासी थली जो बनास नदी पर स्थित मंदिर के पीछे बने घाट पर नहाने के लिए उतरा था, तभी से वह मौके से लापता होने पर दोस्त घबरा गए। बाद में सूचना पर परिजन व मेहन्दवास थाना पुलिस पंहुची तथा पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश की लेकिन नहीं मिला। फिर रविवार को एसडीआरएफ टीम को अजमेर से बुलाया गया। टीम ने तीन दिन तक लगातार तलाश की। लेकिन लापता युवक नहीं मिला। मंगलवार को टीम के प्रयास से युवक का शव घटनास्थल से दस किमी दूर बनास नदी के अमीनपुरा रपटे के पास नजर आया, जिसे निकालकर पुलिस को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों के सौंप दिया।

अवैध माल परिवहन के खिलाफ भीलवाड़ा गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन सख्त

भीलवाड़ा गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की विशेष बैठक में बस दुर्घटनाओं को लेकर चर्चा की

- **ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध माल परिवहन को ट्रेवल्स और वीडियोकोच के माध्यम से पूर्ण रूप से बंद करने पर सभी की सहमति रही**

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की विशेष बैठक संपन्न हुई, जिसमें बस दुर्घटनाओं की लगातार हो रही घटनाओं पर गंभीर चर्चा की गई। एसोसिएशन ने इन दुर्घटनाओं और अवैध माल परिवहन (लदान) को रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

अध्यक्ष विश्वबन्धु सिंह राठौड़ ने बताया कि बस दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए 70 सदस्यों की एक कमेटी का गठन किया गया है और इसे सात टीमों में विभाजित किया गया है। साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध माल परिवहन को ट्रेवल्स और वीडियोकोच के माध्यम से पूर्ण रूप से बंद करने पर सभी की सहमति रही। सचिव सुनील सोडाणी ने बताया कि आज ही एसोसिएशन की टोलियों ने उन तमाम ट्रांसपोर्टरों और ट्रैवल संचालकों को पाबंद किया गया जो अवैध बुकिंग कर रहे थे। इस दौरान दो ट्रावेल्स एजेन्सी के यहां गाड़ी भरी हुई पकड़ी गई। डीटीओ को बुलाकर चालान करवाया गया और माल तथा गाड़ी को सीज़ कर दिया गया है। एसोसिएशन ने सख्त रुख अपनाते हुए भविष्य में भी अवैध माल लदान के खिलाफ सख्ती से पेश आने की चेतावनी दी है।

कोषाध्यक्ष केशव भुरानी ने बताया कि एसोसिएशन ने सभी व्यापारियों से अनुरोध किया है कि वे अपना माल ट्रेवल्स या वीडियोकोच में न देकर ट्रांसपोर्ट एजेंसी को ही दें। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके माल के नुकसान, हर्जे-खर्चे की जिम्मेदारी उनकी स्वयं की होगी। ट्रेवल्स की आड़ में या कार्गो की आड़ में जो ट्रेवल्स चलाए जा रहे हैं, उन्हें तुरंत बंद करें, अन्यथा टूट-फूट की जिम्मेदारी उनकी होगी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष विश्वबन्धु सिंह राठौड़ ने बताया कि अवैध लदान की यह लड़ाई कई सालों से लड़ रहे हैं और आज की स्थिति में सरकार, प्रशासन और आम जनता उनके साथ हैं। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं न हों, इसके लिए एसोसिएशन लगातार सक्रिय रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों को भारी नुकसान भुगतने की चेतावनी देती है। इस बैठक में सुनील सोडाणी, ज्ञानचंद तातेड़, दिलीप जैन, रतन मीणा, किशोर नानेचा, दीपक सोगानी, अरिहंत जैन, राहुल कटारिया, पिंटू सिंह, गोपाल शर्मा, सत्यवीर यादव सहित भीलवाड़ा गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सदस्य, कार्यकारिणी समिति और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड, प्रथम उदयपुर

क्रमांकःअअ/जिख/अंके/2025-26/4616-4640 दिनांकः 28/10/25

ई-निविदा सूचना संख्या 56-68/2025-26

खण्ड कार्य क्षेत्र में विभिन्न उपखण्डों के विभिन्न ग्रामों की पेयजल योजना संबंधित विभिन्न कार्य (रू. 10.00 से 60.00 लाख तक के) की आमंत्रित की जाती है जो कि दिनांक 11.11.2025 को 18.00 बजे प्राप्त की जावेगी। निविदाओं का विस्तृत विवरण राज्य सरकार के उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकता है।

NIB Code-PHE2526A3889

UBN No.- PHE2526SLRC07948, PHE2526SLRC07949, PHE2526SLRC07950 PHE2526SLRC07951, PHE2526SLRC07953, PHE2526WSRC07958, PHE2526WSRC07959, PHE2526WSRC07960, PHE2526WSRC07967, PHE2526WSRC07968, PHE2526WSRC07969, PHE2526WSRC07970, PHE2526WSRC07971

अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड, प्रथम उदयपुर

DIPR/C/16062/2025

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- राजकाज 18597587 दिनांक :- 31/10/2025

ई-निविदा सूचना संख्याः- जोन दक्षिण/12/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:-JOD2526A0175

UBN No.:-JOD2526WSOB00375 To JOD2526WSOB00385

राज.संवाद/सी/25/13099 अधिशाषी अभियंता (दक्षिण)

कार्यालय नगर पालिका, रामगढ पचवारा, जिला-दौसा

Email ID:-lalsot.jaipur@yahoo.com Ph-01431-260714

क्रमांकः-न.पा.रा.प/2025/977 दिनांकः-21.10.2025

ई-निविदा सूचना-

नगर पालिका रामगढ पचवारा द्वारा बजट घोषणा संख्या 219.10.00/2025-26 के अन्तर्गत विद्युत सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा समय सांय 6.00 बजे तक दिनांक 18-11-2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कार्यों की अनुमानित लागत 76.80 लाख रू0 है।

UBN Number:-DLB2526WSOB22665

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रामगढ पचवारा

राज.संवाद/सी/25/13057

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

केंद्र / राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य निविदाकारों से अधिशासी अभियंता (सिविल), अजमेर / सीकर के अधीन ई निविदा सूचना संख्या 18/2025-26 में क्र. स. 01 से 02 पर वर्णित सिविल कार्यों के लिए निर्धारित प्रपत्र में मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अधिशासी अभियंता (सिविल), मेड़ता सिटी के अधीन निविदा सूचना संख्या 19/2025-26 में क्र. स. 01 से 02 पर वर्णित कार्यों के लिए निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

UBN No.:- For NIB No. 18/2025-26- VPN2526WSOB02070, VPN2526WSOB0206

UBN No.:- For NIB No. 19/2025-26- VPN2526WSOB02079, VPN2526WSOB02080

अधीक्षण अभियंता (सिविल), अजमेर

राज.संवाद/सी/25/13088 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7215/2025

कार्यालय नगर पालिका भवानीमण्डी, जिला झालावाड़, राजस्थान

क्रमांक :- न.पा.भ./निर्माण/2025/1666 दिनांक :- 11/09/2025

-: ई-निविदा संख्या 12/2025-26 :-

सामान्य वित्तीय एवं लेखा नियम 26 के अनुसार तथा स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर के परिपत्र दिनांक 23 फरवरी 2015 No F8(G)(Rules)DLB/2015/4081 की पालना में राजस्थान नगर पालिका (सामान्य कय एवं अनुबंध) नियम 1974 के धारा 14 के उपधारा-1 के क्लॉज सी के अनुसार नगर पालिका भवानीमण्डी में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत संवेदको व अन्य विभागों में सक्षम श्रेणी के पंजिकृत ठेकेदारों/फर्मो से ई निविदा पद्धति से 1 कार्य की ऑनलाईन निविदाऐं दिनांक 03/11/2025 से 11/11/2025 तक आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत/ निविदा से संबंधित परिपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की शर्ते व अन्य जानकारी वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & http//sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB COAD- DLB2526A7604

अध्यक्ष नगर पालिका भवानीमण्डी — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका भवानीमण्डी

राज.संवाद/सी/25/13071

कार्यालय नगर पालिका पिड़ावा जिला-झालावाड़ (राज.)

E-mail id - eopirawa.lsg@rajasthan.gov.in Phone No. - 07434-258566

क्रमांक/न.पा.पि./निर्माण/2025/1940-1942 दिनांकः-29/10/2025

ई-निविदा क्रमांक 05/2025-26

नगर पालिका पिडावा में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको व अन्य विभागो के सक्षम श्रेणी में पंजिकृत फार्मो/संवेदको से ई-निविदा पद्धति से 5 कार्यो की दिनांक 04.11.2025 से 11.11.2025 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र डाउनलोड, अपलोड करने की तिथि व निविदा की षर्ते एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://sppp.rajasthan.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in व कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

NIB CODE :-DLB2526A7563

WORK NO.	UBN CODE
1	DLB2526WSRC22916
2	DLB2526WSOB22921
3	DLB2526GLOB22924
4	DLB2526WSOB22940
5	DLB2526WSOB22942

राज.संवाद/सी/25/13130 अध्यक्ष नगर पालिका पिड़ावा — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका पिड़ावा

कार्यालय अधिषाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड भीनमाल

क्रमांकः अअ/मीन/2025-26/859 **निविदा सूचना संख्याः 09 वर्ष 2025-2026** दिनांक. 28.10.2025

NIB No. PWD2526A4061

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सडक/भवन कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 469.79 लाख है के लिए ईटेण्डरिग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	:	01 नवम्बर 2025, 9:30 बजे से 17 नवम्बर 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रियाhttp://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN No. PWD2526WSOB15680
2. UBN No. PWD2526WSOB15681
3. UBN No. PWD2526WSOB15682
4. UBN No. PWD2526WSOB15683
5. UBN No. PWD2526WSOB15684
6. UBN No. PWD2526WSOB15685
7. UBN No. PWD2526WSOB15686
8. UBN No. PWD2526WSOB15687
9. UBN No. PWD2526WSOB15688
10. UBN No. PWD2526WSOB15589

(ओम प्रकाश) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल

DIPR/C/16014/2025

बाँसवाड़ा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि., बाँसवाड़ा

क्रमांक :- 2025-26/एफ/524 दिनांक :- 01/11/2025

ई-निविदा सूचना वर्ष-2/2025-26

बांसवाडा सहकारी उपभोक्ता थोक भण्डार लि. बांसवाडा द्वारा अर्न्तगत e-Bid for Procurement of Ration items- Wheat Atta, Wheat, Rice Basmati, Poha, Pules, Spices, Jeera, Sabat Chana, Kabuli, Moong, Soyabean Oil, Ghee Desi, Bath Soap, Washim Soap, Oil Base Soap, Toothpaste, ToothBrush, Hair Oil, Biscuit etc. के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 01.12.2025 को सायः 05.00 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से सम्बन्धित विवरण व अन्य शर्ते बेवसाईड http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपापन हेतु NIB Code-CMF2526A0082, UBN No. CMF2526GLOB00107 है।

राज.संवाद/सी/25/13103 महाप्रबंधक

कार्यालय नगर पालिका मण्डल विराटनगर (कोटपूतली-बहरोड़)

Ph. 01422-243929 Email- viratnagar.jaipur@yahoo.com

क्रमांकः न.पा.वि./2025/1646 दिनांक : 30.10.2025

-: ई-निविदा सूचना/2025-26 :-

नगर पालिका विराटनगर द्वारा निम्नलिखित कार्य की ई- निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eprocurement.gov.in पर भी उपलब्ध है तथा कार्यालय समय में सूचना बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

Sr. No.	NIB Code	UBN No.
1.	DLB2526A7542	DLB2526WSOB22824
2.	DLB2526A7542	DLB2526WSOB22825

राज.संवाद/सी/25/13077 अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका विराटनगर

कार्यालय नगर पालिका, खेजरोली-जयपुर (राज.)

क्रमांक/न.प. खेज./2025/1090 दिनांक 30.10.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिका कार्यालय खेजरोली द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु दर संविदा के माध्यम से कार्य करवाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंन्ट प्रक्रिया द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना एवं शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in पर NIB Code DLB2526A7613 तथा पर डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

UBN NO :	
	DLB2526WSRC23072
	DLB2526WSRC23073
	DLB2526WSRC23074
	DLB2526WSRC23075
	DLB2526WSRC23076
	DLB2526WSRC23077
	DLB2526WSRC23078

राज.संवाद/सी/25/13047 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका खेजरोली

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

निविदा सूचना

220/132 केवी, 100 एमवीए गैस फिल्ड पावर ट्रांसफार्मर टेंक का एसेसरीज और ऑयल ड्रम सहित 220 केवी जीएसएस मण्डावर से 220 केवी जीएसएस दूनी जिला टोंक तक लोडिंग, अनलोडिंग एवं शिफ्टिंग सहित ट्रांसपोर्टेशन के कार्य, 132 केवी डीसी सवाई माधोपुर-लाखेरी-केशोराय पाटन की लोकेशन संख्या 572 (DA+0) से लोकेशन संख्या 573 (DA+0) तक संशोधन कार्य कुस्तला देवपुरा बाईपास रेल्वे ट्रेक चेनेज नं. 4/1-2 के बीच (मैसर्स रेल्वे का डिपॉजिट कार्य), 132 केवी एससी सवाई माधोपुर-उनियारा लाइन की लोकेशन संख्या 7 (SA+0) से लोकेशन संख्या 8 (SA+0) तक कुस्तला देवपुरा बाईपास रेल्वे ट्रेक चेनेज के मध्य में (मैसर्स रेल्वे का डिपॉजिट कार्य) संशोधन के कार्य, 132/33 केवी, 20/25 एमवीए ऑयल फिल्ड पावर ट्रांसफार्मर टेंक का एसेसरीज और ऑयल ड्रम सहित ट्रांसफार्मर वर्कशॉप जयपुर से 132 केवी जीएसएस हिण्डोली जिला बून्दी तक लोडिंग, अनलोडिंग एवं शिफ्टिंग सहित ट्रांसपोर्टेशन के कार्य, 132/33 केवी, 20/25 एमवीए ऑयल फिल्ड पावर ट्रांसफार्मर टेंक का एसेसरीज और ऑयल ड्रम सहित 132 केवी जीएसएस राजगढ से 132 केवी जीएसएस अजनोटी जिला सवाई माधोपुर तक लोडिंग, अनलोडिंग एवं शिफ्टिंग सहित ट्रांसपोर्टेशन के कार्य हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की पूर्ण जानकारी / निविदा की तारीख बढाने की सूचना के दस्तावेज / विवरण देखने / डाउनलोड करने के लिये (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) एवम विभाग की वेबसाइट https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर उपलब्ध है।

UBN No. VPN2526SSOB02063, VPN2526WSOB02064, VPN2526WSOB02065, VPN2526SSOB02066, VPN2526SSOB02067

अधीक्षण अभियंता (प्र. एवं नि.), सवाई माधोपुर

राज.संवाद/सी/25/13082 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7209/2025

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD, DEOGARH

Near Bus Stand Deogarh

Tel. No. 02904-252039 E-mail Id-EODEOGARH.LSG@RAJASTHAN.GOV.IN

S.No. F ( )/MBD/Engg./E-NIB/09/2025-26/1797 Date :- 31-10-2025

Notice Inviting BID

NIB No 09/2025-26

नगर पालिका देवगढ द्वारा निम्नांकित विकास कार्यो हेतु केन्द्र व राज्य सरकार के विभागो व अधिकृत संगठनो व स्वायत शासी संस्थाओ में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से इलेक्ट्रोनिक फारमेन्ट में आनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित विस्तृत विवरण व जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in or http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE :- DLB2526A7583

UBN No.:- DLB2526WSOB22973, DLB2526WSOB22974, DLB2526WSOB22975, DLB2526WSOB22976, DLB2526WSOB22977, DLB2526WSOB22978, DLB2526WSOB22979, DLB2526WSOB22980, DLB2526WSOB22981, DLB2526WSOB22982, DLB2526WSOB22988, DLB2526WSOB22990, DLB2526WSOB22992, DLB2526WSOB22994

महत्वपूर्ण तिथियां

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कुल निविदा के कार्य	14
निविदा की अनुमानित लागत	395.54 लाख
निविदा प्रकाशन की तिथि	31.10.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	31.10.2025 06:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	12.11.2025 06:00 PM तक
भौतिक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने की तिथि	13.11.2025 11:00 AM तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	13.11.2025 12:00 PM से
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधि	नियमानुसार

राज.संवाद/सी/25/13074 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक :- एफ ( )/निविदा/2025-26/3157 - 3165 दिनांक :- 30/10/2025

NOTCE INVITING BID

NIT No. 30 - 38/2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 and MJSA 2.0 project area in Ahore, Bhinmal, Sayla, Jalore, Sarnau, Raniwara, and Bagoda of estimated Value INR 189.56 Lacs are invited from interested bidders Up to 3.00 PM 30-10-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https//eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB No.	UBN No.
NIT-30/2025-25 MJSA 2.2	Pakka Check Dem/Anicut Nirman (Bhinmal)	WSC2526A0913	WSC2526WSRC01569
NIT-31/2025-25 MJSA 2.1	Rooftop Tanka Nirman (Sayla)	WSC2526A0914	WSC2526WSRC01571
NIT-32/2025-25 MJSA 2.1	Rooftop Tanka, Farm Pond and Recharge Shaft Nirman (Sarnau)	WSC2526A0915	WSC2526WSRC01570
NIT-33/2025-25 MJSA 2.1	Rooftop Tanka, and Tanka Nirman (Raniwara)	WSC2526A0916	WSC2526WSRC01572
NIT-34/2025-25 MJSA 2.1	Rooftop Tanka, and Farm Pond Nirman (Bagoda)	WSC2526A0917	WSC2526WSRC01573
NIT-35/2025-25 MJSA 2.2	Rooftop Tanka, and CCT Nirman (Bagoda)	WSC2526A0918	WSC2526WSRC01574
NIT-36/2025-25 MJSA 2.1	ECD Nirman (Jalore)	WSC2526A0922	WSC2526WSRC01575
NIT-37/2025-25 MJSA 2.1	Rooftop Tanka Nirman (Ahore)	WSC2526A0920	WSC2526WSRC01576
NIT-38/2025-25 PMKSY 2.0	Pakka Check Dem/Anicut Nirman (Ahore)	WSC2526A0921	WSC2526WSRC01577

Raj.Samwad/C/25/13112 SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD, JALORE

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड जालोर

Tel: 02973-222272, Email: ee.jal.phed@rajsthan.gov.in, xen_jal@yahoo.com

क्रमांकः-वृत/जालोर / निविदा/ / 2025-26/2118-24 दिनांकः- 29/10/202

बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 37-44/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोक निर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) () के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मे पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों मे उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती हैः-

बिड संख्या	NIB No. PHE 2526A3921	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रकिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
37/2025-26	PHEWSRC08032	15.00	30000	500	500	12 माह
38/2025-26	PHEWSRC08033	15.00	30000	500	500	12 माह
39/2025-26	PHEWSRL08034	15.00	30000	500	500	12 माह
40/2025-26	PHEWSRC08035	15.00	30000	500	500	12 माह
41/2025-26	PHEWIRC8638	6.00	12000	500	500	12 माह
42/2025-26	PHEWSRC8039	6.00	12000	500	500	12 माह
43/2025-26	PHEWSRC8040	6.00	12000	500	500	12 माह
44/2025-26	PHEWSRC8041	6.00	12000	500	500	12 माह
ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि		31.10.2025				
ऑनलाईन बिड डाउनलोड / अपलोड करने की अन्तिम तिथि		07.11.2025 को 6.00 पी.एम.				
ऑनलाईनबिड खोलने की तिथि		08.11.2025 को 2.00 पी.एम.				

बिड से संबंधित समस्त विवरण वैबसाईट www.dipronline.org,sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

(राजकुमार कटारा) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग, खण्ड - जालोर

DIPR/C/16107/2025

राजस्थान विवि. में यू.जी.सी. विनियमों के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति व पदोन्नति व्यवस्था शीघ्र लागू करने की मांग

कानपुर, गोरखपुर, निम्बाहेडा और जयपुर के कई विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके प्रोफेसर अशोक कुमार ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को पत्र लिखकर इस संबंध में जल्द ठोस कार्रवाई का आग्रह किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रोफेसर अशोक कुमार ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को पत्र लिखकर राजस्थान विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) विनियमों के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति व्यवस्था शीघ्र लागू करने की मांग की है। प्रो. अशोक कुमार कानपुर, गोरखपुर, निम्बाहेडा और जयपुर के कई विश्वविद्यालयों में कुलपति के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। वे आई.एस.एल.एस. एंड सोशल रिसर्च फाउंडेशन इंडिया के अध्यक्ष भी है।

- **प्रोफेसर अशोक कुमार का कहना है कि यू.जी.सी. ने वर्ष 2018 में विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नित के लिए विस्तृत विनियम जारी किए थे। राजस्थान सरकार ने इन विनियमों में 4 संशोधन करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय को इन्हें अपने परिनियमों में सम्मिलित करने के लिए आदेश दिया था, परंतु यह अभी तक नहीं अपनाए गए।**
- **इसका दुष्प्रभाव यह हुआ है कि, राजस्थान यूनिवर्सिटी में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी तरह से रुकी हुई है तथा योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल रहे हैं। शिक्षकों के पद रिक्त होने के कारण नियमित कक्षाएं और अनुसंधान कार्य प्रभावित हो रहे हैं।**

प्रोफेसर अशोक कुमार ने राज्यपाल बागड़े को पत्र में लिखा है कि, "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने वर्ष 2018 में विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नित के लिए विस्तृत विनियम जारी किए थे। राजस्थान सरकार ने इन विनियमों में 4 संशोधन करते हुए राजस्थान विश्वविद्यालय को इन्हें अपने परिनियमों में सम्मिलित करने के लिए आदेश दिया था। इस संबंध में राज्यपाल द्वारा एक समिति का गठन भी किया था, जिसकी रिपोर्ट भी राज्यपाल कार्यालय को भेजी जा चुकी है। परंतु खेद खेद का विषय है कि इस रिपोर्ट और राज्य सरकार के आदेशों के बावजूद, राजस्थान विश्वविद्यालय ने अभी तक इन विनियमों को स्वीकार नहीं किया है।"

प्रोफेसर अशोक कुमार का कहना है कि राजस्थान विश्वविद्यालय में यह विनियम लागू नहीं होने के कारण में आज यहां शिक्षकों की नियुक्ति और पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी तरह से रुकी हुई है, जिससे योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल रहे हैं और कार्यरत शिक्षकों का मनोबल गिर रहा है। राजस्थान विवि. में शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं, यह गतिरोध लंबे समय से चल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों को पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं हैं और नियमित कक्षाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही है। शिक्षक नहीं होने के कारण अनुसंधान कार्य भी बाधित हो रहा है, जिससे विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिणक रैंकिंग तथा प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुँच रही है।

प्रो. अशोक कुमार ने कहा कि, राजस्थान विश्वविद्यालय का यह नकारात्मक रवैया सीधे तौर पर राज्य के उच्च शिक्षा के भविष्य और हजारों छात्रों के करियर को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने राज्यपाल से इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को शीघ्र उचित कार्रवाई करने के निर्देशित करने का आग्रह किया है।

डंपर से 14 लोगों को कुचलने वाले ड्राईवर के खिलाफ मामला दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

- **हरमाड़ा थाना इंचार्ज उदयसिंह करेंगे इस प्रकरण की जांच**
- **बीएनएस की धारा 105 में केस दर्ज, इसमें आजीवन या 10 साल तक की कारावास के साथ जुर्माने का प्रावधान है**

जयपुर। विश्वकर्मा स्थित लोहा मंडी में सोमवार की दोपहर नशे में धुत्त डंपर चालक ने एक कार चालक से मामूली कहासुनी के आवेश में आकर 14 लोगों को बेरहमी से कुचलता हुआ निकल गया था। हादसे के बाद मुख्य मार्गो में कोहराम मच गया और घंटों तक यातायात बाधित रहा। वहीं पुलिस ने इस मामले में डंपर चालक के खिलाफ आपराधिक मानव वध का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 105 में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले की जांच दुर्घटना अनुसंधान ईकाई की जगह हरमाड़ा थाना अधिकारी उदयसिंह करेंगे। पुलिस इस प्रकरण की जांच भी आपराधिक मामले की तरह गहनता से करेंगी।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घायल दिग्प्रताप सिंह की शिकायत पर डंपर चालक कल्याण मल के खिलाफ धारा 105 बीएनएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को बताया की पूरा घटना क्रम उसकी आंखों के सामने हुआ। वो अपनी मां के साथ स्कूटी पर लोहामंडी की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर लापरवाही तरीके से आया और पैदल जा रहे लोगों को कुचलता हुआ निकल गया। डंपर चालक ने कई दूपहिया और चौपहिया वाहनों को भी टक्कर मारी और दर्जनों लोगों को घायल करता हुआ आगे बढ़ गया।

एडवोकेट पंकज पंचलगिया ने बताया कि पुरानी आईपीसी की धारा 304 के तहत आपराधिक मानव वध में लगाई जाती थी। लेकिन अब बीएनएस एक्ट के तहत धारा 105 गैर -इरादतन हत्या की धारा जोड़ी जाती है। जिसमें आजीवन या 10 साल तक का कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर से प्रदेश में होंगे कार्यक्रम

देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत उत्सव के रूप में आयोजन हों : मुख्य सचिव

जयपुर। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर से पूरे प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में संबंधित विभागों, संभागीय आयुक्तों एवं जिला कलेक्टरों के साथ उच्च स्तरीय बैठक हुई।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि 'वंदे मातरम्150' कार्यक्रम देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत उत्सव के रूप में मनाया जाए। यह आयोजन स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना विकसित करने का अवसर है।

- **राज्य व जिलों में होने वाले आयोजनों का सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने और कार्यक्रम स्थलों पर सेल्फी बूथ स्थापित करने के निर्देश दिए**

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर समारोह की तैयारियों पर चर्चा की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के साथ-साथ जिलों में होने वाले आयोजनों का सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा कार्यक्रम स्थलों पर सेल्फी बूथ भी स्थापित किए जाएं। उन्होंने डीओआईटी विभाग को निर्देश दिए कि कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण एवं अन्य तकनीकी तैयारियाँ समय पर पूर्ण की जाएं।

उल्लेखनीय है कि 'वंदे मातरम्150' राज्य स्तरीय कार्यक्रम 7 नवम्बर को जयपुर के एस.एम.एस. स्टेडियम में आयोजित होगा। इस अवसर पर सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, तकनीकी एवं मेडिकल कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, हिंदुस्तान स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी।

इसी दिन अजमेर, बीकानेर, उदयपुर, भरतपुर, कोटा, जोधपुर, सीकर, भीलवाड़ा और अलवर में जिला स्तर पर कार्यक्रम होंगे। इसके बाद 8 एवं 9 नवम्बर को शेष 31 जिलों में प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में आयोजित किए जाएंगे। सभी सरकारी कार्यालयों में 10 नवम्बर को 'वंदे मातरम्150' एवं स्वदेशी संकल्प कार्यक्रम, नगर निकाय कार्यालयों में 11 नवम्बर, पंचायती राज संस्थानों में 12 नवम्बर, सभी स्कूलों व छात्रावासों में 13 नवम्बर, उच्च शिक्षा संस्थानों में 14 नवम्बर और अस्पतालों व पुलिस थानों में 15 नवम्बर को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 7 नवम्बर से 26 नवम्बर (संविधान दिवस) तक सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक वाचन किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए सावंत, प्रमुख शासन सचिव राजेश कुमार यादव, गायत्री ए. राठौड़, डॉ. देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव रवि जैन, डॉ. रवि कुमार सुरपुर, सचिव सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सन्देश नायक सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे तथा संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर वीसी से जुड़े।

जयपुर डिस्कॉम ने थ्री फेज के सभी खराब मीटर बदले

- **अब इन 18 सर्किल क्षेत्र में थ्री फेज गैर कृषि उपभोक्ताओं को वास्तविक उपभोग के आधार पर बिजली बिल**

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम ने अपने सभी थ्री फेज (गैर कृषि) उपभोक्ताओं के खराब विद्युत मीटर बदलने में कामयाबी हासिल की है। निगम के सभी 18 सर्किलों में सभी थ्री फेज (गैर कृषि) विद्युत उपभोक्ताओं के डिफेक्टिव मीटर बदलकर उनके स्थान पर नए कार्यशील मीटर लगा दिए गए हैं। डिस्कॉम को खराब मीटर वाले उपभोक्ताओं को नियमानुसार विद्युत शुल्क में छूट नहीं देनी होगी। इन उपभोक्ताओं को अब एवरेज बिल के स्थान पर वास्तविक उपभोग के आधार पर बिल जारी किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि थ्री फेज (गैर कृषि), थ्री फेज (कृषि), सिंगल फेज (शहरी) तथा सिंगल फेज (ग्रामीण) के 2 लाख 20 हजार से अधिक मीटर डिफेक्टिव होने के कारण निगम को वित्तीय वर्ष 2022-23 में 9 करोड़ 40 लाख रूपए की राशि विद्युत शुल्क में छूट के रूप में उपभोक्ताओं को देनी पडी थी। जयपुर डिस्कॉम के प्रयासों का परिणाम है कि अब निगम के सभी सर्किलों में सिंगल फेज (शहरी एवं ग्रामीण), थ्री फेज (कृषि एवं गैर कृषि) में खराब मीटरों की संख्या घटकर मात्र 19 हजार 303 रह गई है और यह छूट वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम 6 माह में घटकर मात्र 12.50 लाख रूपए ही रह गई है।

जयपुर वितरण निगम में 4 लाख से अधिक गैर कृषि थ्री फेज उपभोक्ता हैं। विगत कुछ माह में निगम के सभी सर्किलों में अभियंताओं ने प्रयास कर 3,388 थ्री फेज गैर कृषि उपभोक्ताओं के डिफेक्टिव मीटर बदल दिए। थ्री फेज उपभोक्ता निगम के लिए अधिक विद्युत उपभोग एवं अधिक राजस्व प्रदान करने वाले उपभोक्ता की श्रेणी में आते हैं।

डिफेक्टिव मीटर बदलने के प्रयासों के अन्तर्गत जयपुर डिस्कॉम को मिली यह दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले जून एवं जुलाई माह में 8 सर्किलों कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, जयपुर सिटी सर्किल नॉर्थ एवं साउथ, जेपीडीसी नॉर्थ तथा दौसा सर्किल में सभी श्रेणियों में खराब मीटर बदल दिए गए थे। अब करौली सर्किल भी इस कतार में शामिल हो गया है। निगम के 9 सर्किल जीरो डिफेक्टिव मीटर हो गए हैं। इन सर्किलों में लगातार खराब मीटर को शून्य बनाए रखा जा रहा है।

ज्ञात रहे कि मीटर के खराब रहने से डिस्कॉम के राजस्व पर प्रतिकूल असर पड़ता है। लगातार दो माह से अधिक समय तक मीटर डिफेक्टिव होने की स्थिति में डिस्कॉम को नियमानुसार उपभोक्ता को विद्युत शुल्क में 5 प्रतिशत की छूट देनी होती है। उपभोक्ता को उनके औसत उपभोग के आधार पर विद्युत बिल जारी करने पड़ते हैं।

सार-समाचार

ट्रेड यूनियन नेता प्रेमजी को श्रद्धांजलि

जयपुर। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस (एटक) एवं भाकपा नेता कॉमरेड प्रेमजी को विभिन्न ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। स्वामी कुमारानन्द हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में एटक के अध्यक्ष एम एल यादव, महासचिव कुणाल रावत कार्यकारी अध्यक्ष डी.के.छंगाणी सीटू के रवीन्द्र शुक्ला, आरसीटू के रामपाल, इंटक के जी.एल.शर्मा, भाकपा जयपुर ज़िले के सचिव रमेश शर्मा सहित कई संगठनों के नेताओं ने प्रेमजी को दलितों, पिछड़ों व वंचितों का नेता बताते हुए श्रद्धांजलि दी। रवीन्द्र शुक्ला और कुणाल रावत ने कहा कि प्रेमजी एक सच्चे ट्रेड यूनियन नेता थे और मज़दूरों के अलावा हर व्यवसाय के लोगों की पीड़ा दूर करने का प्रयास करते थे। प्रेम जी के पुत्र व पुत्री ने कहा कि उनके पिता ने उन्हें अभावों में रहकर भी दूसरों की सेवा करने और उच्च शिक्षा व आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। शान्ति एवं एकजुटता संगठन की महासचिव सुनीता चतुर्वेदी, बिजली कर्मचारियों के नेता केशव, समग्र सेवा संघ के बसन्त हरियाणा,एटक के महेश जोशी,एटक के कोषाध्यक्ष विनोद राय, असंगठित क्षेत्र कर्मियों के नेता शरीफ़ आदि ने प्रेमजी को श्रमिकों के प्रति समर्पित नेता बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभा का संचालन कुणाल रावत ने किया।

एग्रीटेक मीट की तैयारियों पर मंथन

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी शासन सचिव राजन विशाल की अध्यक्षता में मंगलवार को "ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026" (ग्राम) की अंतर विभागीय कोर ग्रुप और फिक्की प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में ग्राम 2026 के लिए संबंधित विभागों द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त करने, कार्यात्मक समितियों का गठन, समितियों के अधिकारियों का विभागवार नामांकन, अन्य विभागों की भूमिका और जिम्मेदारियों, विभागीय प्रदर्शनियों, सेमिनारों एवं बैठकों की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि सभी विभाग ग्राम 2026 के आयोजन में अपने अपने जिम्मेदारियों को पूर्ण सतर्कता से समय पर पूरा करें एवं कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 का आयोजन भव्य रूप से जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केंद्र जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर में किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों, कृषि वैज्ञानिको, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक सांझा मंच पर ला कर कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी की प्रगति और निवेश को प्रोत्साहित करना है। शासन सचिव ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से 50 हजार किसान भाग लेंगे।

कानून निश्चित नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने को लेकर दर्ज एफआईआर को इस आधार पर खारिज कर दिया है कि पीड़िता के बालिग होने पर आरोपी ने उससे विवाह कर लिया है। इसके साथ ही अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी सभ्य समाज में कानून निश्चित नहीं होता, बल्कि वह समाज की जरूरत और परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहता है। अदालत ने कहा कि जब कोई पीडिता बालिग होने के बाद आरोपी से विवाह कर ले और अदालत में पेश होकर आरोपी के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन जीने की बात कहे तो अदालत ऐसे मामलों में वास्तविक परिस्थितियों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रकरण के आरोपी की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि मामले के तथ्यों को देखते हुए एफआईआर रद्द की गई है। ऐसे में यह फैसला अन्य मामलों में नजीर नहीं बनेगा और पीड़िता से राजीनामे के आधार पर एफआईआर को रद्द नहीं किया जाएगा। याचिका में अधिवक्ता टीसी व्यास ने अदालत को बताया कि साल 2021 में शहर के आमेर थाना में नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। इस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं गत पांच मई को आरोपी ने अंतरिम जमानत लेकर 14 मई को मुस्लिम रीति-रिवाज से पीडिता से विवाह कर लिया और उसके अगले दिन उसका पंजीकरण भी करा लिया। सुनवाई के दौरान पीडिता ने आकर कोर्ट को कहा कि वह आरोपी के साथ शांतिपूर्वक और खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही है और उसे किसी तरह की परेशानी नहीं है। इसलिए प्रकरण में लंबित कार्रवाई को समाप्त किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है।

बैकुंठनाथजी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर। कार्तिक शुक्ल चतुर्दशी मंगलवार को विशेष योग संयोगों में बैकुंठ चतुर्दशी के रूप में मनाई गई। इस मौके पर दान पुण्य के साथ ही शाम को दीपदान किया गया। ठाकुर जी के बैकुंठनाथ स्वरूप का पूजन किया गया। शिवालयों में हरिहर मिलन के भाव से शिवजी और भगवान विष्णु की झांकी सजाई गई। राजधानी जयपुर का एकमात्र 135 साल पुराना भगवान बैकुंठ नाथ जी का सोडाला स्थित मंदिर भी बेहद खास है। जहां विधानसभा के पहले प्रोटेम स्पीकर रहे सामोद के जागीरदार रावल संग्राम सिंह की माता कंचन कंवर ने पति फतेह सिंह की याद में मंदिर का निर्माण करवाया था।

प्रदेश में चिकित्सा संस्थानों का आज से होगा सघन निरीक्षण

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेशभर में 5 नवम्बर से 7 नवम्बर तक चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। सघन निरीक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर चिकित्सा संस्थान में इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड पूरे हों, जिन संस्थानों में यह स्टेण्डर्ड पूरे नहीं होंगे, वहां मिशन मोड में इन स्टेण्डर्ड को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि 5 से 7 नवम्बर तक सभी संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर मानक पूरे नहीं करने वाले चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक सुधार के लिए कदम उठाए जाएंगे।

प्रमुख शासन सचिव ने विभिन्न स्वास्थ्य मानकों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिले हर हाल में टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य से पीछे रहने वाले सभी आरसीएचओ को 17 सीसीए के नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि प्रदेशभर में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं का भी सघन निरीक्षण किया जाए, जहां भी एम्बुलेंस संचालन में कमियां पाई जा रही हैं, वहां नियमानुसार पैनल्टी लगाने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में एम्बुलेंस सेवाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित हो कि एम्बुलेंस संचालन योग्य हों, उनमें सभी जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध हों और क्रियाशील स्थिति में हों। उन्होंने बताया कि अप्रेल माह से अगस्त माह तक एम्बुलेंस सेवाओं के संचालन में कमियां पाई जाने पर 2 करोड़ रूपए से ज्यादा की पैनल्टी लगाई गई है।

देशभर से बैंक कर्मचारी नेता जयपुर में जुटेंगे

जयपुर। करीब 25 साल बाद ऑल इंडिया बैंक एम्पलाइज एसोसिएशन (एआईबीईए) केंद्रीय समिति की राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी जयपुर में राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाईज यूनियन करेगी। महासचिव महेश मिश्रा ने बताया कि इससे पहले सन् 2000 में यह बैठक जयपुर में हुई थी। यह दो दिवसीय (5-6 नवम्बर) बैठक आज से एमआई रोड स्थित होटल गोल्डन ट्यूलिप में शुरू होगी। इसे एआईबीईए के राष्ट्रीय महासचिव सी एच वेंकटचलम संबोधित करेंगे।

सम्मेलन में एआईबीईए के अध्यक्ष राजन नागर और सचिव बीएस रामबाबू के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी तक देशभर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 105 से ज्यादा प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक से पूर्व मंगलवार को तारक भवन में राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाइज यूनियन के महासचिव महेश मिश्रा के नेतृत्व में सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। इसमें आरपीबीईयू के चेयरमैन आरजी शर्मा और उप महासचिव सूरज भान सिंह आमेरा सचिव महेश शर्मा भी मौजूद रहे।

शिक्षा संकुल में कूडेदान की जगह का कायाकल्प कर बनाया सभागार

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल स्थित राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के कार्यालय में नवनिर्मित सभागार एवं लिफ्ट का लोकार्पण किया। इसका नाम "माधव सभागार" रखा गया है। सभागार की कुल क्षमता 40 लोगों के बैठने की है। इसके निर्माण पर 35 लाख रुपये खर्च हुए है। जिस जगह सभागार का निर्माण किया गया है, वहां पूर्व में कूडादान था, जिसे अभी आधुनिक सुविधाओं सें युक्त सभागार के रूप मे परिवर्तित किया गया है। इससे पूर्व मंत्री मदन दिलावर ने भूतल पर नवनिर्मित एलीवेटर (लिफ्ट) का भी लोकार्पण किया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल स्थित राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के कार्यालय में नवनिर्मित सभागार एवं लिफ्ट का लोकार्पण किया।

दिलावर ने बधाई देते हुए कहा कि, ये सभागार बहुत सुन्दर बना है, जो सभी प्रकार की बैठके आयोजित करने के लिए उपयोगी साबित होगा। भवन में ऐसे लोग भी आते है जो सीढ़ियां चढ़ने मे सक्षम नहीं होते है। ऐसे लोगों के लिए नवीन एलीवेटर (लिफ्ट) प्रारम्भ होने सें बहुत लाभ होगा। लोग आसानी सें भवन के सभी कक्षों मे पहुंच सकेंगे। इस अवसर पर सभागार निर्माण मे उल्लेखनीय कार्य करने वाले सुमित तिवारी, अधिशाषी अभियंता, समग्र शिक्षा, महाराजा सक्सेना, सहायक अभियंता, समग्र शिक्षा तथा ओपन स्कूल के सहायक निदेशक गिरिराज गुप्ता, बेसिक कम्प्यूटर इंस्ट्रक्टर अक्षिता शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शासन सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल, विशिष्ट शासन सचिव विश्व मोहन शर्मा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीता राम जाट, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा एवं राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की निदेशक डॉ अनुपमा जोरवाल, निदेशक साक्षरता एवं सतत शिक्षा मनीष गोयल, राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की सचिव डॉ. अरुणा शर्मा उपस्थित थे।

शराब के नशे में 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

हरमाड़ा इलाके में मोबाइल टावर पर चढ़े युवक को पुलिस ने हाईड्रोलिक क्रेन की मदद से नीचे उतारा।

-कार्यालय संवाददाता-

- **करीब 2 घंटे तक टावर पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा करता रहा युवक**
- **बाद में पुलिस ने हाईड्रोलिक क्रेन की मदद से युवक को नीचे उतारकर हिरासत में लिया**

जयपुर। हरमाडा थाना इलाके में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया,जब एक युवक शराब के नशे में सौ फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ कर चिल्लाने लगा। यह नजारा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे के बाद हाइड्रोलिक क्रेन बुलवाकर कड़ी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारा।

थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि थाना इलाके में लोहा मंडी के पास मंगलवार को निवाई निवासी सुरेश उर्फ लंबू टावर पर लगी सीढ़ियां माध्यम से सौ फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। लोगों की भीड़ को देखकर युवक ज्यादा ड्रामा करने लगा। युवक से समझाइश करके नीचे उतारने का प्रयास किया गया। लेकिन युवक नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस पर सूचना पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से टावर के नीचे सुरक्षा इंतजाम किए। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड की हाइड्रोलिक क्रेन मंगवा कर युवक को सुरक्षित नीचे उतारा। पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ में सामने आया कि वह शराब के नशे में था और शराब पीकर ड्रामा करने के लिए वह मोबाइल टावर पर चढ़ गया था। इससे पहले भी युवक दो बार मोबाइल टावर पर चढ़ चुका है। नशा उतरने के बाद खुद ही मोबाइल टावर से नीचे भी उतर जाता था।

Reducing Stress, Enhancing Life

National Stress Awareness Day emphasizes the need to understand, manage, and reduce stress in our daily lives. Chronic stress can impact mental health, relationships, and productivity, making awareness and prevention crucial. The day promotes techniques such as meditation, physical activity, proper nutrition, and time management. Communities and workplaces can support individuals by fostering environments that encourage balance and relaxation. By acknowledging stress and practicing effective coping strategies, National Stress Awareness Day serves as a reminder that mental well-being is vital for personal growth, happiness, and overall quality of life.

#STORY

An Anecdote!!

Something began to change. The burnout, that heavy, gray cloak I'd been wearing for years, started to feel a little lighter

I know the exact pressure it takes to crack a rib during CPR. But last Tuesday, I learned a patient's silence can break a doctor's soul. His name was David Chen, but on my screen, he was "Male, 82, Congestive Heart Failure, Room 402." I spent seven minutes with him that morning. Seven minutes to check his vitals, listen to the fluid in his lungs, adjust his diuretics, and type 24 required data points into his Electronic Health Record. He tried to tell me something, gesturing towards a faded photo on his nightstand. I nodded, said "we'll talk later," and moved on. There was no billing code for "talk later."

Mr. Chen died that afternoon. As a nurse quietly cleared his belongings, she handed me the photo. It was him as a young man, beaming, his arm around a woman, standing before a small grocery store with "CHEN'S MARKET" painted on the window.

The realization hit me like a physical blow. I knew his ejection fraction and his creatinine levels. I knew his insurance provider and his allergy to penicillin. But I didn't know his wife's name or that he had built a life from nothing with his own two hands. I hadn't treated David Chen. I had managed the decline of a failing organ system. And in the sterile efficiency of it all, I had lost a piece of myself.

The next day, I bought a small, black Moleskine notebook. It felt like an act of rebellion.

My first patient was Eleanor Gable, a frail woman lost in a sea of white bedsheets, diagnosed with pneumonia. I did my exam, updated her chart, and just as I was about to leave, I paused. I turned back from the door.

"Mrs. Gable," I said, my voice feeling strange. "Tell me one thing about yourself that's not in this file."

Her tired eyes widened in surprise. A faint smile touched her lips. "I was a second-grade teacher," she whispered. "The best sound in the world... is the silence that comes just after a child finally reads a sentence on his own."

I wrote it down in my notebook. *Eleanor Gable: Taught children how to read.*

I kept doing it. My little black book began to fill with ghosts of lives lived.

Frank Miller: Drove a yellow cab in New York for 40 years.

Maria Flores: Her mole recipe won the state fair in Texas, three years running.

Sam Jones: Proposed to his wife on the Kiss Cam at a Dodgers game.

Something began to change. The burnout, that heavy, gray cloak I'd been wearing for years, started to feel a little lighter. Before entering a room, I'd glance at my notebook. I wasn't walking in to see the 'acute pancreatitis in 207.' I was walking in to see Frank, who probably had a million stories about the city. My patients felt it too. They'd sit up a little straighter. A light would flicker back in their eyes. They felt seen.

The real test came with Leo. He was 22, angry, and refusing dialysis for a condition he'd brought on himself. He was a 'difficult patient,' a label that in hospital-speak means "we've given up." The team was frustrated.

I walked into his room and sat down, leaving my tablet outside. We sat in silence for a full minute. I didn't look at his monitors. I looked at the intricate drawings covering his arms.

"Who's your artist?" I asked.

He scoffed. "Did'em myself."

"They're good," I said. "This one... it looks like a blueprint."

For the first time, his gaze lost its hard edge. "Wanted to be an architect," he muttered, "before... all this."

We talked for twenty minutes about buildings, about lines, about creating something permanent. We didn't mention his kidneys once. When I stood up to leave, he said, so quietly, I almost missed it, "Okay. We can try the dialysis tomorrow."

Later that night, I opened my Moleskine. I wrote: *Leo Vance: Designs cities on paper.*

The system I work in is designed to document disease with thousands of data points. It logs every cough, every pill, every lab value. It tells the story of how a body breaks down.

My little black book tells a different story. It tells the story of why a life mattered.

We are taught to practice medicine with data, but we heal with humanity. And in a world drowning in information, a single sentence that says, "I see you," isn't just a kind gesture.

It's the most powerful medicine we have.

Fancy a Kulfi? Granita? Queso Helado?

Kulfi gets its name from the Persian word qulfi, which refers to the cone-shaped mold in which it's traditionally made. The dish is believed to have originated during the 16th century with the Mughal dynasty, with royal kitchen workers using ice brought down from the Himalayas to whip up frozen delicacies by slow-cooking milk, sugar and flavorings like cardamom and pistachios for a rich, intensely flavored dessert that melts more slowly than ice cream due to its consistency. Today, kulfi is a part of India's national cuisine, as well as that of greater South Asia, including Pakistan.

● Bulbul Joshi

The colorful streets of Chandni Chowk, a shopping area in India's Old Delhi, are filled with bustling shops, frenetic alleyways and delicious treats. Last spring, on a food tour through the area, I spent the afternoon sipping mango lassi from clay cups and nibbling on samosas, but it was the orange-flavored kulfi, a frozen dessert, that's both denser and creamier than traditional ice cream, that served as the perfect cool-down in Delhi's sweltering heat.

Kulfi gets its name from the Persian word *qulfi*, which refers to the cone-shaped mold in which it's traditionally made. The dish is believed to have originated during the 16th century with the Mughal dynasty, with royal kitchen workers using ice brought down from the Himalayas to whip up frozen delicacies by slow-cooking milk, sugar and flavorings like cardamom and pistachios for a rich, intensely flavored dessert that melts more slowly than ice cream due to its consistency. Today, kulfi is a part of India's national cuisine, as well as that of greater South Asia, including Pakistan. While the origins of frozen desserts are murky, ice and snow have been ingredients in cuisines for thousands of years. Persians are believed to have been making ice-cream-like foods as far back as 550 B.C.E., and according to legend, the Chinese were mixing mountain snow with fruit and beer up to 3,000 years ago. "Being able to access ice in a warm-hot climate, or at warmer times of the year, was a product of wealth," says Australia-based food writer and researcher Charmaine O'Brien in an email, "therefore, ice had status." With the advent of ice-cream molds followed by crank-operated ice machines and, later, electric versions, as well as gas-powered freezers, frozen desserts only grew in popularity.

"Even though (frozen desserts) are no longer prestigious, that thrill of the novelty has been passed on culturally," says O'Brien. "Of course, they're also delicious."

From a historic shaved ice to a type of ice cream that stretches, pulls and keeps its shape at room temperature, here are six more frozen treats that will transport your tastebuds in both place and time.

> Kakigori is commonly made with natural spring or mineral water that's frozen into a block of ice and then softened at room temperature until the ice becomes clear. Once the ice is shaved, it's sweetened with natural syrups in flavors like sweet plum and melon and often paired with toppings, such as green tea kakigori topped with red beans and sweetened condensed milk.

#HAPPY FOODS

> While 'dondurma' broadly means ice cream in Turkish, internationally, it usually refers to the variety known as maras dondurma, which is known for its dense and stretchy texture and distinct taste that results from a trio of native ingredients. The dessert's elasticity comes from salep flour made from the tubes of an endemic purple orchid, which grows on the slopes of Turkey's Mount Ahir.

Japan's kakigori

Japan's traditional shaved ice dessert is a mound of fluffy, powdery ice that's similar in consistency to fresh snow. This historic treat (kaki means 'shave,' and gori means 'ice') dates back to Japan's Heian period (794-1185) and was first described on paper around 1002 as 'shaved ice mixed with liana syrup and put in a new silver bowl' under the heading, "Elegant Things" in The Pillow Book, a collection of essays by poet, diarist and courtier Sei Shonagon.

Kakigori is commonly made with natural spring or mineral water (which results in fluffier ice slivers) that's frozen into a block of ice and then softened at room temperature until the ice becomes clear. Once the ice is shaved, it's sweetened with natural syrups in flavors like sweet plum and melon and often paired with toppings, such as green tea kakigori topped with red beans and sweetened condensed milk. It's typically eaten with a spoon.

Japan's first-ever kakigori shop opened in 1872 in the Bashamichi district of Yokohama. While merchants originally used a hand-cranked machine with a blade to shave the ice into thin bits, they eventually switched to electric machines for more efficiency.

Hawaii's shave ice

Although slightly coarser in texture, Hawaii's shave ice originates from kakigori, which Japanese immigrants first introduced to the islands in the mid-1800s when they came to work in the local sugarcane fields and pineapple plantations. During long days in the fields, they cooled off by shaving flakes from large blocks of ice, then flavoring them with sugar and local fruit juices like pineapple, mango and passion fruit, which resulted in a Hawaiian twist.

The name 'shave ice' is the literal translation of kakigori in Hawaiian Pidgin, a local dialect that originated on the plantations. It's traditionally served in a paper cone or cup. Matsumoto Shave Ice, a family-owned shop on the island of Oahu, has been serving up this beloved Hawaiian treat since 1951.

Sicily's granita

Granita is another type of shaved ice, though one that's specially prepared to result in a crunchier texture. A Sicilian specialty, it's believed to have originated with the Arab Muslim conquest of the island in the ninth century. Using the snow that Sicilians historically collected from the local mountains, including Mount Etna, and stored away in stone ice houses known as neviere, Arab conquerors introduced 'sharbat,' a blend of snow and fruit juice that became the precursor to Italy's trio of frozen and semi-frozen desserts: gelato, sorbet and granita.

A refreshing granita is made by combining water, sugar and fruit into a sweetened, semi-frozen mixture that's then frequently stirred, breaking up the ice into tiny particles and creating a crystalline consistency in the process. It's then often flavored with regional ingredients like sweet-tart Sicilian lemons and bitter almonds.

Each town across Sicily has its own version of granita featuring different textures and flavors, such as pistachio granita in Catania and coffee granita in Messina. Granita is considered an all-day treat, often enjoyed at breakfast with brioche or as an afternoon snack.

Turkey's dondurma

The origins of dondurma are unknown, most people agree that this Turkish ice cream first came about in Kahramanmaras, a city in southern Turkey's Mediterranean region, at the time of the Ottoman Empire (which ruled from circa 1300 to 1922).

While 'dondurma' broadly means ice cream in Turkish, internationally, it usually refers to the variety known as maras dondurma (short for Kahramanmaras), which is known for its dense and stretchy texture and distinct taste that results from a trio of native ingredients. The dessert's elasticity comes from salep flour made from the tubes of an endemic purple orchid, which grows on the slopes of Turkey's Mount Ahir. Its chewiness stems from Arabic gum (mastic), a resin obtained from the mastic trees grown on the country's Aegean coast, and local goat milk provides its unique flavor. The combination of salep flour and mastic also creates a chemical reaction that makes dondurma resistant to melting. Street vendors, dressed in traditional Kahramanmaras clothing, often perform tricks with this taffy-like ice cream for customers, twirling and twisting it into elongated forms. Popular flavors include plain, strawberry and pistachio.

Iran's faloodeh

Hailed as one of the world's earliest known frozen desserts, faloodeh features a granita-like texture but with the chewiness of cooked vermicelli, a type of thin and stringy rice noodle. The noodles are added to a semi-frozen syrup of sugar, rose water and a touch of lime juice, and then chilled longer before serving. It's often served with sour cherries or sour cherry syrup, resulting in a vibrant color contrast and a sweet and sour taste. Even before faloodeh, Persians were creating frozen treats by harvesting snow from the nearby mountains and pouring grape juice over it. They developed yakhchals, massive dome-shaped structures designed for keeping ice cool in the desert year-round, around 400 B.C.E., leading to faloodeh's creation. While easily found throughout Iran, faloodeh is especially beloved in Shiraz, the country's cultural capital.

Peru's queso helado

Its name may translate to 'frozen cheese' in English, but the only dairy in queso helado is a trio of whole, evaporated and sweetened condensed milk that's then simmered with cinnamon, cloves, coconut, sugar and vanilla to make the delicious treat. Poured into a dish and then frozen, it's typically cut into squares for serving. Queso helado originated in Arequipa and dates back to the 16th century, when the Spanish arrived in Peru and introduced cattle, along with milk and cheese, to the nearby Andes Mountains. The nuns of Peru's Santa Catalina Monastery are considered the 'pioneers' of queso helado, initially creating this light and granular delicacy for the area's elite. Today, it's a popular confection available both in Arequipa's many lunchtime restaurants known as picanterías and from street vendors.

rajeshsharma1049@gmail.com

#ENVIRONMENT

WHY BURN STUBBLE?

Burning fields also affects the quality of the soil, robbing it of vital nutrients. The smoke contains toxic chemicals which causes respiratory problems and other diseases

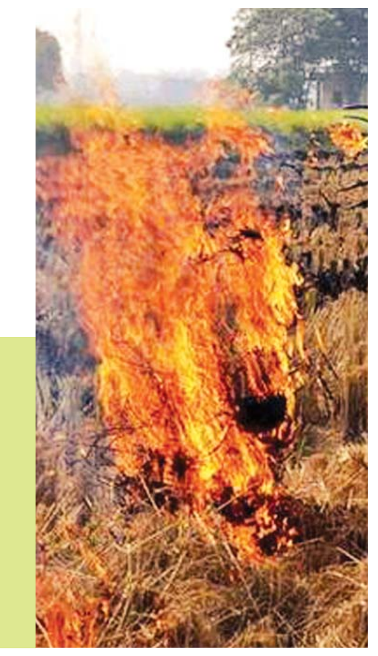

Living in districts with air pollution from intense crop residue burning (CRB) is a leading risk factor for acute respiratory infection (ARI), especially among children less than five years, in northern India.

Additionally, CRB also leads to an estimated economic loss of over USD 30 billion annually. These are the key findings of a new study from researchers at the International Food Policy Research Institute (IFPRI) and partner institutes. The study estimates, for the first time, the health and economic costs of CRB in northern India.

"Poor air quality is a recognized global public health epidemic, with levels of airborne particulate matter in Delhi spiking to 20 times the World Health Organization's safety threshold during certain days. Among other factors, smoke from the burning of agricultural crop residue by farmers in Haryana and Punjab especially contributes to Delhi's poor air, increasing the risk of ARI three-fold for those living in districts with intense crop burning," said IFPRI Research Fellow and co-author of the study, Samuel Scott. The study also estimated the economic cost of exposure to air pollution from crop residue burning at USD 30 billion or nearly Rs. 2 lakh crore annually for the three north Indian states of Punjab, Haryana and Delhi.

The study, "Risk of acute respiratory infection from crop burning in India: Estimating disease burden and economic welfare from satellite and national health survey data for 250,000 persons," co-authored by IFPRI's Samuel Scott and Avinash Kishore; CGIAR Research Program on Agriculture for Nutrition and Health's Devesh Roy; University of Washington's Suman Chakrabarti; and Oklahoma State University's Md. Tajuddin Khan, will be published in an upcoming edition of the International Journal of Epidemiology. The study analyzed health data from more than 250,000 individuals of all ages residing in rural and urban areas in India. It used NASA satellite data on fire activity to estimate the health impact of living in areas with intense crop burning by comparing them with areas not affected by CRB.

The researchers observed that as crop burning increased in the northern Indian state of Haryana, respiratory health worsened. Health was measured by the frequency of reported hospital visits for ARI symptoms. They also examined other factors that could contribute to poor respiratory health such as firecracker burning during Diwali (it usually coincides with time of CRB) and motor vehicle density. In fact, economic losses owing to exposure to air pollution from firecracker burning are estimated to be around USD 7 billion or nearly Rs. 50 thousand crore a year. In five years, the economic loss due to burning of crop residue and firecrackers is estimated to be USD 190 billion, or nearly 1.7 per cent of India's GDP.

"Severe air pollution during winter months in northern India has led to a public health emergency. Crop burning will add to pollution and increase healthcare costs over time if immediate steps are not taken to reverse the situation. The negative health effects of crop burning will also lower the productivity of residents and may lead to long-term adverse impacts on the economy and health," said Suman Chakrabarti.

"Our study shows that it is not only the residents of Delhi, but also the women, children and men of rural Haryana who are the first victims of crop residue burning. Much of the public discussion on ill-effects of crop residue burning ignores this immediately affected vulnerable population," said Kishore.

Even though air pollution has been linked to numerous health outcomes, and respiratory infections are a leading cause of death and disease in developing countries, none of the existing studies have directly linked crop burning to ARI. This study suggests that targeted government initiatives to improve crop disposal practices are worthy investments.

"Programs and policies must simultaneously address indoor and outdoor pollution through a possible combination of bans and agricultural subsidies. Other important interventions for improving respiratory health are increasing household access to clean cooking fuels, electricity, and improved drainage systems," Kishore added.

Crop burning is a widespread global practice and in India is concentrated in northwest India, though has spread to other regions of the country in the past decade as new crop harvesting technology is adopted. Farmers try to maximize their yields by planting the next crop as soon as possible after the previous crop has been harvested (generally wheat after rice). To quickly clear the field for the next crop, they burn the leftover stubble rather than using the traditional method of clearing it by hand.

Despite efforts from the Indian government, farmers continue to burn crop residues due to lack of convenient and affordable alternatives. Eliminating crop burning will not only improve human health but will also contribute to soil and plant biodiversity and will reduce greenhouse gas emissions.

THE WALL

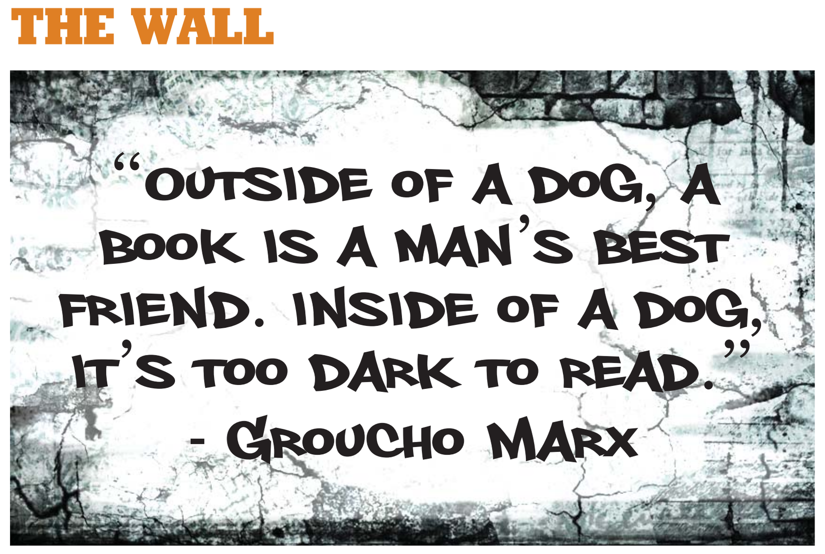

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

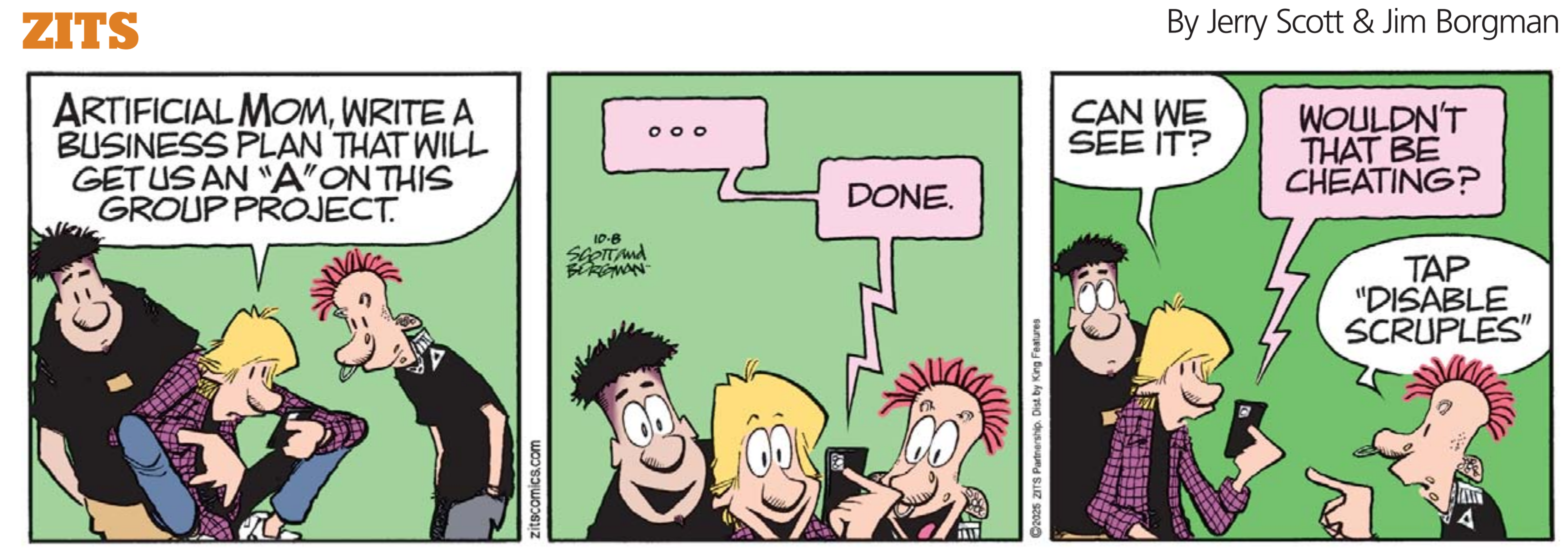

तस्करी के दो आरोपियों को 20-20 साल का कठोर कारावास

कोर्ट ने आरोपियों को दो-दो लाख रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में दो आरोपियों को 20-20 साल के कठोर कारावास और दो-दो लाख रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि 7 नवम्बर 2019 को काछोला थाना अधिकारी रतनलाल मय जाब्ता थाने से गश्त करते हुए लक्ष्मणगढ़ तिराहे पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान एक ट्रक आया जिसे शंका के आधार पर चेक किया तो ट्रक में 40 कट्टे अफीम डोडा-चूरा भरा हुआ मिला जो अजवाइन, प्याज और लहसुन के कट्टों के नीचे दबा कर रखा हुआ था। ट्रक चालक से नाम-पूछा तो ट्रक चालक ने अपना नाम मदनलाल पुत्र बालू लाल प्रजापत निवासी रायपुर और खलासी ने अपना नाम सांवरलाल पिता महावीर प्रसाद रायपुर शाहपुरा जिला भीलवाड़ा होना बताया। पुलिस ने अफीम डोडा-चूरा का तोल किया तो कुल वजन 1000 किलो पाया गया। मुलजिमों को गिरफ्तार कर पुलिस ने चालान न्यायालय में पेश किया। ट्रायल पूरा होने के बाद विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस भीलवाड़ा जगदीश प्रसाद शर्मा ने मदनलाल और सवार को दोषी मानते हुए दोनों को 20-20 साल के कठोर कारावास और दो-दो लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किया है। विशिष्ट लोग अभियोजक गुर्जर ने आरोप सिद्ध करने के लिए 7 गवाह और 202 दस्तावेज कोर्ट में पेश किए।

पुलिस ने आरोपियों को विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया।

गेपसागर झील में कार व बाइक गिरी : डूंगरपुर शहर में बादल महल रिंग रोड पर सोमवार देर रात बाइक और कार के बीच टक्कर के बाद दोनों वाहन गेपसागर झील में गिर गए। हादसे में बाइक सवार युवक की डूबने से मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त और कार सवार युवक को लोगों ने बचा लिया।

कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रोशन पुत्र भगवती शंकर हरसोत, निवासी पिंडावल के रूप में हुई है। वह डूंगरपुर शहर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। रोशन अपने परिवार का इकलौता बेटा था और उसकी दो बहनें हैं। सोमवार शाम वह लाइब्रेरी में पढ़ाई करने गया था। इसके बाद अपने दोस्त अमन जैन के साथ बाइक से घर लौट रहा था। इसी दौरान गेपसागर झील के बादल महल रिंग रोड पर सामने से आ रही एक कार से टक्कर हो गई। हादसे के बाद बाइक और कार दोनों झील के पानी में जा गिरे। घटना के बाद रिंग रोड पर मौजूद लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और अमन जैन व कार सवार युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन रोशन गहरे पानी में डूब गया। बाद में गोताखोरों की मदद से शव बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। हादसे की खबर मिलते ही देर रात परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने बताया कि हादसे की प्राथमिक वजह अंधेरा और तेज रफ्तार वाहन हो सकते हैं। मामले की जांच की जा रही है।

सम्मेलन में जाट समाज के 30 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

जाट समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन हरणी महादेव भीलवाड़ा में सम्पन्न हुआ।

भीलवाड़ा, (निसं)। सकल जाट समाज द्वारा राजस्थान मेवाड़ जाट महासभा, भीलवाड़ा के तत्वावधान में आयोजित जाट समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन हरणी महादेव भीलवाड़ा में सामाजिक एकता और सादगी का प्रदर्शन हुआ। इस अवसर पर 30 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, जिन्होंने एक नए और समृद्ध जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम में नव-दंपतीयों को आशीर्वाद दिया। मुख्य अतिथियों में राजस्थान जाट महासभा प्रदेशाध्यक्ष राजाराम मील, सारिका सिंह चौधरी (प्रदेशाध्यक्ष, महिला कांग्रेस, राजस्थान), और अंकलेश जाखड़ शामिल रहे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, नगर निगम महापौर राकेश पाठक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अदिति चौधरी, बदरी लाल जाट, महावीर चौधरी, एस.डी.एम. ओम प्रकाश माचरा, नगर निगम कमिश्नर हेमाराम चौधरी, सीताराम चौधरी, हनुमान धायल (पुलिस निरीक्षक), देवीलाल चौधरी, राजवीर कुशवाह, हीरा लाल भदाला, रामेश्वर जाट, प्रेमाराम सियाग, गजराज चौधरी और जे.वी.पी. मीडिया ग्रुप चेयरमैन हरि राम किंवाड़ा मौजूद रहे। इस अवसर पर नवग्रह आश्रम के संस्थापक हंसराज चौधरी ने सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया। जाट समाज के प्रमुखों और सदस्यों ने इस मंच से सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि सामूहिक विवाह का यह आयोजन हर साल किया जाएगा, समाज के सभी लोग सामूहिक विवाह में ही अपने बच्चों की शादी करेंगे, शादियों में होने वाली होड़ा-होड़ी और फिजूलखर्ची (बर्बादी) से बचकर उस धन का उपयोग शिक्षा पर किया जाएगा। यह सामूहिक संकल्प समाज में एक नई दिशा देने और शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंच संचालन नारायण भदाला ने किया।

हेल्प डेस्क में शिक्षकों को मुक्त करने की मांग

- राज. शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने बीकानेर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन भेजा

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने जिला कलेक्टर बीकानेर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन भेज कर आग्रह किया है की विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के हेल्प डेस्क कार्यक्रम में अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं को देखते हुए शिक्षकों को मुक्त रखा जाए।

संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य ने ज्ञापन में अवगत कराया कि वर्तमान में सरकार द्वारा समय से पूर्व परीक्षा अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है जिस कारण से विद्यालयों में पाठ्यक्रम भी पूर्ण नहीं हो पाया है। शिक्षकों पर पाठ्यक्रम पूर्ण करवाने एवं फिर परीक्षाओं का संचालन नवंबर माह में ही करने का दबाव है। ऐसी स्थिति में एक ही समय में विशेष मतदाता पुनरीक्षण एव विद्यालयी कार्यों के पूर्ण करने के दोहरे राजकीय दायित्वों को लेकर असमंजसता की स्थिति बन गई है। आचार्य ने ज्ञापन में बताया कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण के अध्यक्ष का कार्य अन्य राजकीय कर्मचारियों के माध्यम से पूर्ण किया जा सकता है लेकिन परीक्षाओं का संचालन एवं पाठ्यक्रम पूर्ण करवाने का दायित्व केवल शिक्षक वर्ग ही पूर्ण कर सकता है। ऐसी स्थिति में शिक्षकों को विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम से मुक्त रखते हुए पाठ्यक्रम एवं परीक्षा संचालन की कार्यों के दायित्व को पूर्ण करने में ही रहने देना चाहिए। ज्ञापन में अवगत करवाया कि जारी आदेशों में अर्हता दिनांक 1 जनवरी 26 के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गठित होने वाली हेल्प डेस्क के लिए अधिकांश विद्यालयों में 2-2 बूथ होने के कारण एक विद्यालय से 6 शिक्षकों को लगाया गया है तथा जहां एक बूथ है वहां से 3 शिक्षकों को लगाया जाने से शिक्षण व्यवस्था प्रभावित होगी और साथ ही विद्यार्थियों के साथ न्याय नहीं होगा।

वर्तमान में 20 नवंबर से राज्य के सभी विद्यालयों में राज्य स्तरीय समान परीक्षा योजना के तहत अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं का संचालन होना है। वहीं परीक्षाएं निर्धारित समय से पूर्व प्रारम्भ होने के कारण विद्यालयों में पाठ्यक्रम बकाया चल रहा है जिसे पूर्ण करवाने का दबाव भी शिक्षकों पर है। ज्ञापन में पाठ्यक्रम पूर्ण करने, परीक्षा समय एवं उसी बीच पुनरीक्षण कार्यक्रम की हेल्प डेस्क में शिक्षकों को लगाये जाने से शिक्षण व्यवस्था एवं परीक्षाएं प्रभावित होने की स्थिति रहेगी, जिससे बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के सफल संचालन एवं अधूरे पाठ्यक्रम को पूर्ण करवाने हेतु छात्र हित में उक्त हेल्प डेस्क कार्यक्रम से शिक्षकों को मुक्त करवाने का आग्रह जिला कलेक्टर से किया गया है।

फैक्टरी में महिला की चोटी मशीन में आई, चमड़ी सहित बाल हटे

घटना विगत 11 अक्टूबर की है, पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया

- पीड़ित परिवार न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा

अलवर, (निसं)। एमआईए की बेनामी फैक्टरी में महिला की चोटी मशीन में आ गई। इससे महिला के सिर के चमड़ी सहित बाल हट गये। इस मामले को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। आखिर पीड़ित परिवार न्याय पाने के लिए पुलिस अधीक्षक की शरण में पहुंचे।

जानकारी के अनुसार घटना 11 अक्टूबर की है। जब बिशम्बर अलवर बहाला विशंभर पुत्र किशना जाटव निवासी टोल टैक्स बहाला के पास इंदिरा कॉलोनी बहाला की पत्नी सीमा अलवर के मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक बेनामी फैक्टरी जो सिर्फ प्लाट नम्बर के आधार पर यहां हीटर का मटेरियल उत्पादन बना रही है उसमें कार्य करती है। मेरी पत्नी सीमा व मेरे साले की पत्नी राजकुमारी औद्योगिक क्षेत्र कंपनी एच1/952 कंपनी मालिक पुष्पेंद्र भारद्वाज के पास मजदूरी का काम करती है जिसमें हीटर बनाने का मटेरियल बनाया जाता है 11 अक्टुबर को मेरी पत्नी व मेरे साल की पत्नी राजकुमारी रोजाना की तरह फैक्टरी में सुबह कार्य करने गई। फैक्टरी मालिक ने मेरी पत्नी सीमा को मशीन पर काम करने के लिए बोला मशीन के फैन बेल्ट व कर नहीं होने के कारण सीमा ने मशीन पर कार्य करने के लिए मना कर दिया। परंतु फैक्टरी मालिक बोला की पूर्व में भी इसी मशीन पर महिला बगैर फैन बेल्ट के ही काम करती थी। काम तो इसी पर ही करना होगा। मेरी पत्नी सीमा ने मालिक से बोला कि मेरा पीएफ ईएसआई नहीं कट रहा है, अगर कोई घटना हो जाती जिसका जिम्मेदार कौन होगा तो मालिक बोला कि तुम्हारा ऐप कट रहा है। कोई घटना होती है तो उसका जिम्मेदार मैं खुद हूं। दोपहर करीब 12:30 बजे मेरी पत्नी सीमा की चुन्नी बिना कन्न वाले मशीन में आ गई जिसमें सीमा के सिर के बाल चमड़ी सहित उखड़ गए जिसके कारण बेहोश होकर गिर गई। जब मेरी पत्नी घायल अवस्था में बेहोश थी, कंपनी मालिक ने उद्योग क्षेत्र में इधर-उधर मेडिकल पर दिखाया। जब मेडिकल वालों ने जवाब दे दिया तो ईएसआईसी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। यहां से जयपुर के लिए एसएमएस के लिए रेफर कर दिया पति ने आरोप लगाया कि पुलिस ने जाति पूछ कर उनका मुकदमा दर्ज नहीं किया और कहा कि क्या फैक्टरी मालिक तुम्हें बुलाने गया था, तुम्हारी पत्नी खुद चल कर आई। तुम जाति सूचक शब्द बोल कर कहा कि तुम्हें सिर्फ क्लेम चाहिए और मुकदमा दर्ज नहीं किया। इस पर उन्होंने न्याय पाने के लिए आज जिला पुलिस अधीक्षक को अपनी गुहार लगाई है।

श्रीगंगानगर जिले में डेंगू रोगियों का आंकड़ा दो सौ के करीब

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में डेंगू रोगियों का आंकड़ा दोहरे शतक के करीब पहुंच रहा है। जिला अस्पताल में 40 सैंपलों की एलाइजा जांच की गई। इनमें से पांच पॉजिटिव पाए गए हैं। अब जिला अस्पताल में भर्ती रोगियों की संख्या 22 हो गई है। नए मरीज तीन जिला मुख्यालय से, एक सादुलशहर और एक पदमपुर ब्लॉक एरिया का रहने वाला है। यह विभाग का आधिकारिक आंकड़ा है, लेकिन इसमें प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती मरीजों का आंकड़ा शामिल नहीं है। यहां तक कि तपोवन में हो रही एलाइजा जांच के आंकड़े भी शामिल नहीं है। तपोवन में 27 एलाइजा टेस्ट किए गए। इनमें 12 पॉजिटिव आए हैं। इनमें से तीन श्रीगंगानगर जिले के हैं, शेष फाजिल्का और अबोहर तहसील के हैं। एक अक्टूबर से अब तक के डेटा की बात करें तो 3 नवंबर को आधिकारिक आंकड़ा 78 जबकि कुल आंकड़ा 81 पहुंच गया है। एक जनवरी से अब तक यह आंकड़ा 189 पहुंच चुका है।

जिला अस्पताल की डीसी डॉ. ज्योत्सना चौधरी ने बताया कि अस्पताल में डेंगू वार्ड में अभी मरीज भर्ती करने को पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। इसलिए वार्ड को नहीं बढ़ ाया गया है। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में एसडीपी बनाने की प्रक्रिया सही चल रही है और जरूरत के हिसाब से मरीजों को एसडीपी दिया जा रहा है। स्थिति नियंत्रण में है और मरीज उपचार के बाद ठीक होकर घर लौट रहे हैं। अभी वार्ड में 22 मरीज उपचाराधीन हैं।

जिला अस्पताल में मच्छरों की फौज पर नियंत्रण के लिए प्रयास शुरू नहीं किए गए। नगरपरिषद से मनरेगा मजदूर आए ही नहीं। लिहाजा सफाई का अभियान छेड़ा ही नहीं गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार पीएमओ की ओर से 30 मजदूर मांगे गए थे, लेकिन एक भी नहीं आया। दोपहर में पता किया तो नगरपरिषद की ओर से बताया गया कि गलतफहमी के कारण मजदूर नहीं भेजे जा सके। अस्पताल के स्टाफ ने भी बताया कि मच्छरों के नियंत्रण के लिए प्रभावी प्रयास नहीं हो रहे।

लोगों को नेशनल हाइवे निर्माण के नाम पर बेघर किया

- तोड़े गए मकान में लोग टेंट लगाकर रहने को मजबूर

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल हाइवे 158 की परियोजना निदेशक ने झूठा वादा कर मकान तोड़ दिये। 700 मीटर के अधूरे हाइवे निर्माण की दुर्दशा ऐसी कि कभी भी बहुत बड़ा हादसा हो सकता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 158 मांडल आसींद रास को बनकर तैयार हुए 3 साल हो गए हैं, इस नेशनल हाइवे पर आसींद कस्बे के मध्य से 700 मी अधूरे निर्माण कार्य 3 वर्षों से सुर्खियां बटोर रहा है। कभी नेशनल हाइवे के निर्माण को लेकर सीमा में आ रहे मकानों को तोड़ने के नाम पर परियोजना निदेशक द्वारा पल्ला झाड़ा गया तो कभी नेशनल हाइवे पर बने मकानों को तोड़कर परियोजना निदेशक की हठधर्मीता सामने आई। 2 महीने पूर्व हाइवे सीमा के नजदीक आ रहे मकानों को यह कहकर तोड़ दिए गए कि उन्हें शीघ्र मुआवजा राशि तथा हाइवे का निर्माण पूरा कर दिया जाएगा, आज यहां तोड़े गए मकान में लोग टेंट लगाकर रहने को मजबूर हो गए हैं। तीन साल में अधूरे हाइवे निर्माण और इस क्षतिग्रस्त हाइवे पर कई अधिकारी व राजनेताओं का गुजरना हुआ, निर्माण कार्य पूरा करने की बात पर परियोजना निदेशक राकेश कुमार से इन अधिकारियों राजनेताओं ने संपर्क किया तो हमेशा टालमटोल का जवाब मिला। सरकार की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के आसींद सवाईभोज दौरे के दौरान भी परियोजना निदेशक को जमकर फटकार लगाई गई। कस्बे वासियों ने परियोजना निदेशक राकेश कुमार पर आरोप लगाए कि उनसे झूठा वादा कर उनके मकान तोड़ दिए गए।

विधायक जब्बर सिंह सांखला ने बताया कि परियोजना निदेशक को फोन लगाए गए लेकिन उन्होंने फोन उठाया ही नहीं।

राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के नाम पर लोगों के घर तोड़ दिये।

मानसिक रूप से कमजोर महिला ने फांसी लगाई

श्रीडूंगरगढ़, (निसं)। यहां एक मानसिक रूप से कमजोर महिला ने सुसाइड कर लिया। महिला ने शिवम मानव कल्याण सेवा संस्थान के कमरे में पंखे से चुन्नी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। मृतका की पहचान 40 वर्षीय किरण पत्नी जितेंद्रसिंह निवासी सुडाबास, गोगामेडी, रतनगढ़ के रूप में हुई है। वह पिछले एक साल से बिग्गाबास के वार्ड नंबर 24 में संचालित आश्रम में रह रही थी। सूचना मिलने पर हेड कॉन्स्टेबल रामस्वरूप अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को नीचे उतारकर उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। रामस्वरूप ने बताया कि मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोर गिरफ्तार, पांच बाइक बरामद

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुरानी आबादी पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर शहर से चोरी हुई 5 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पहले भी गिरफ्तार हो चुका है।

एसएचओ रजिराम ने बताया कि थाना इलाके से चोरी हो रही मोटरसाइकिलों की बरामदगी तथा आरोपी पकड़ने को एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर एएसआई छिंद्रपालसिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया था। टीम ने 8 वाई मोहनपुरा व हाल 6 ए निवासी 24 वर्षीय लवप्रीतसिंह उर्फ लब्बु पुत्र दारासिंह उर्फ धारा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से उसकी निशानदेही पर चोरी की 5 मोटरसाइकिलें बरामद की। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने पुरानी आबादी थाना क्षेत्र के अलावा कोतवाली क्षेत्र से दो तथा जवाहरनगर थाना क्षेत्र से भी दो मोटरसाइकल चोरी की थी। इनमें से एक जस्सासिंह मार्ग से, एक नेहरू पार्क के पास से तथा दो मोटरसाइकिल छजगरिया मोहल्ले के पास से चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपी से चोरी हुई अन्य मोटरसाइकिलों के बारे में पूछताछ की जा रही है।

जांच अधिकारी एएसआई छिंद्रपाल सिंह ने बताया कि 21 अक्टूबर दोपहर में कुंज विहार से सुखवीर बराड़ की मोटरसाइकिल घर के आगे से चोरी हुई थी। परिवादी के परिवाद पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल से सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे गए तो आरोपी की पहचान की गई, क्योंकि आरोपी पर पहले से मोटरसाइकिल चोरी के मुकदमे हैं और गिरफ्तार हो चुका है। आरोपी नशे का आदी है। पहले मिर्जेवाला रहते था, फिर मोहनपुरा और अब 6 ए में अपनी बहन के गांव में रहता है।

शिक्षक पिता के पुत्र ने विद्यालय का काया पलट का फैसला लिया

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के मूल निवासी एवं वर्तमान में प्रवासी व्यवसायी दिलीपराज कोठारी ने अपने पिताजी अमृतराज कोठारी की स्मृति को चिर स्थाई बनाने के लिए कुछ हटकर बड़ा फैसला किया है। स्थानीय समाज सेवक एवं व्यवसायी पुष्पराज बोहरा की प्रेरणा से दिलीपराज कोठारी महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, शिवाजी नगर जालोर की कायापलट करने के लिए संकल्पित हुए, जिसमें कभी उनके पिताजी अमृतराज कोठारी ने शिक्षक एवं संस्था प्रधान के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की। दिलीपराज कोठारी की शिक्षा-दीक्षा जालोर में हुई तथा शिक्षा उपरांत व्यवसाय के उद्देश्य से बैंग्लूरू प्रवास किया। वर्तमान में एक सफल व्यवसायी के रूप में स्थापित दिलीपराज अपनी जड़ों को नहीं भूले तथा प्रेरक पुष्पराज बोहरा एवं अपने मित्र एवं राजनेता रविन्द्र सिंह बालावत से चर्चा कर कोठारी-भण्डारी चैरिटेबल ट्रस्ट, जालोर-बैंग्लूरू के माध्यम से महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम, शिवाजी नगर, जालोर के नवीन भवन निर्माण का फैसला किया, ताकि समर्पित शिक्षक रहे पिताजी की स्मृति को चिरस्थाई बनाया जा सके।

इस संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से भामाशाह दिलीपराज कोठारी ने प्रेरक पुष्पराज बोहरा तथा रविंद्र सिंह बालावत के साथ जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के. गावडे से मुलाकात कर नवीन भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव प्रदान किया। जिला कलेक्टर ने कोठारी के इस निर्णय की सराहना करते हुए प्रसन्नता प्रकट की। जिला शिक्षा अधिकारी भंवरलाल परमार ने शिक्षा के क्षेत्र के विकास हेतु भामाशाह दिलीपराज कोठारी के महत्वपूर्ण निर्णय का स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया।

रावला मंडी में राशन वितरण बाधित

रावलामंडी, (निसं)। उचित मूल्य की दुकानों पर राशन वितरण में बाधा आ रही है। सर्वर डाउन होने और ई-पोस मशीनों में स्टॉक अपडेट न होने के कारण उपभोक्ताओं को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। इससे स्थानीय लोग काफी परेशान हैं। उपभोक्ताओं को राशन न मिल पाने का मुख्य कारण सर्वर की खराबी और डीलरों की ई-पोस मशीनों में स्टॉक का अपडेट न होना है। गोदामों में राशन उपलब्ध होने के बावजूद, डीलरों के पास मशीन में जानकारी अपडेट न होने से वितरण रुक गया है। इसके अलावा, कुछ ई-पोस मशीनें आधार ई-केवाईसी पूरी न होने के कारण बंद पड़ी हैं।

जिला आपूर्ति अधिकारी से बात करने पर उन्होंने बताया कि यह समस्या सरकार द्वारा ई-पोस मशीन में सॉफ्टवेयर अपडेट के कारण उत्पन्न हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस समस्या को जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को परेशानी न हो।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से है भारत : राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े

- राज्यपाल ने राष्ट्रीय एकात्मता विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया
- राज्यपाल बागड़े ने जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

बांसवाड़ा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय एकात्मता : विविधता में एक चेतना" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने संगोष्ठी के अंतर्गत जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन करते हुए कहा कि राष्ट्र अनेक भाषा, संस्कृति, मतों, परंपराओं से मिलकर बनता है राष्ट्र की एक सीमा होती है। राष्ट्र में उस देश का नागरिक रहता है। कोई दूसरे देश का नागरिक आता है तो उसे उस देश की नागरिकता लेनी पड़ती है। संगठित जनसमुदाय, निश्चित भूभाग, संस्कृति, परंपरा, एकता की भावना हमें एक सूत्र में बांधती है। देश के नागरिकों में देश के मूल्यों, आदर्शों, मातृभूमि, समुदाय के प्रति निष्ठा और प्रेम होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि एकता की भावना सिर्फ बातों में नहीं व्यक्ति के कर्मों में भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश जब बनता है तब एक देश से दूसरा देश बन जाता है। कारण अलग-अलग होते हैं। बागड़े ने कहा कि हमारे विघटन, हमारी गरीबी, हमारे एकसंघ नहीं होने का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने देश पर अतिक्रमण कर लिया। वह हमने अंग्रेजों से वापस लिया। एक राष्ट्र विकसित बनता है जब नागरिक एकजुट होकर देशप्रेम के साथ अपना सर्वस्व अर्पण करते हैं। नागरिक अपनी शक्ति, बुद्धि, त्याग, आर्थिक स्वावलंबन से देश को विकसित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से हैं। पहले गांव में कच्चे मकान होते थे जो अब पक्के बन गए हैं क्योंकि लोगों के पास पैसा आया है। देश की अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत हमारी संस्कृति का मूल है। राम का नाम सभी भाषाओं में है। भजन-कीर्तन, व्याख्यान, भाषण, शिक्षण अलग-अलग भाषाओं में होता है मगर देवधर्म सबका एक ही है। एक ही गणेशजी की आरती अनेक भाषाओं में होती है मगर सबका भाव एक ही होता है। अनेक भाषा, खान-पान, वेशभूषा अलग-अलग होने के बावजूद हम सब एक हैं। हमारी संस्कृति भाषा अनेक भाव एक, पथ अनेक-गंतव्य एक की है।

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने संबोधित किया।

संक्षिप्त

प्रतियोगिताओं का आयोजन

कोटपूतली। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में राज्य के साथ-साथ जिले, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर तक आगामी 7 नवम्बर 2025 से विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर दायित्व सौंपे एवं दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सभी सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, महाविद्यालय, कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी। इस अवसर पर भव्य 'वंदे मातरम गायन, तिरंगा झंडों का वितरण, स्कूल, पुलिस बैंड प्रस्तुतियाँ तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों व आम नागरिकों द्वारा देशभक्ति के माहौल में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ 'वंदे मातरम' गायन का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। कला प्रदर्शनियों के माध्यम से 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को ऐतिहासिक स्वरूप में मनाया जाएगा। । प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएंगी। एलईडी स्क्रीन, होर्डिंग्स, एवं विज्ञापन स्थलों पर वंदे मातरम150 प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इनके माध्यम से 'वंदे मातरम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के संदेश को प्रस्तुत किया जाएगा।

खोया पाया

जेडीए योजना गगन विहार, मौजमाबाद के भूखण्ड संख्याः 433 का ऑरिजिनल कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है कृप्या मिलने पर सूचित करें: गणेश नारायण जाट पुत्र कल्याण राम, 7014681260

प्लॉट नं. 436, जेडीए योजना गगन विहार, मौजमाबाद का ऑरिजिनल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है कृप्या मिलने पर सूचित करें: पूजा पुत्री स्व. गुलाब रॉय, 9610883578

प्लॉट नं. 210, जेडीए योजना रामचन्द्र विहार का ऑरिजिनल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है कृप्या मिलने पर सूचित करें: राजू मोहम्मद पुत्र मुन्नवर मोहम्मद, 9414349497

जेडीए स्कीम, देव विहार, जयपुर के भूखण्ड संख्याः जी-154 का ऑरिजिनल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं गुम हो गया है कृप्या मिलने पर सूचित करें: पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र श्री देवीराम, 9887228020

मैं, श्रीजिला पत्नी सूबेदार मेजर एसीके प्रजीत कुमार, निवासी गांव-अयानचेरी, पोस्ट-कदामेरी, तह.-वडागरा, जिला-कोझिकोड (केरल)। मेरे पति के सेवा दस्तावेज़ में मेरा नाम गलती से श्रीजिला के बजाय श्रीजिला प्रजीत दर्ज कर दिया गया है। मेरे दस्तावेज़ों यानी आधार और पैन कार्ड के अनुसार।

मेरे मकान संख्या-105/40, विजय पथ, अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर संबंधित संशोधित आवंटन पत्र, अदेय प्रमाण पत्र, Declaration cum Possession Letter विजय पथ मानसरोवर में गिर गए है जिसे मिले सूचित करें- 9680694563

मेरे मकान 9/57 का मूल डिक्लेरेशन लेटर मालवीय नगर में कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें आंचल मानसिंघानी 8955776141

जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर की आवासीय योजना-रोहिणी एन्क्लेव जयपुर के प्लाट नम्बर जी-116 का मूल आवंटन सह मांग पत्र, कब्जा पत्र, समस्त जेडीए पट्टा व रसीदें कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। सुन्दर लाल सैनी मो. 8003677936

ALL THE ORIGINAL DOCUMENTS PERTAINING TO MY FLAT NUMBER 15/39(THIRD FLOOR), MALVIYA NAGAR, JAIPUR, INCLUDING THE ALLOTMENT LETTER, POSSESSION CERTIFICATE, UNREGISTERED SALE DOCUMENTS, REGULARIZATION APPLICATION FORM SUBMISSION RECEIPT, DEPOSIT RECEIPTS, REGULARIZATION AND NO-DUES CERTIFICATE, PERPETUAL LEASE DEED, CONVEYANCE DEED, ALLOTTEE DOCUMENTS, ETC., HAVE BEEN LOST/MISPLACED. PLEASE INFORM ME IF FOUND. Tapati Roy 9571859996

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भगवान बिरसा मुंडा का जीवन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत : कलेक्टर

टोंक। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय में भाषण, निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका तथा मुख्य वक्ता प्रो. विकास नौटियाल तथा अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. लोकेष कुमार शर्मा ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मॉ सरस्वती और भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मनाई

साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के ऐसे महानायक थे, जिन्होंने जनजातीय समाज को जागरूक कर आत्मसम्मान और स्वाभिमान के मार्ग पर अग्रसर किया। उनका जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। विशिष्ट अतिथि परशुराम धानका बिरसा मुंडा जी की 150 वीं

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में राजकीय महाविद्यालय में आयोजित भाषण, निबंध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

जयंती के उपलक्ष्य में जिले भर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को बिरसा मुंडा जी जीवन दर्शन से प्रेरणा लेते हुए देश की उन्नति में अपनी अहम भूमिका अदा करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रो. लोकेश कुमार शर्मा ने आजादी के आंदोलन में बिरसा मुंडा जी योगदान पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान डॉ. विकास नौटियाल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय विद्रोहों की भूमिका एवं जनजाति समुदायों के नायकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता के आदिवासी नायकों में से एक हैं जिन्होंने अपने अल्प जीवन में अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी और आदिवासी अस्मिता को नई दिशा दी। बिरसा का आंदोलन सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक चेतना का प्रतीक था। सांस्कृतिक अस्मिता के क्षरण एवं पर्यावरणीय संकट के इस दौर में बिरसा मुंडा का जीवन दर्शन हमारे लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।

तीर्थ यात्रा ट्रेन रवाना

भरतपुर (निस)। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के अंतर्गत मंगलवार को भरतपुर से द्वारका-सोमनाथ वाया खातीपुरा जयपुर एवं अजमेर के लिए विशेष रेलगाडी को रवाना किया गया। इस विशेष तीर्थ यात्रा ट्रेन को अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा एवं जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा ने भरतपुर रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विशेष तीर्थ यात्रा ट्रेन के लोको पायलट व गार्ड को माला पहना कर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामना देते हुए रवाना किया।

अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक प्रेरणादायक और जनकल्याणकारी पहल है। इस योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के दर्शन का अवसर पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उन्हें आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हो सके। उन्होंने यात्रियों से संवाद करते हुए उनके यात्रा अनुभव एवं सुझावों के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों और उनके परिजनों में विशेष उत्साह और उल्लास का माहौल देखा गया।

'सीएम शर्मा के नेतृत्व में कीर्तिमान स्थापित'

भरतपुर (निस)। राजस्थान वर्ष 2024-25 के दौरान 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा है। यह सब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और सुशासन का परिणाम है। इसके एवज भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर में जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार कर एक-दूसरे को बधाई दी। भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिन्दाबाद के नारों से जयघोष किया। जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में राजस्थान के पहला स्थान प्राप्त करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का आलम है। अंगदान को बढावा देने तथा अंग प्रत्यारोपण में उभरते हुए राज्य के रूप में राजस्थान को वर्ष 2025 के लिए प्रथम स्थान के साथ ही राष्ट्रीय पुरूस्कार से नवाजा गया है।

ऑनलाइन ठगी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी ने साईबर फ्रोड हेतु किराये के खाते उपलब्ध कराने के लिये बना रखा था नेटवर्क

कोटपूतली। जिले की साईबर सैल व साईबर क्राईम थाना पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुये ऑनलाईन ठगी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी ने साईबर फ्रोड हेतु किराये के खाते उपलब्ध कराने के लिये नेटवर्क बना रखा था।

एसपी देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि पुलिस महानिदेशक साईबर क्राईम द्वारा साईबर अपराधों के रोकथाम एवं साईबर अपराध प्रकरणों एवं परिवादों के त्वरित निस्तारण एवं जागरुकता के प्रसार हेतु साईबर अभियान चलाया जा रहा है। राज्य में साईबर अपराधों का ग्राफ प्रतिदिन बढ़ रहा है तथा राज्य सरकार भी साईबर अपराधों के रोकथाम हेतु काफी गंभीर है। अभियान के तहत एएसपी वैभव शर्मा, डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क व साईबर सैल प्रभारी संदीप की टीम का गठन किया गया।

पीड़ित ग्राम कुनेड़ निवासी राजेन्द्र ने बताया कि मैं बेरोजगार होने के कारण रोजगार की तलाश कर रहा था। इसलिये मेरा आईसीआईसीआई बैंक पावटा के पास मेरा आना-जाना था। जहां मेरी जान पहचान लालचंद गुर्जर से हुई तो मैंने उसको दुकान खोलने की बात बोली कि मेरे को मोबाईल रिपेयरिंग की दुकान खोलनी हैं लेकिन मेरे पास रुपये नहीं है तो उसने बताया कि मैं तुझे लोन दिलवा दूंगा तु जीएसटी बनवा ले। उसने मेरे को जैसे-जैसे कहा और जहां के लिये कहा वहां मैंने अकाउंट खुलवाया और उसने ऑनलाईन नेटबैंकिंग के लिये बोला तब जाकर मैं उसके साथ बैंक जाकर केनरा बैंक पावटा में ऑनलाईन बैंकिंग ली और उसने कहा कि सब्सिडी पर लोन लेने के लिये इसमें ट्रांजैक्शन करवाने पड़ेंगे फिर तेरा लोन होगा इसके लिए तेरी सिम मुझे देनी होगी और ऑनलाईन बैंकिंग भी तो मैंने उसे बोला कि मैं सिम तो नहीं दूंगा तो कहा कि तुझे तेरी सिम तो दो-तीन दिन में दे दूंगा और लोन भी करवा दूंगा। उसने सिम ले जाने के बाद दूसरे दिन मेरे पास बैंक वाले आये कि आपके अकाउंट में एक-दो दिन में इतना ट्रांजैक्शन हो गया फिर मैंने कहा कि कितना हो गया। जिस पर मैं बैंक जाकर प्रार्थना पत्र देकर मेरा अकाउंट बंद करवा दिया। मेरे साथ हुए इस लेनदेन और सब्सिडी पर लोन कराने के लिये विष्वासघात कर मेरे से सब्सिडी दिलाने के बहाने से खाता लेकर करीब 06 करोड़ 50 लाख रुपये का अवैध लेनदेन कर लिया। पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुये भारत सरकार द्वारा संचालित साईबर पुलिस पोर्टल के अनुसार जिलों में स्थित विभिन्न बैंक शाखाओं द्वारा जारी किये गये संदिग्ध बैंक खाता (म्युल अकाउन्ट) एवं पीओएस कि सुची प्राप्त की। उक्त बैंक खातों के संबध में राष्ट्रीय साईबर अपराध रिपोर्टिंक पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायते दर्ज हैं जिस पर बैंक खातों के खातधारकों की बैंक से डिटेल प्राप्त कि गई। विभिन्न शिकायतां में बैंक द्वारा जारी संदिग्ध बैंक खाताधारकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये लालचंद (24) पुत्र चिरंजीलाल गुर्जर निवासी टोरडा रामपुरा थाना प्रागपुरा हाल निवासी नागाजी की गौर कोटपूतली को गिरफ्तार किया गया।

पुछताछ में सामने आया कि मुल्जिम लांलचंद टेलीग्राम के द्वारा अंकित व उसके दोस्तों जिनका नाम गोटी व यादव बताये जिनसे उदयपुर जाकर होटल में मिलना बताया जो चाईनीज फ्रोडस्टरों से टेलीग्राम के मार्फत फ्रोड को अजांम देते हैं। उक्त फ्रोडस्टर केवल टेलीग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर आपस में संपर्क करते है व फ्रोड का पैसा यूएसडीटी में लेते हैं।

घर-घर पहुंचे बीएलओ

- जिला निर्वाचन अधिकारी और उप जिला नर्वाचन अधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया
- बीएलओ की हाउस-टू-हाउस विजिट एवं मैंपिंग कार्य की ली जानकारी

कोटपूतली-बहरोड। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 शुरू हो गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक बीएलओ द्वारा 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक घर-घर जाकर पात्र नागरिकों को परिगणना प्रपत्र वितरित कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंका गोस्वामी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश सहारण ने बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के पहले दिन दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ के हाउस-टू-हाउस विजिट, गणना प्रपत्र वितरण एवं बीएलओ एप में मतदाताओं की मैपिंग की स्थिति का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बानसूर विधानसभा क्षेत्र एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बहरोड़ विधानसभा में विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बीएलओ से एसआईर गतिविधियों एवं परिगणना प्रपत्र वितरण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली और मतदाताओं से भी संवाद किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता से यह जानकारी ली जाए कि वह पूर्व में कहां निवास करता था। यदि उसका पुराना ईपिक नंबर उपलब्ध है तो उसके आधार पर नाम तलाश कर मैपिंग की जाए। जिन मतदाताओं का ईपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता-पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। फील्ड में फार्म वितरण को गति दी जाए तथा इस कार्य में वॉलंटियर्स की सहायता ली जाए।

प्रत्येक ऐसे मतदान केंद्र जहां मैपिंग कम है, वहां प्रशिक्षित वॉलंटियर्स लगाए जाएं जो वर्ष 2002 की सूची से नाम तलाशने में सहयोग करें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी घर पर मतदाता अनुपस्थित पाया जाए, तो संबंधित बीएलओ कम से कम तीन बार भ्रमण कर परिगणना प्रपत्र उपलब्ध करवाएं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग दें और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना योगदान सुनिश्चित करें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग दिशा-निर्देश से विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत जिन मतदाताओं का नाम वर्तमान मतदाता सूची में शामिल है उन सभी मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण करने एवं संग्रहित किये जाने का कार्य आगामी 4 दिसंबर 2025 तक बीएलओ द्वारा किया जायेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय कर मतदान केंद्रों पर नियुक्त बीएलए को बीएलओ की सहायतार्थ लगवाएं. ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं को एसआईआर कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी जाए साथ ही अर्बन क्षेत्र में मैपिंग के कार्य में गति लाई जाए।

भाषण प्रतियोगिता में विनीता शर्मा प्रथम

कोटपूतली। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में 1 से 15 नवम्बर तक मनाए जा रहे "जनजातीय गौरव वर्ष" के अंतर्गत बुधवार को राजकीय लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय कोटपुतली में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने आदिवासी समाज के उत्थान में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान एवं संघर्ष के बारे में बताते हुए नवयुवकों को प्रेरणा लेने के प्रोत्साहित किया।

भाषण प्रतियोगिता में विनीता शर्मा प्रथम, काजल गुप्ता द्वितीय एवं साक्षी जांगिड़ तृतीय स्थान पर रही। चित्रकला प्रतियोगिता में काजल गुप्ता प्रथम, पूजा गुर्जर द्वितीय एवं साक्षी जांगिड़ तृतीय स्थान पर रही। प्राचार्य ने सभी विजेताओं को बधाई दी एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्द्धन किया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर सत्यवीर सिंह एवं प्रोफेसर माधुरी गंगावत शामिल रहे।

खैरथल में बीएलओ ने घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया

खैरथल। खैरथल-तिजारा जिले में मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 की औपचारिक शुरुआत की गई। अभियान के प्रथम चरण में जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ (बूथ स्तर अधिकारी) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित करने का कार्य प्रारंभ किया गया। यह अभियान आगामी एक माह तक संचालित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत प्रत्येक मतदाता से व्यक्तिगत संपर्क कर उनके मतदाता विवरण का सत्यापन एवं अद्यतन किया जाएगा।

अभियान के प्रथम दिन मंगलवार को किशनगढ़-बास विधानसभा क्षेत्र में 1139, तिजारा विधानसभा क्षेत्र में 984 तथा मुंडावर विधानसभा क्षेत्र में 303 गणना प्रपत्र वितरित किए गए। इस प्रकार जिले में पहले दिन कुल 2426 गणना प्रपत्र घर-घर पहुंचाए गए। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम

बीएलओ ने घर-घर पहुंचकर गणना प्रपत्रों का वितरण किया।

के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर गणना प्रपत्र वितरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ तथा मतदाताओं से संवाद किया और अभियान के उद्देश्य एवं महत्व को बताया।

उन्होंने इस दौरान मतदाताओं को अपने-अपने विवरण सही-सही भरकर बीएलओ को समय पर जमा कराने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं से अपील की है कि वे अपने और अपने परिवार के सदस्यों के गणना प्रपत्र ऑनलाइन माध्यम से भरने को प्राथमिकता दें, जिससे प्रक्रिया और अधिक सहज एवं पारदर्शी बन सके। इस विशेष अभियान का लक्ष्य मतदाता सूची को पूर्ण रूप से अद्यतन, सटीक एवं त्रुटि रहित बनाना है, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का सुगमता से उपयोग करने का अवसर मिल सके।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या प्रतीमा मित्तल पत्नी श्री अरूण मित्तल, निवासी-68, आनन्द नगर, सिरसी रोड, जयपुर ने एक सम्पति स्थित प्लॉट नम्बर-बी-197, वैशाली नगर, जयपुर कुल क्षेत्रफल-138.89 वर्गगज को श्री प्रेम जोशी पुत्र श्री रामेश्वर लाल जोशी से क्रय करने का इकरार किया है, उक्त वर्णित सम्पति के क्रय-विक्रय में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, वितीय संस्था या किसी बैंक आदि को कोई आपत्ति या उज्र हो तो मुझ हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष इस सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस में प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद 07 दिवस प्रत्येक आपत्ति/उज्र मेरी अभिभाष्या के उक्त सौदे के अधिकारों के प्रति प्रभाव शून्य माने व समझे जावेंगे। सूचित रहें। (सतीश मोदी) एडवोकेट मो.: 9314833316

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम रोशनी से बदलकर रोशनी मिश्रा कर लिया है, रोशनी मिश्रा पत्नी श्री दिनेश कुमार यादव निवासी- ए-19, श्याम वाटिका, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर-302020, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक:8304 जाहिर आम-सूचना दिनांक:04.11.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लेट संख्या 34/312 (MIG-B) का आवंटन श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा एवं श्रीमती नीलम मल्होत्रा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 5105 दिनांक 04.03.2004 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 24.06.2004 को प्राप्त किया गया। श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा की मृत्यु दिनांक 08.04.2020 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती नीलम मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा द्वारा आवासन मण्डल मे सम्पूर्ण आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त सम्पूर्ण आवास / फ्लेट का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती नीलम मल्होत्रा पत्नी स्व. श्री प्रवीण कुमार मल्होत्रा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती ग्यारसी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नन्दलाल वर्मा के स्वामित्व एवं अधिकार की स्वअर्जित सम्पत्ति प्लॉट नम्बर- 75, जनक विहार, सिरसी रोड, पाच्यावाला, जयपुर के सम्बन्ध मे एक पंजीकृत वसीयत दिनांक 29/01/2021 को मैंने अपने तीनों पुत्रो कमलेश सुनील कुमार, विजय कुमार, अशोक कुमार के हक मे संयुक्त रूप से कर दी है। मेरा सबसे बडा पुत्र अनिल कुमार अपने परिवार के साथ मुझसे करीब 30 वर्षो से अलग निवास कर रहा है, अनिल कुमार अपने पुत्रवत दायित्वो को निर्वहन भी नही करता साथ ही मुझसे मेरी स्वअर्जित उपरोक्त सम्पत्ति हथियाने के लिए लड़ाई झगड़ा, गाली गलौच करता है। मेरा पुत्र अनिल कुमार व उसकी पत्नी मीना व उसका पुत्र आदित्य, अनिकेत एवं पुत्री इनू से कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है, मैं उसे व उसके परिवार के सदस्यो को अपनी उपरोक्त अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। उसके किसी भी सव्यवहार व कृत्य के लिए किसी भी प्रकार से मेरी अभिभाष्या की कोई जिम्मेदारी व जवाब देही नही होगी। सूचित रहे। (अंकित शर्मा) एडवोकेट मो.नं.-9782214279

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जे.डी.ए. की प्लाट न. 71, मदरामपुरा, तह. सांगानेर, जिला जयपुर (राज.) का मूल आवंटन पत्र न. जे.वी.प्रा./उपा/Zone-11/2013/डी-4323 दिनांक 04.12.2014 जो कि कृष्णा देवी पत्नी श्री विनोद कुमार के नाम से है, वो खो गया है जिसकी पुलिस रिपोर्ट LR No 2945283/2025 दिनांक 04.11.2025 को दर्ज करा दी गयी है उक्त सम्पति के लिये श्री नोशाद खान पुत्र श्री मुराद खान ने SBI बैंक में ऋण हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को कोई एतराज या आपति हो तो आज से 7 दिवस के अन्दर संपर्क करें मूल आवंटन पत्र मिलने पर सूचित करें। पुष्पेन्द्र कुमार/नोशाद खान Mo. No.: 8949305704, 9588205515

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक 8305 जाहिर आम-सूचना दिनांक-04.11.2025

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 114/136 (LIG) का आवंटन श्रीमती माया मेघानी पत्नी श्री आइल दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4030 दिनांक 19.03.1997 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 01.07.2013 को कर दिया गया। श्रीमती माया मेघानी द्वारा श्री कमलेश गुप्ता पुत्र श्री बाबू लाल गुप्ता को दिनांक 01.07.2013 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री कमलेश गुप्ता द्वारा मुख्त्यारआम की हैसियत से उक्त आवास का विक्रय पत्र श्री शिव प्रसाद शर्मा पुत्र स्व. श्री नन्द लाल शर्मा को दिनांक 05.02.2014 को उप पंजीयक सांगानेर- प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री शिव प्रसाद शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 22.04.2016 को श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री जगन प्रसाद शर्मा को विक्रय कर उनके पक्ष में विक्रय पत्र उप पंजीयक चतुर्थ जयपुर के यहां पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री जगन प्रसाद शर्मा द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति /पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री जगन प्रसाद शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय, सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल,जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 91/2025

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री विष्णुदत्त शर्मा ने पंजीकृत प्रन्यास श्री दाधीच समाज सेवा समिति ट्रस्ट प्लाट नं.82 गायत्री नगर-ए महारानी फार्म दुर्गापुरा जयपुर जिसका पंजीयन क्रमांक 80 जयपुर 2022 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत श्री विजयकृष्ण दाधीच उपाध्यक्ष, श्री अशोक कुमार शर्मा महासचिव, श्री राधेश्याम सदस्य, जितेनद्र कुमार दाधीच कोषाध्यक्ष द्वारा पद से त्याग पत्र देने के कारण उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड से हटाने तथा श्री वेद प्रकाश दाधीच, श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा श्री रामचन्द्र दायमा श्री घनश्याम सूंठवाला का नवीन प्रन्यासी/सदस्य नियुक्त कर उनके नाम प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख कराये जाने हेतु निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 29.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 3.12.2025

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

कार्यालय, नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा (कोटपूतली-बहरोड़)

नवोदय स्कूल के पास पावटा-303106, राज.

फोन: 01421-294619, Email.Id: Nagarpalikapaotapragpura@gmail.com

क्रमांक : न.पा.पाव.प्रा./2025-26 / भूमि /915 **आपत्ती आमंत्रण सूचना** दिनांक. 03.11.2025

निम्न आवेदक ने नगरपालिका कार्यालय में 69-क / स्टेट ग्रांट / कृषि भूमि नियमन पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है, उक्त पत्रावली में किसी को कोई आपत्ती हो तो 07 कार्य दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें अन्यथा पत्रावली में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा संख्या	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	प्रयोजनार्थ
1.	श्री महेश बंसल पुत्र श्री दामोदर, शिवचरण बसंल पुत्र श्री नाथूलाल	1190	पावटा	2879.65	आवासीय

(फतेह सिंह मीणा) अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

The Rajasthan State Co-operative Bank Ltd.

DC-1, Opposite Nehru Balodyan, Tonk Road, Jaipur, Ph.: 0141-2744814

Tender Notice No. RSCB/Purchase/25-26/05

Online tenders are invited on eProcurement Portal Government of Rajasthan (https://eproc.rajasthan.gov.in) from eligible bidders for following:-

RFP No. RSCB/SANDR/25-26/01 dated 4.11.2025 - Request for proposal for Supply Installation, testing & Commissioning of SAN Storage for RSCB & 29 DCCBs in Rajasthan.

Tentative Schedule for tenders:-

S.No.	Events Particulars	Date & time for tender 1
1.	Start date and time of download of e-bid	04.11.2025, 10.00 AM
2.	Last date and time of download of e-bid	13.11.2025, 5.00 PM
3.	Last Date of submission of e-bid with Bid Security	13.11.2025, 5.00 PM
4.	Opening of Technical bid/e-bid	14.11.2025, 11.30 AM
5.	Websites where tender is available	https://eproc.rajasthan.gov.in, https://rscb.org.in, https://sppp.rajasthan.gov.in

DGM (PACS)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर

सं. : 2270 **लोक सूचना** दिनांक- 17.10.2025

श्री अजय गोयल पुत्र श्री शिव कुमार गोयल, निवासी-7/140 विधाधर नगर, जयपुर, जिला-जयपुर इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक (फार्म हाउस रूपान्तरण) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

जिले सहित नगर का नाम	ग्राम का नाम	खसरा न.	क्षेत्र
अगरपुरा-डेहरा जोबनेर जिला-जयपुर	अगरपुरा-डेहरा जोबनेर जिला-जयपुर	485/2	रकबा 3.7935 है० में से 19336.39वर्गमीटर भूमि को अकृषि (फार्म हाऊस रूपान्तरण)

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों लए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 17/10/25 को जारी की गयी।

- प्राधिकारी अधिकारी(अधिशाषी अधिकारी)नगर पालिका मण्डल जोबनेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर

सं. : 2269 **लोक सूचना** दिनांक- 17.10.2025

श्री श्रवण कुमार पलसानियां पुत्र श्री गुल्ला राम पलसानियां, निवासी-भोजपुरा कलां, जोबनेर, तहसील-जोबनेर जिला-जयपुर इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक(व्यवसायिक रूपान्तरण) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

जिले सहित नगर का नाम	ग्राम का नाम	खसरा न.	क्षेत्र
बबेरवालों की ढाणी जोबनेर जिला-जयपुर	बबेरवालों की ढाणी जोबनेर जिला-जयपुर	359/13	रकबा 0.2403 है० में से 2403 वर्गमीटर भूमि को अकृषि (व्यवसायिक रूपान्तरण)

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों लए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 17/10/25 को जारी की गयी।

- प्राधिकारी अधिकारी(अधिशाषी अधिकारी)नगर पालिका मण्डल जोबनेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर

सं. : 2268 **लोक सूचना** दिनांक- 17.10.2025

श्री राजेन्द्र कुमार दौतानिया पुत्र श्री मिनया राम दौतानिया, निवासी रैगरों का मौहल्ला, प्रतापपुर, जोबनेर जिला-जयपुर इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक (फार्म हाउस रूपान्तरण) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

जिले सहित नगर का नाम	ग्राम का नाम	खसरा न.	क्षेत्र
माच्छरखानी-जोरपुरा जोबनेर जिला-जयपुर	माच्छरखानी-जोरपुरा जोबनेर जिला-जयपुर	2004/1634	रकबा 0.6069 है० में से 6069 वर्गमीटर भूमि को अकृषि (फार्म हाऊस रूपान्तरण)

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों लए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 17/10/25 को जारी की गयी।

- प्राधिकारी अधिकारी(अधिशाषी अधिकारी)नगर पालिका मण्डल जोबनेर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

आम सूचना क्रमांकः F-JDA/Zone 09/2025/D-46

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 262927 दिनांक 17/10/2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Kashyap Pareek S/o DR RAHUL PAREEK	श्री कश्यप पारीक पुत्र डॉ. राहुल पारीक	5	287.86 SQ. YARD	Private	RATAN SAGAR Sector/ Block-Hold E-	Issue Free Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed)| Original Lease Deed (Patta)	निजी खातेदारी योजना रतन सागर के भूखण्ड संख्या 5 क्षेत्रफल 187.86 व.ग.की लीज़ डीड दिनांक 10.11.2014 को श्री मनीष शर्मा पुत्र श्री मदन मोहन शर्मा एवं श्री आलोक चुग पुत्र श्री नरेश कुमार चुग के पक्ष में जारी की गई हैं। श्री मनीष शर्मा पुत्र श्री मदन मोहन शर्मा एवं श्री आलोक चुग पुत्र श्री नरेश कुमार चुग द्वारा श्रीमती कमली देवी पत्नी श्री कमलेश एवं श्रीमती कौशल्या मीना पत्नी श्री मूलचंद मीना को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 08.12.2013 के दवारा बेचान किया गया हैं। श्रीमती कमली देवी पत्नी श्री कमलेश एवं श्रीमती कौशल्या मीना पत्नी श्री मूलचंद मीना द्वारा श्री कश्यप पारीक पुत्र डॉ. राहुल पारीक को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 15.10.2025 के द्वारा बेचान किया गया हैं।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष मे Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा मे उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-9, जविप्रा, जयपुर

एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ सबसे महत्वपूर्ण कड़ी : प्रीति मीणा

निवाई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर)के तहत पंचायत समिति सभागार में उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा के नेतृत्व में बूथ लेवल अधिकारियों का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा ने निरीक्षण आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओं को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण को इंटरएक्टिव तरीके से लेंवे, ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। सभी बीएलओ अपने पहचान पत्र अनिवार्य रूप से पहनें तथा सभी प्रक्रियाओं का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि बीएलओ प्रतिदिन अपनी दैनिक प्रगति रिपोर्ट तैयार करें और बूथ लेवल एजेंट के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों की मतदाता सूचियां अब पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सटीक एवं सत्यापित पारिवारिक संबंधों के आधार पर वंशावली मानचित्रण किया जाए। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के लिए आमजन में जागरूकता अभियान चलाया जाए। चुनाव प्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा आगामी दिवस में एसआईआर करवाने के संबंध मे जारी गाइडलाइन के अनुसार बूथ लेवल अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इस अवसर पर दक्ष प्रशिक्षक देवकीनन्दन गौतम, त्रिलोकचन्द जैन व राजेन्द्र मीणा सहित कई कर्मचारी मौजूद थे।

निवाई पंचायत समिति में आयोजित बीएलओ प्रशिक्षण शिविर में एसडीएम प्रीति मीणा ने बीएलओ से चर्चा की।

- बूथ लेवल अधिकारियों के प्रशिक्षण शिविर का एसडीएम ने निरीक्षण किया
- विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के लिए आमजन में जागरूकता अभियान चलाया जाए।

संक्षिप्त

महामण्डल विधान में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य पर श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर में आयोजित आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान में मंगलवार को 512 श्रीफल अघ्र्य चढ़ाए गए। जिसमें पण्डित राजकुमार शास्त्री मध्यप्रदेश ने श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवाई। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि विधानाचार्य शास्त्री के निर्देशन में सिद्धचक्रमहामण्डल विधान में सोधर्म इन्द्र नरेंद्र रानी भाणजा, ईशान इन्द्र पदम बीना सेदरिया एवं यज्ञनायक ज्ञानचंद मुन्नी देवी भाणजा ने मण्डप पर अघ्र्य चढ़ाए। हितेश छाबडा ने बताया कि प्रात: काल सर्व प्रथम अभिषेक व शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा की गई। उसके बाद सिद्धचक्र विधान में सभी इन्द्र-इन्द्राणियों ने मण्डप पर 512 श्रीफल अघ्र्य चढ़ाए। जिसमें महिलाओं ने उत्साह पूर्वक बढ चढकर भाग लिया। इस अवसर पर सुशील आरामशीन, महेन्द्र चंवरिया, नेमीचन्द सिरस, प्रेमचंद गिन्दोडी, चेतन शिवाड, पारसमल जैन, गोपाल कठमाणा, रामपाल चंवरिया, मुकेश जैन, सुलोचना भाणजा, मुन्नी देवी, सपना जैन, ज्योती जैन व सुनिता जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

कोटपूतली । आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान के निर्देषानुसार यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविधालय में मंगलवार को विकसित भारत 2047 या आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. आर के सिंह ने बताया कि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं। इन विषयों से विद्यार्थियों में भारत के समाज, राजनीति, संस्कृति व अर्थव्यवस्था को समझने का अवसर मिला है। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सत्यवीर सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में महाविद्यालय के 65 नियमित विद्यार्थी शामिल हुये। हिंदी व अंठोजी भाषाओं में निबंधों का लेखन हुआ। निबंधों के लिये शब्द सीमा 600 शब्द रखी गई। डॉ. सत्यवीर सिंह ने बताया कि निबंध प्रतियोगिता महाविद्यालय स्तरीय है। इसमें महाविद्यालय स्तर पर तीन विजेताओं का चयन होगा तत्पश्चात् जिला, संभाग स्तर पर चयनित विद्यार्थियों का राज्य स्तर पर आयुक्तालय द्वारा गठित समिति चयन करेगी। इसमें प्रथम पुरूस्कार 21 हजार, द्वितीय 11 हजार व तृतीय 5100 रूपये हैं। 18 प्रतिभागियों को एक-एक हजार रूपये की सांत्वना पुरूस्कार राशि आयुक्तालय द्वारा प्राप्त होगी।

मौसम में ठंडक बढ़ी

भरतपुर । भरतपुर जिले में मंगलवार को सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हो रही है। मौसम बदलने के साथ मौसम में ठंडक भी बढ़ी है। मौसम विभाग ने बारिश की पहले ही चेतावनी दी हुई थी। ठंडी हवाएं चल रहीं हैं। मौसम बदलने के कारण लोगों के गर्म कपड़े भी निकल आये हैं। भरतपुर शहर में भी हल्की बूंदाबांदी हो रही है। ठंडी हवा चल रहीं हैं। बादल छाए हुए हैं। रोजाना तापमान में गिरावट देखी जा रही है। मौसम बदलने के साथ ही किसानों को भी चिंता होने लगी है। इस समय किसानों ने खेतों में गेहूं और सरसों की फसल लगाई है। बारिश के कारण फसल खराब हो सकती है। क्योंकि मौसम की वजह से इस बार किसान ने सरसों की फसल लेट बोई थी।

छप्पन भोग की झांकी आज

निवाई। शहर के कायस्थ मोहल्ला स्थित गोपालजी के मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर बुधवार को छप्पन भोग का आयोजन किया जाएगा। मंदिर पुजारी जुगलकिशोर पचंरग्या ने बताया कि भगवान गोपाल जी का पंचामृत से अभिषेक करने के बाद विशेष श्रृंगार किया जाएगा। जिसको लेकर सुबह 8 बजे 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दोपहर1 से 4 बजे तक भजन सत्संग का आयोजन किया जाएगा। दोपहर बाद 4 बजे आरती करने के बाद श्रद्धालुओं को छप्पन भोग की प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

बिरसा मुंडा की जीवनी बताई

दूदू । निकटवर्ती पडासोली स्थित बिफ एण्ड ब्राइट इंजीनियरिंग कॉलेज एवं बॉम्बे वर्ल्ड स्कूल एवं टीटी कॉलेज के सभागार में जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया इस अवसर पर निर्देशक राकेश भारद्वाज संजीव महर्षि द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जीवनी पर विस्तार से बताया गया।

सम्मान समारोह आज

पावटा । तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा द्वारा आज बुधवार को दीपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह सहित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा व कार्यकारिणी ब्रह्म समाज पावटा का तहसील स्तरीय दीपावली स्नेह मिलन व सम्मान समारोह आज सुबह 11 बजे से पावटा ग्रीन पार्क होटल में आयोजित किया जाएगा। तहसील ब्राह्मण महासभा पावटा अध्यक्ष राजेश शर्मा ने बताया कि स्नेह मिलन समारोह का उद्देश्य पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान एवं धर्म प्रचार-प्रसार में संलग्न सभी ब्राह्मण बंधुओं को एक मंच पर एकत्र कर समाज में एकता, सहयोग एवं स्नेह की भावना को प्रगाढ़ करना है। कार्यक्रम के माध्यम से ब्राह्मण समाज को अपने अनुभव आदान-प्रदान करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए वैदिक धर्म को सुदृढ किया जा सकेगा।

फ्रांस से आए दल ने महिला कृषकों के सब्जी उत्पादन की सराहना की

- महिला कृषकों को सम्मानित किया
- गांव सीदडा में महिला कृषकों के सब्जी उत्पादन को फ्रांस से आए 20 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने देखा और उनकी सराहना की। इस दौरान दल के सदस्यों ने महिला कृषकों के आत्म विश्वास व आत्म निर्भरता को देखकर खुशी जताई

निवाई। गांव सीदडा में महिला कृषकों के सब्जी उत्पादन को फ्रांस से आए 20 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने देखा और उनकी सराहना की। इस दौरान दल के सदस्यों ने महिला कृषकों के आत्म विश्वास व आत्म निर्भरता को देखकर खुशी जताई। सेंटर फॉर माइक्रोफ्रांस ने संस्था द्वारा क्रियान्वित की जा रही ठााम विकास परियोजना के अवलोकन हेतु लुई ड्रेफस फाउंडेशन की अध्यक्ष मार्गरीटा लुई ड्रेफस के नेतृत्व में महिला किसान समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्था की कार्यकारी निदेशक मल्लिका श्रीवास्तव ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना से छोटे किसानों और ठाामीण समुदायों को आत्मनिर्भर बनाकर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और गरीबी उन्मूलन में योगदान देने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद लुई ड्रेफस फाउंडेशन की अध्यक्ष मार्गरीटा ने महिला किसानों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न परियोजना गतिविधियों के मॉडल का अवलोकन किया तथा परियोजना के तहत कृषि में अपनाए जा रहे नवाचारों को जाना व समझा। लुई ड्रेफस फाउडेशन के जनरल मैनेजर रॉबर्ट सर्पोलेट तथा कंपनी के सीईओ सुमित मित्तल ने भी महिला किसानों के प्रयासों को सराहना की। इस अवसर पर मौजूद 150 से अधिक महिला किसानों और स्थानीय समुदाय के सदस्यों से भ्रमणकारी दल ने संवाद किया और परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे कृषि एवं पशुपालन संबंधी नवाचारों जैसे गोबर गैस संयंत्र, पशुओं हेतु बने आश्रय निर्माण, प्राकृतिक खेती व सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आदि का अवलोकन किया। समारोह के अंत में उत्कृष्ट कार्य हेतु गांव की 25 से अधिक महिला किसानों को अतिथियों द्वारा सम्मानित भी किया गया। संचार प्रभारी परीक्षित सिंह तोमर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

बघेरे ने बछड़े पर हमला किया

टोंक । निवाई उपखण्ड के बस्सी गांव के क्षेत्र के पास मंगलवार को सुबह एक बघेरे ने गाय के बछड़े पर हमला कर दिया, जिससे बछड़े के मुंह पर कई जगह घाव हो गये तथा वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

इस दौरान बछड़े की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद गांव में सनसनी फैल गई, शोर-शराबे के बाद बघेरा बछड़े को छोड़कर पहाड़ी की ओर भाग गया। ग्रामीणो ने पशु चिकित्सक को मौके बुलाया तथा घायल बछड़े का इलाज किया।

बाद में घटना की जानकारी विधायक रामसहाय वर्मा को दी गई, जिन्होंने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया। वही ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई तथा क्षेत्र में बघेरे का मूवमेंट से भय का माहौल पैदा गया।

इससे पहले 27 अक्टूबर को भी बघेरे ने एक बाड़े से बकरी का शिकार किया था।

'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' पोस्टर का विमोचन

- शादियों के सीजन में आमजन को किया जा रहा है बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूक

दौसा । बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के तहत शादियों के सीजन के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग की ओर से आमजन को बाल विवाह रोकथाम के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार ने जनजागरूकता पोस्टर का भी विमोचन किया है। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक विश्वदेव पांडेय ने बताया कि पोस्टर में अंकित क्यूआर कोड को स्केन करने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की द्विभाषी शैक्षिणक वीडियो सीरीज का एक्सेस मिलता है,वहीं एक अन्य क्यूआर कोड के माध्यम से 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान'अभियान की कॉलर ट्ययून को डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि एनएचएफएस पंचम के आंकड़ों के अनुसार बाल विवाह के कारण बच्चों में अशिक्षा, बेरोजगारी, जच्चा-बच्चा की मृत्यु, घरेलू हिंसा, तलाक एवं कम उम्र में विधवा होने के प्रकरणों में वृद्धि एवं बच्चों के सामाजिक एवं मानसिक विकास में बाधा आदि दुष्प्रभाव होते हैं। इसलिए वैधानिक रूप से लड़के की निर्धारित न्यूनतम आयु 21 वर्ष एवं लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से पूर्व विवाह दण्डनीय अपराध एवं सामाजिक विकृति है। इस पोस्टर में बाल विवाह से होने वाले नुकसान एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई है। गौरतलब है कि विभागीय निर्देशानुसार आगामी माह विशेष रूप से नवम्बर एवं दिसम्बर में विभिन्न सावों आदि के दौरान बाल विवाह की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए बाल विवाह रोकथाम के लिए प्रशासन प्रयासरत है। बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्प लाइन नं. 1098 पर करें । बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने बताया कि इस वर्ष बाल विवाह पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए जिले में पहली बार विभिन्न प्रकरणों में पुलिस एवं प्रशासन के सहयोग से निषेधाज्ञाएं जारी करवा दी गई हैं। साथ ही,जनसामान्य से अपील की गई है कि बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्प लाइन नं. 1098,पुलिस कन्ट्रोल रूम नं.100,नजदीकी पुलिस थाने अथवा बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों यथा उपखण्ड अधिकारी,तहसीलदार आदि को देकर बाल विवाह रोकथाम में सरकार का सहयोग कर सकते हैं।

मनु प्रजापत सम्मानित

दौसा। पीएमश्री श्री रामकरण जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दौसा में मंगलवार को अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 69 वीं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता (17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग -छात्र एवं छात्राएं) में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 3 छात्रा एवं 28 छात्र खिलाडी को सम्मानित किया गया।

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. मनीषा शर्मा ने बताया कि इनमें से बॉक्सिंग प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र मनु प्रजापत ने राज्य स्तर पर कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आज विद्यालय में उत्कृष्ट खिलाड़ियों का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी रेला रहीं। विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मंजूलता जाटव, भाजपा शहर अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राजावत, भाजपा जिला महामंत्री राजेन्द्र शर्मा, भाजपा शहर उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू साहू तथा भाजपा महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती सपना मीना उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों का माल्यार्पण एवं मुँह मीठा कराकर स्वागत किया साथ ही अन्य सभी विद्यार्थियों को इन बालकों के माध्यम से प्रोत्साहित किया।

फुटबाल टूर्नामेंट कराये जाने का प्रस्ताव

- महायज्ञ के साथ विधिवत होगा समापन
- श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान में मंगलवार को 512 श्रीफल चढ़ाए गए। जिसमें पण्डित राजकुमार शास्त्री मध्यप्रदेश ने श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना करवाई

दौसा। श्री जय भवानी स्पोर्टस क्लब के पदाधिकारियों की बैठक मंगलवार को क्लब अध्यक्ष राजेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें सर्व सम्मति से 9 नवंबर को दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं 21 दिसम्बर से 10 जनवरी 2026 के मध्य राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट कराये जाने का निर्णय लिया गया। इधर बैठक में टूर्नामेंट में शामिल होने वाली संभावित टीमों से चर्चा के लिए कमेटी का भी गठन किया गया।

बैठक में क्लब के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि क्लब द्वारा दो वर्ष में एक बार राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेट आयोजित कराये जाते रहे है, जिसमें देश के विभिन्नराज्यों की टीमें एवं विदेशी खिलाडी भी शामिल होते है। इस बार भी 21 दिसंबर से 10 जनवरी 2026 के मध्य टूर्नामेंट कराये जावेगें, जिसके लिए कमेटी का गठित की जावेगी। कमेटी देश के विभिन्न राज्यों की उत्तम दर्जे की टीमों से वार्ता कर उन्हे टूर्नामेट के लिए आमंत्रित करेगी। प्रवक्ता कमलेश तिवारी उर्फ कल्लू भाई ने बताया कि भवानी क्लब द्वारा एतिहासिक राष्ट्रीय स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट कराये जाते रहे है, इस बार अन्य वर्षो की तुलना में बेहतर टूर्नामेट कराये जावेगे। उन्होने बताया कि 9 नवंबर को क्लब का दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया जावेगा। स्नेह मिलन समारोह के दौरान टूर्नामेंट की तैयारियों को अंतिम रुप प्रदान कर दिया जावेगा। उन्होने बताया कि क्लब द्वारा कराये गये टूर्नामेंट में दौसा शहरवासियों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जाता है, इस बार भी सभी से चर्चा कर एतिहासिक टूर्नामेंट कराये जावेगे। बैठक में सोनू भाई द्वारका, प्रवीण बोहरा गब्बू भाई, राजेन्द्र शर्मा शर्मा सहित अनेक पदाधिकारियों ने सुझाव दिये तथा सर्व सम्मति से टूर्नामेंट कराये जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

गुरु नानक जयंती की पूर्व संध्या पर बंदियों ने बनाई प्रेरणादायक सैंड आर्ट

दौसा। विशिष्ट केंद्रीय कारागार श्यालावास में गुरु नानक देव जी की जयंती की पूर्व संध्या पर बंदियों ने मिट्टी से एक सुंदर सैंड आर्ट तैयार की है।

- कारागार अधीक्षक पारस जाडिग ने बताया कलाकृति को बंदी कलाकार राजेश ने कारागृह परिसर की शुद्ध मिट्टी से तैयार किया, जिसमें संदीप गुप्ता ने सहयोग दिया

कारागार अधीक्षक पारस जाडिग ने बताया इस कलाकृति को बंदी कलाकार राजेश ने श्रद्धापूर्वक कारागृह परिसर की शुद्ध मिट्टी से तैयार किया,जिसमें संदीप गुप्ता ने सहयोग दिया। गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं से प्रेरित होकर बंदियों ने यह सैंड आर्ट तैयार की,जो शांति,प्रेम और सेवा का संदेश देती है। संतुलन, श्रद्धा और सौंदर्य के साथ बनाई गई इस रचना में गुरु नानक देव जी के उपदेश 'नाम जपो, कीरत करो, वंड छको' को कलात्मक रूप में अभिव्यक्त किया। कारागार अधीक्षक के मुताबिक ऐसे आयोजन बंदियों में सृजनशीलता, और सुधार की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

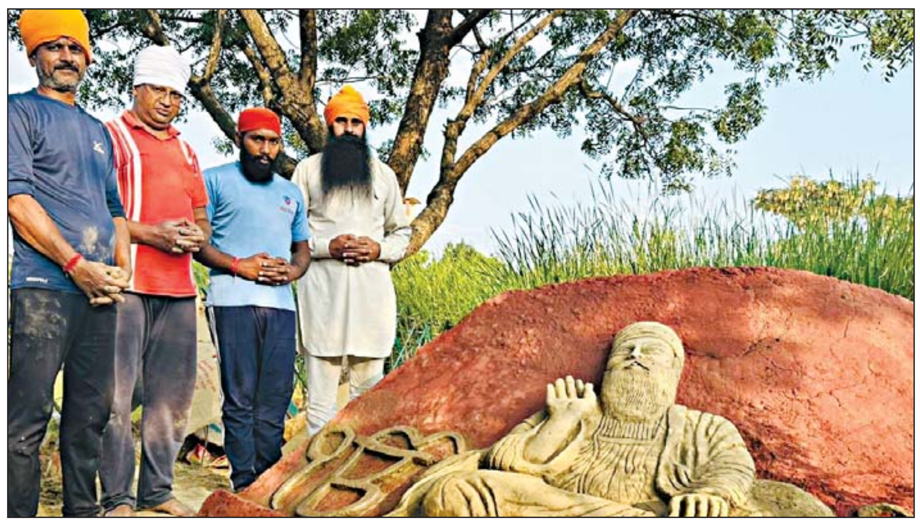

दौसा विशिष्ट केंद्रीय कारागार श्यालावास में गुरु नानक देव जी की जयंती की पूर्व संध्या पर बंदियों ने मिट्टी से एक सुंदर सैंड आर्ट तैयार की है।

बुकल गुप्ता ने इतिहास रचा

किशनगढ़ बास। सीए फाइनल परीक्षा में पूरे देश में तीसरी रैंक हासिल करने वाले किशनगढ़ बास के बुकल गुप्ता का व्यापारियों ने माला व साफा पहनाकर सम्मान किया तथा मुंह मीठा कराकर बुकल व परिवार जनों को बधाई दी। बुकल गुप्ता अनाज मंडी में आढ़ती राजेश गुप्ता के पुत्र हैं।

सीए फाइनल परीक्षा मे पूरे देश में तीसरी रैंक हासिल करने वाले बुकल गुप्ता ने कुल 489 यानी 81.50 प्रतिशत अंक हासिल कर यह उपलब्धि हासिल की है। संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी व अनाज मंडी अध्यक्ष रमेश अठावाल ने कहा बुकल गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता ने पूरे देश में तीसरी रैंक हासिल कर परिवार के साथ क्षेत्र व किशनगढ़ बास का गौरव बढ़ाया है।

इस दौरान किराना मंडल अध्यक्ष मदन लाल अग्रवाल, रेडीमेड गारमेंट अध्यक्ष जनेश भूटानी, लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना, ट्रेलर एसोशिएशन अध्यक्ष प्रभु दयाल चंदनानी, संजय सिंघल सहित व्यापारियों ने बुकल गुप्ता का सम्मान कर बुकल गुप्ता को देश में तीसरी रैंक हासिल करने पर बधाई दी।

सार-समाचार

8.50 लाख का दान किया

सांभरझील । सांभर के लवण व्यवसायी व कायस्थ समाज के वरिष्ठ सदस्य अखिलेश माथुर ने धार्मिक संस्था श्याम रंगीला ट्रस्ट को स्वयं की ओर से 8 लाख 51 हजार की राशि स्वेच्छा से दान की। श्याम मंदिर को यह अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक योगदान मिला है। इससे पहले अखिलेश माथुर ने करीब 10 लाख रुपए की लागत से भगवान चित्रगुप्त मंदिर परिसर में भगवान शिव का भव्य मंदिर का निर्माण कराकर कायस्थ समाज के सुपुर्द किया था। बता दें कि इससे पहले भी उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान सबसे अधिक एक लाख 51 हजार का योगदान दिया था, वहीं यतीजी नसियां स्थित मंदिर में अनेक कार्यो पर करीब 10 लाख रुपए खर्च कर धार्मिक आयोजनों में अपना अहम योगदान दिया। गरीब लोगों की मदद की तथा अपनी सीधी सरल प्रतिभा का परिचय दिया। बताया गया कि धार्मिक कार्यों में रुचि रखने वाले अखिलेश माथुर ने श्याम रंगीला ट्रस्ट को उनकी ओर से राशि श्याम मंदिर के मुख्य शिखर व शिव मंदिर के मुख्य शिखर एवं उस पर पीतल के कलश हेतु व पहली मंजिल पर भक्तों की सेवा हेतु एक कमरे की राशि समर्पित की गई है। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी पुष्पा माथुर, पुत्र शुभम, पुत्री कोमल व डॉटर इन लॉ दृष्टि का श्याम रंगीला परिवार ने आदर भाव से तहे दिल से उनका शुक्रिया अदा किया, वहीं कायस्थ समाज की तरफ से भी उनको इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनाएं दी गई।

स्वदेशी उत्सव की शुरुआत 7 से

टोंक। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले व खण्ड स्तर और ग्राम पंचायत स्तर तक आगामी 7 नवम्बर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। कार्यक्रम में सभी सरकारी और गैर-सरकारी शिक्षण संस्थान, महाविद्यालय, मेडिकल एवं पैरामेडिकल कॉलेज, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, पुलिस एवं आरएसी के जवान, सामाजिक संगठन और आमजन की भागीदारी रहेगी।

जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी परशुराम धानका ने बताया कि इस अवसर पर भव्य 'वंदे मातरम' गायन, तिरंगा झंडों का वितरण, स्कूल, पुलिस एवं आर्मी की बैंड प्रस्तुतियाँ तथा महापुरुषों की प्रदर्शनी जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेट्स, शिक्षकों व आम नागरिकों द्वारा देशभक्ति के माहौल में सामूहिक राष्ट्रगान के साथ 'वंदे मातरम' गायन का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। जिले में प्रदर्शनी, और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को ऐतिहासिक स्वरूप में मनाया जाएगा। वही जिलें में प्रभात फेरी, रन अथवा बाइक रैली के माध्यम से 'वंदे मातरम' का प्रचार किया जाएगा तथा शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम, विद्यालयों में राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन, निबंध लेखन, चित्रकला, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं, एनएसएस द्वारा स्वच्छता अभियान व रक्तदान शिविर, स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिजनों का सम्मान और थीम आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएंगी। एलईडी स्क्रीन, होर्डिंग्स, एवं विज्ञापन स्थलों पर "वंदे मातरम 150" प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। इनके माध्यम से 'वंदे मातरम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता संग्राम में इसकी भूमिका और राष्ट्रीय एकता के संदेश को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही इस अभियान से जन-जन को जोड़ने के लिए अंदकमउंजंतंउ हैशटैग के साथ सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जाएगा। यह कार्यक्रम के दौरान सभी सरकारी कार्यालयों में 10 नवम्बर को 'वंदे मातरम 150' कार्यक्रम एवं स्वदेशी संकल्प का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 11 नवम्बर को नगर निकाय कार्यालयों में, 12 नवम्बर को पंचायत राज संस्थानों में, 13 नवम्बर को सभी स्कूलों व छात्रावासों में, 14 नवम्बर को उच्च शिक्षा संस्थानों में तथा 15 नवम्बर को अस्पतालों और पुलिस थानों में 'वंदे मातरम 150' कार्यक्रम एवं स्वदेशी संकल्प आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 7 नवम्बर से 26 नवम्बर (संविधान दिवस) तक सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में 'वंदे मातरम का सामूहिक वाचन होगा।

गणना प्रपत्र वितरण का कार्य शुरु

टोंक। विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के तहत बीएलओ द्वारा घर घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण का कार्य मंगलवार से शुरु हो गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना अग्रवाल ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र काफी आसान बना दिया है। बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराएंगे और उसे भरने में सहायता भी करेंगे। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मंगलवार को ग्राम पंचायत सोहेला पंहुचकर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र वितरण, ऑन लाईन प्रक्रिया, बीएलओ एप पर एंट्री, रजिस्टर में रिकॉर्ड संधारण की जानकारी ली। साथ ही बीएलओ को पूरी गंभीरता एवं समयबद्ध सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) पीपलू गणराज बड़गोदी, सुरपवाईजर लल्लू लाल शर्मा भी मौजूद रहे।

मां दुर्गा की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा 7 को

निवाई। शहर की सिन्धी कालोनी में स्थित श्री झूलेलाल मन्दिर में मां दुर्गा की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा मंगलवार की सुबह श्री चिंताहरण गणेश मंदिर से विशाल कलश यात्रा निकाली गई। पूज्य सिंधी पंचायत व सिंधी सोनी परिवार के संयुक्त तत्वावधान में सुबह करीब 11:30 बजे विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद कलश पूजन कर कलश यात्रा रवाना हुई। झिलाय रोड़ स्थित श्री चिंताहरण गणेश मन्दिर से ढोल नगाड़ों व बेंड बाजों के साथ शहर के मुख्य मार्गो से कलश यात्रा गुजरी। पूज्य सिंधी पंचायत के मोती सोनी ने बताया कि समाज के स्व. हारूमल सोनी व स्व. लीला देवी की पुण्य स्मृति में मां दुर्गा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। उन्होंने बताया कि 7 नवंबर तक श्री झूलेलाल मन्दिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 7 नवंबर की दोपहर करीब 12:15 बजे अभिजीत मुहूर्त में मां दुर्गा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस अवसर पर झूलेलाल धर्मशाला में पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाएग

मतदाताओं से भरवा रहे गणना प्रपत्र

भरतपुर (निस)। राजस्थान में विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर के तहत सर्वे का काम शुरू हो गया है. इसके लिए बीएलओ घर-घर जा रहे है. बीएलओ मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर उनसे 2 प्रतियों में गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं. उसमें से एक प्रति रसीद के तौर पर मतदाता के पास ही रहेगी. जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि 4 नवबंर से 4 दिसंबर तक यह अभियान चलेगा, भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत गणना प्रपत्र काफी आसान बना दिया है. अब यह केवल एक ही पेज का है. उसमें भी मतदाता से संबंधित सूचनाएं जैसे नाम, ईपिक नंबर, पता एवं वर्तमान मतदाता सूची के अनुसार भाग और क्रमांक संख्या पहले से ही भरी हुई आ रही है । मतदाता की फोटो भी गणना प्रपत्र पर छपी हुई है ।

फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार

पावटा। दो साल से फरार चल रहे न्यायालय के वांछित स्थाई वारंटी को प्रागपुरा थाना पुलिस टीम ने काफी तलाशी के बाद गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थानाधिकारी कश्मीर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई द्वारा पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर द्वारा एक विशेष अभियान के तहत वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु दिए गए निर्देशो की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन व प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा दिए गए टास्क की पालना में अथक प्रयास कर प्रकरण में फरार मुल्जिम अजय सिंह पुत्र गिरवर सिंह निवासी भैंसलाना थाना सरुण्ड को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।

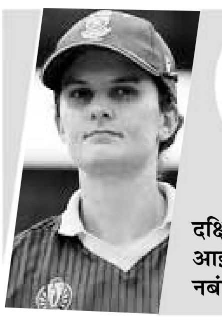

लॉरा वोलवार्ट ने विश्व कप के सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल में शतक लगाकर भारत की स्मृति मंधाना को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी की महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया है। -लॉरा वोलवार्ट

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, आईसीसी में बल्लेबाजी रैंकिंग में नबंर 1 का स्थान हासिल करने पर।

आज का खिलाड़ी

महमूदुल हसन

सलामी बल्लेबाज महमूदुल हसन आयरलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए बंगलादेश टेस्ट टीम में लौट आए हैं। हाल ही में कप्तानी विवाद के बाद यह बंगलादेश का पहला टेस्ट मैच होगा, जो नजमुल हुसैन द्वारा मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए इस प्रारूप में कप्तान बने रहने के फैसले के साथ समाप्त हुआ था। महमूदुल हसन, जिनका इस प्रारूप में औसत केवल 22.79 है, को श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के पिछले टेस्ट मैच में टीम से बाहर रखा गया था। हाल ही में नेशनल क्रिकेट लीग में शतक लगाने के बाद इस 24 वर्षीय खिलाड़ी को टीम में वापस लाया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को टैस्ट मैच के दूसरे दिन ही एक पारी और 21 रन से हराकर दो दिन में जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम का दर्जा मिला। इससे पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया यह सम्मान पा चुकी है।

राजस्थान की कौनसी टीम खेलेगी रणजी मुकाबला ?

आखिर इस दर्द की दवा क्या है, कौन संभालेगा राजस्थान की डूबती क्रिकेट को

जयपुर, 4 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत के खिलाफ अब कमेटी के चार सदस्यों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

सरकार ने दो बार बना दी आरसीए में एडहॉक कमेटी, लेकिन दोनों ही बार कमेटी सदस्यों के बीच हो गया विवाद, पहले विधायक जयदीप बिहाणी व धनंजय खींवसर के बीच हुआ विवाद, अब डीडी कुमावत व धनंजय सिंह खींवसर हैं आमने-सामने, पिंकेश जैन, आशीष तिवाड़ी व मोहित हैं धनंजय सिंह के साथ, लेकिन इस बार तो दो-दो रणजी टीम बना दी गई राजस्थान की। अब बीसीसीआई के सामने एक बार फिर आरसीए की होगी किरकिरी, अब सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए इस मामले में, वरना विवाद के चलते आरसीए को किया जा सकता है सस्पेंड।

आरसीए की एडहॉक कमेटी ने किया क्रिकेट का बेड़ा गर्क !

चारों ने कुमावत की जारी राजस्थान टीम के अलावा अलग से टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान रणजी की दो टीमें बना दी एडहॉक कमेटी ने, पहले कन्वीनर डीडी कुमावत ने टीम की घोषणा की, कुछ देर बाद चार सदस्यों ने नई टीम बना दी। अब राजस्थान की कौनसी टीम खेलेगी रणजी मुकाबला? कमेटी सदस्यों के आपसी विवाद ने गर्त में पहुंचाया राजस्थान क्रिकेट को, क्या अब राजस्थान क्रिकेट टीम पर प्रतिबंध लगने की संभावना जताई जा रही है?

डीडी कुमावत द्वारा राजस्थान रणजी टीम व अंडर-23 टीम घोषित

आरसीए तदर्थ समिति ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई टीम के विरुद्ध बढ़त लेने वाली राजस्थान रणजी टीम व अंडर 23 ट्रॉफी में बंगाल टीम के सामने शानदार प्रदर्शन करने वाली राजस्थान टीमों को राजस्थान सीनियर चयनकर्ताओंरणजी ट्रॉफी के हैदराबाद के विरुद्ध तथा अंडर 23 वन डे ट्रॉफी के लिए यथावत रखते हुए दोनों टीमें घोषित की ।

राजस्थान टीम :- महिपाल लोमरोर (कप्तान), दीपक हुड्डा, अभिजीत तोमर, सचिन यादव, कार्तिक शर्मा, अजय सिंह कुकना, कुणाल सिंह राठौड़, समर्पित जोशी, शुभम गढ़वाल, सलमान खान, अनिकेत चौधरी, अशोक शर्मा, आकाश सिंह, राहुल चाहर, दीपक चौधरी, अंडर 23 एक दिवसीय ट्रॉफी हेतु राजस्थान टीम घोषित ।

राजस्थान टीम :- सुमित गोदारा, सर्वज्ञ पानेरी, रोहन राजभर, करण लाम्बा, राज शर्मा, मुकुल चौधरी, अनिरुद्ध सिंह, मोहित चांगरा, दीपेंद्र सिंह, चेतन शर्मा, गणेश सुथार, शोभित मिश्रा, आयुष अमेरिया, भगवान् सिंह, दर्शन जैन, मिनाफ शेख।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्यों द्वारा घोषित राजस्थान टीम

हैदराबाद में 8 से 11 नवंबर, 2025 तक हैदराबाद के खिलाफ होने वाले अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए आरसीए सीनियर टीम के सिलेक्शन के लिए हुई।

निम्नलिखित खिलाड़ियों का सिलेक्शन किया गया हैः-

1 सचिन यादव अलवर
2 महिपाल लोमरोर (कप्तान) नागौर
3 दीपक हुडा प्रोफेशनल
4 कार्तिक शर्मा भरतपुर
5 कुणाल सिंह राठौड़ कोटा
6 अजय सिंह कुकाना श्रीगंगानगर
7 राहुल चाहर भरतपुर
8 अनिकेत चौधरी जयपुर
9 आकाश सिंह भरतपुर
10 अशोक शर्मा जयपुर
11 सलमान खान झालावाड़
12 रामनिवास गोलाडा जयपुर
13 समर्पित जोशी उदयपुर
14 शुभम गढ़वाल जोधपुर
15 साहिल दीवान अजमेर

जयपुर में जायसवाल के 156 रनों की बदौलत मुंबई ने ड्रॉ सुनिश्चित किया

अहमदाबाद, 4 नवंबर। अहमदाबाद में एक बेहद करीबी मुकाबले में, हरियाणा ने मेजबान गुजरात को 4 विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। पहले दिन कोई खेल नहीं होने के बावजूद, मैच में काफ़ी रोमांच देखने को मिला और हरियाणा ने बढ़त बना ली। गुजरात ने दिन की शुरुआत 8 विकेट पर 113 रन से की और अंत में केवल 137 रन ही बना सका, जिसमें निखिल कश्यप ने चार विकेट लिए। जीत के लिए 62 रनों की जरूरत थी, हरियाणा का स्कोर 18/4, 30/5 और फिर 43/6 हो गया। पार्थ वत्स और यशवर्धन दलाल ने सुनिश्चित किया कि आगे कोई दिक्कत न हो और वे अपनी टीम को जीत दिलाएं।

मुंबई ने राजस्थान से ड्रा खेला

राजस्थान को पहली पारी में बढ़त मिलने के बाद, मुंबई ने अपनी दूसरी पारी में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन मैच ड्रॉ रहा। यशस्वी जायसवाल के 156 रनों की पारी ने मुंबई को ड्रा दिलाया, जबकि मुशीर खान ने 63 रनों की पारी खेली। मुंबई ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 269 रन बनाए। जिसके बाद खिलाड़ियों ने हाथ मिलाया।

कर्नाटक ने केरल को पारी से हराया

मोहसिन खान ने 23.3 ओवर में 29 रन देकर 6 विकेट चटकाए और कर्नाटक को केरल के खिलाफ पारी और 164 रनों से शानदार जीत दिलाई। फ़ॉलोऑन खेलते हुए, केरल ने दिन की शुरुआत 10/0 से की, लेकिन वे लगातार विकेट गंवाते रहे, जिसमें सलामी बल्लेबाज़ कृष्ण प्रसाद का सर्वोच्च स्कोर 33 रन रहा। अपना तीसरा प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे 22 वर्षीय ऑफ स्पिनर मोहसिन ने अपने पहले ही मैच में पांच विकेट लेकर कर्नाटक की जीत सुनिश्चित की, हालाँकि केरल ने 79.3 ओवर तक कड़ी टक्कर दी।

उत्तराखंड की रोमांचक जीत

मयंक मिश्रा के पांच विकेटों की बदौलत उत्तराखंड ने दिल्ली में सर्विसेज के खिलाफ कम स्कोर वाले मैच में रोमांचक जीत हासिल की। जीत के लिए 123 रनों का पीछा करते हुए, सर्विसेज ने दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 71 रनों से की। अर्जुन शर्मा (23) को छोड़कर, कोई भी अन्य बल्लेबाज़ 20 रन तक नहीं पहुंच सका। उत्तराखंड के मयंक, जगदीश सुचित और अवनीश सुधा ने लगातार रन बनाए और अंततः सर्विसेज़ को 105 रनों पर आउट करके 17 रनों से जीत दिलाई।

सीनियर महिला इंटर जोनल टी-20 ट्रॉफी में खेलेगी विश्व विजेता शेफाली

मुंबई, 4 नवंबर। नागालैंड सीनियर वुमेंस इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी 2025 क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी 4 से 14 नवंबर तक करने के लिए तैयार है।यह घरेलू महिला टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा संस्करण होगा, जिसकी शुरुआत साल 2022 में हुई थी। यह प्रतियोगिता भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित की जाती है। 2025 सीनियर महिला इंटर जोनल टी20 ट्रॉफी में छह क्षेत्रीय क्रिकेट टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें नॉर्थ जोन, साउथ जोन, ईस्ट जोन, वेस्ट जोन, सेंट्रल जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन का नाम शामिल है। भारत की वर्ल्ड कप विजेता शेफाली वर्मा को नॉर्थ जोन टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि इस साल की शुरुआत में भारत को अंडर-19 टी-20 विश्व कप खिताब दिलाने वाली निकी प्रसाद साउथ जोन टीम की कप्तानी करेंगी। इस टूर्नामेंट में कई प्रमुख खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें साइमा ठाकोर, अमनदीप कौर और आशा शोभना शामिल हैं।

हैटसन बैडमिंटन सेंटर के ऋत्विक संजीवी ने मैंगलोर इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 4 नवंबर। हैटसन बैडमिंटन सेंटर के ऋत्विक संजीवी ने मंगलुरु में आयोजित मैंगलोर इंडिया इंटरनेशनल चैलेंज 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीतकर तमिलनाडु और भारत का गौरव बढ़ाया। विश्व रैंकिंग में 60वें स्थान पर काबिज 22 वर्षीय ऋत्विक ने हमवतन रौनक चौहान (14-21, 21-19, 21-19) के खिलाफ एक कड़े फाइनल में जीत हासिल करने के लिए कड़ी टक्कर दी। यह जीत इस सीजन में उनका पहला खिताब है, जिसने बैडमिंटन में भारत के शीर्ष उभरते सितारों में से एक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है।

हैटसन बैडमिंटन सेंटर के मुख्य कोच रजनीकांत ने ऋत्विक की उपलब्धि पर गहरा गर्व व्यक्त किया: ''ऋत्विक के समर्पण, कड़ी मेहनत और सेंटर की कोचिंग ने एक ऐसा चैंपियन तैयार किया है जिस पर हम सभी को गर्व है। हम ऐसी प्रतिभाओं को निखारने और भारतीय बैडमिंटन के भविष्य को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

ऋत्विक को बधाई देते हुए, हैटसन एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड के अध्यक्ष,आर.जी. चंद्रमोगन ने कहा, ''ऋत्विक की जीत हैटसन बैडमिंटन सेंटर की स्थापना के पीछे के दृष्टिकोण को पुष्ट करती है। हम भारत में होनहार खिलाड़ियों का समर्थन और खेल प्रतिभाओं को विकसित करना जारी रखेंगे।''

टूर्नामेंट में अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शनों में महिला एकल में मानसी सिंह की जीत और ध्रुव रावत-मनीषा कुक्कापल्ली की मिश्रित युगल जोड़ी का खिताब शामिल था, जिसने कई मोर्चों पर भारतीय बैडमिंटन की ताकत का प्रदर्शन किया।

अशरफुल बांगाल्देश के बल्लेबाजी कोच नियुक्त

ढाका, 4 नवंबर। पूर्व बंगलादेशी खिलाड़ी मोहम्मद अशरफुल को आयरलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला से पहले राष्ट्रीय बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। अशरफुल वरिष्ठ सहायक कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन की जगह लेंगे, जो बीसीबी द्वारा डेविड हेम्प से अलग होने के बाद से बल्लेबाजी इकाई की देखरेख कर रहे हैं। 2014 में बीपीएल में मैच फिक्सिंग के कारण प्रतिबंधित होने के बाद अशरफुल पहली बार राष्ट्रीय ड्रेसिंग रूम में वापसी करेंगे। अशरफुल ने घरेलू सर्किट के साथ-साथ ग्लोबल सुपर लीग में भी विभिन्न पदों पर बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया है।

स्टोक्स, बेथेल समेत 14 खिलाड़ियों को दो साल का ईसीबी अनुबंध

लंदन, 4 नवंबर। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने मंगलवार को 14 खिलाड़ियों के लिए दो साल के केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा की, जो सितंबर 2027 तक चलेंगे। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, सीमित ओवरों के कप्तान हैरी ब्रुक, सीनियर खिलाड़ी जोस बटलर, जो रूट और आदिल राशिद इस सूची में शामिल खिलाड़ियों में शामिल हैं। 12 अन्य खिलाड़ियों को एक साल के अनुबंध की पेशकश की गई, जबकि चार और खिलाड़ियों को विकास अनुबंध दिए गए।

तेज़ गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, जो अपनी चोटों की समस्या को पीछे छोड़ते हुए नजर आ रहे हैं, को दो साल का अनुबंध दिया गया है, जबकि उनके साथी तेज गेंदबाज़ मार्क वुड ने एक साल का अनुबंध चुना है। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और विकेटकीपर जेमी स्मिथ, जिन्होंने हाल के दिनों में सभी प्रारूपों में अपनी जगह पक्की कर ली है, ने भी दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

30 खिलाड़ियों की सूची में छह नए नाम शामिल हैं। युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल, जिन्होंने हाल ही में एक दूसरी श्रेणी की टी20 टीम का नेतृत्व किया था, उनके साथ सोनी बेकर, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, जेमी ओवरटन और ल्यूक वुड भी शामिल हैं।

पहले राउंड के बाद दिवेश और उमेद संयुक्त बढ़त पर

भुवनेश्वर, 4 नवंबर। दिवेश राणा और उमेद कुमार की हरियाणा की जोड़ी ने भुवनेश्वर गोल्फ क्लब में खेले जा रहे पीजीटीआई नेक्सजेन के दिलीप टिर्की आमंत्रण 2025 के पहले राउंड में पांच अंडर 67 का स्कोर बनाकर संयुक्त बढ़त हासिल कर ली।

ओडिशा राज्य में खेले जा रहे पीजीटीआई के पहले आयोजन में सौरव राठी और बिपिन मुखिया संयुक्त शीर्ष पर चल रहे खिलाड़ियों से दो शॉट पीछे संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। 20 लाख रुपये इनामी इस आयोजन में प्रदीप भगत स्थानीय पेशेवरों में सर्वोच्च स्थान पर रहे, उन्होंने 77 का स्कोर बनाया और 58 खिलाड़ियों में संयुक्त 37वें स्थान पर रहे।

इस टूर्नामेंट का समर्थन भारतीय हॉकी के दिग्गज दिलीप टिर्की कर रहे हैं। भारत में पेशेवर गोल्फ़ को बढ़ावा देने के पीजीटीआई के निरंतर प्रयासों को इसके टूर पार्टनर रोलेक्स, अमूल, इंडसइंड बैंक, विक्टोरियस चॉइस, कैंपा, अमृतांजन इलेक्ट्रो प्लस, गोल्फ प्लस मंथली और गोल्फ डिज़ाइन इंडिया द्वारा पूरे वर्ष समर्थन दिया जाता है।

कंधे में खिंचाव के कारण ब्रेविस पाक के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

फैसलाबाद, 4 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस 1 नवंबर को लाहौर में तीसरे टी20 मैच के दौरान कंधे की मांसपेशियों में हल्के खिंचाव के कारण आज से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। 22 वर्षीय ब्रेविस इस महीने के अंत में होने वाले दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे से पहले पुनर्वास के लिए पाकिस्तान में टीम के साथ रहेंगे, जिसमें दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मैच शामिल हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक ब्रेविस के प्रतिस्थापन की घोषणा नहीं की है।

उनकी अनुपस्थिति पहले से ही कमज़ोर वनडे टीम को और कमज़ोर कर देती है, क्योंकि वरिष्ठ खिलाड़ी एडेन मार्करम और कैगिसो रबाडा को आराम दिया गया है, और तेज गेंदबाज क्वेना मफाका और एनरिक नॉर्टजे चोटों के कारण बाहर हैं। मैथ्यू ब्रीट्ज़के वनडे में टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि क्विंटन डी कॉक के संन्यास लेने का फैसला बदलने के बाद पहली बार 50 ओवर के प्रारूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। ब्रेविस ने पाकिस्तान दौरे के सभी मैचों में हिस्सा लिया, और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लाहौर में 54 रनों की आक्रामक पारी रहा। अब तक छह एकदिवसीय मैचों में, उन्होंने 49 के सर्वोच्च स्कोर के साथ 110 रन बनाए हैं।

वर्ल्ड कप में देर से शामिल हुई शेफाली वर्मा ने सचिन तेंदुलकर को दिया अपनी सफलता का श्रेय

मुंबई, 4 नवंबर। महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बनी शेफाली वर्मा रविवार को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की 52 रनों की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद शब्दहीन रह गईं। उन्होंने अचानक टीम में वापसी की और अपने शानदार प्रदर्शन से भारत को जीत दिलाई।

सलामी बल्लेबाज को प्रतीका रावल के चोटिल होने के बाद सेमीफाइनल से पहले ही टीम में शामिल किया गया था उन्होंने फ़ाइनल में 78 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली और अपनी टीम को 298/7 का स्कोर बनाने में मदद की। इसके बाद गेंदबाजी में भी उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया और 2/36 का आंकड़ा दर्ज किया, जिससे प्रोटियाज को लक्ष्य का पीछा करने से रोका जा सका।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वुलफार्ट ने अपने देश की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन किया और लगातार दूसरा शतक जड़ा। लेकिन दीप्ति शर्मा के पांच विकेटों ने मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया और मेजबान टीम ने ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित की।

मैच के बाद शेफाली वर्मा ने कहा, ''मैंने शुरुआत में ही कहा था कि भगवान ने मुझे यहां कुछ अच्छा करने के लिए भेजा है, और आज यह सच में हो गया। मुझे बहुत खुशी है कि हम जीत गए और मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। यह मुश्किल था, लेकिन मुझे खुद पर पूरा विश्वास था कि अगर मैं शांत रहूंगी, तो मैं सब कुछ हासिल कर सकती हूं।''

''मैं बस अपनी टीम को जीत दिलाना चाहती थी। मेरा मन साफ था, और मैंने अपनी योजनाओं पर काम किया। इसलिए, मुझे खुशी है कि मैं उन्हें लागू कर पाईं और सभी मेरा समर्थन कर रहे थे। उन्होंने (सीनियर खिलाड़ियों ने) मुझे बस अपना खेल खेलने के लिए कहा, और जब आप यह जान जाए कि क्या करना है, तो बस यही काफी होता है।'' वर्मा ने यह भी बताया कि भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का समर्थन मिलना उन्हें बहुत प्रोत्साहित करता था। यह एक बहुत ही यादगार पल है। जब मैंने उन्हें (सचिन तेंदुलकर) देखा, तो मुझे बहुत हौसला मिला। मैं उनसे बात करती रहती हूं, वे मुझे हौसला देते रहते हैं। वे क्रिकेट के मास्टर हैं, और हम उन्हें देखकर ही प्रेरित होते रहते हैं।''

वहीं, दीप्ति शर्मा को टूर्नामेंट की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया, क्योंकि उन्होंने वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 22 विकेट लिए - जो कि दूसरे स्थान की ऑस्ट्रेलिया की ऐनाबेल सदरलैंड से पांच ज्यादा थे। 28 वर्षीय खिलाड़ी ने खेल के संतुलन में रहते हुए दक्षिण अफ्रीका के मध्य और निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया, साथ ही उन्होंने प्रोटियाज की कप्तान वुलफार्ट का अहम विकेट भी लिया। इससे पहले उन्होंने भारत के लिए बल्ले से कमाल का प्रदर्शन करते हुए 58 रन बनाए थे। शर्मा ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह एक सपने जैसा लगता है। (यह) सच में अच्छा लगता है।

कल से शुरू होगा सांसद खेल महोत्सव 2025

नई दिल्ली, 4 नवंबर। सांसद खेल महोत्सव 2025 - पूर्वी दिल्ली 6 नवंबर 2025 को ईस्ट विनोद नगर स्टेडियम में शुरू होगा, जो राष्ट्रीय राजधानी में खेलों और एथलेटिक्स के एक भव्य उत्सव का सूत्रपात करेगा। भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, इस आयोजन का उद्देश्य फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देना, उभरती प्रतिभाओं की पहचान करना और खेलों को राष्ट्रीय विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में बढ़ावा देना है। इस महोत्सव में पूर्वी दिल्ली के 18 स्थानों पर एथलेटिक्स, नमो रन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, कुश्ती आदि सहित 11 खेल स्पर्धाएँ आयोजित की जाएंगी। 6 नवंबर से 7 दिसंबर तक तीन चरणों में आयोजित होने वाले इस आयोजन का समापन 25 दिसंबर 2025 को एक भव्य समापन समारोह के साथ होगा। इस आयोजन का उद्घाटन कॉर्पोरेट मामलों और सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री तथा पूर्वी दिल्ली के सांसद हर्ष मल्होत्रा द्वारा किया जाएगा।

14 व 16 साल की लड़कियों एवं लड़कों में प्रतिभा तराशने के लिए अस्मिता लीग का आयोजन 10 नवंबर को राजस्थान विवि. खेल मैदान पर

जयपुर, 4 नवंबर। 14 व 16 साल की लड़कियों एवं लड़कों में प्रतिभा तराशने के लिए अस्मिता लीग का आयोजन 10 नवम्बर को राजस्थान विश्वविद्यालय खेल मैदान पर होगा। लड़कियों की लीग 10 नवम्बर को सुबह 7:30 चालू होगी और लड़कों की लीग 11/11/2025 को सुबह 7:30 बजे चालू होगी। 14 वर्ष में जो लड़कियां एवं लड़के 21/12/2011 से 20/12/2013 एवं 16 वर्ष में जो लड़कियों एवं लड़के 21 /12/2009 से 20/12/2011 के बीच जिनका जन्म हुआ है वहीं भाग ले सकते हैं।

प्रतियोगिता तीन वर्ग में संपन्न होगी।

ए वर्ग 14 वर्षीय लड़के एवं लड़कियां में 60 मीटर दौड़/ लंबी कूद (5 मी अप्रोच के साथ) / ऊंची कूद सीजर स्टाइल

बी वर्ग में 14 वर्षीय लड़कियां एवं लड़के 60 मीटर दौड़ / लंबी कूद (5 मी अप्रोच के साथ) / गोला फेक बैक थ्रो 1 किलो

सी वर्ग में 14 वर्षीय लड़के एवं लड़कियां 60 मीटर दौड़। लंबी कूद (5 मी अप्रोच) एवं 600 मीटर दौड़

ए/बी/सी वर्ग में किड्स जैवलिन थ्रो 5 मी रनवे के साथ सभी को करनी है।

ए वर्ग में 16 वर्षीय लड़कियां एवं लड़के 60 मी दौड़, तस्तरी फेंक / गोला फेंक (3 किलो)/ भाला फेंक 10 मी अप्रोच के साथ (500 ग्राम)।

बी वर्ग में 16 वर्षीय लड़कियां एवं लड़के 600 मीटर दौड़, तस्तरी फेंक / गोला फेंक (3 किलो)/ भाला फेंक 10 मी अप्रोच के साथ (500 ग्राम)।

सी वर्ग में 16 वर्षीय लड़कियां एवं लड़के ऊंची कूद (सीजर स्टाइल), तस्तरी फेंक / गोला फेंक (3 किलो)/ भाला फेंक 10 मी अप्रोच के साथ (500 ग्राम)

इच्छुक प्रतियोगी अपनी प्रविष्टि जिला एथलेटिक्स संघ जयपुर के सचिव गोपाल सैनी को सुबह 7:00 बजे से 8:00 तक पोलो ग्राउंड में दे देवे।

डॉ. नीरज के. पवन ने इंडोर स्टेडियम का लिया जायजा

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 24 नवंबर से 5 दिसंबर तक

जयपुर, 4 नवंबर। डॉ. नीरज के पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार और अध्यक्ष, राजस्थान राज्य कीड़ा परिषद ने मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित विभिन्न खेल मैदानों सहित इंडोर स्टेडियम में तैयारियों का जायजा लिया, जहां बास्केटबाल के पुरूष व महिला वर्ग के मैच यहा आयोजित किये जायेगें। खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक सभी संभागों में आयोजित किये जायेगें। सभी जगह खेल मैदानों की कायाकल्प की जा रही है। इसी के तहत जयपुर में भी सभी मैदानों को दुरस्त किया जा रहा है। डॉ. नीरज के पवन ने खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 की तैयारियों का निरीक्षण किया और संतुष्टि व्यक्त की। इंडोर स्टेडियम में चल रही तैयारिया 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जायेगी। साथ ही अन्य खेल मैदानों के रिनोवेषन का कार्य भी 15 नवंबर तक पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होने बताया कि निरीक्षण के दौरान खेल सचिव ने यहा कार्य कर रही एजेन्सी को आवष्यक दिषा निर्देष दिए और कहा कि इसे समय पर पूर्ण कर लिया जाये।

घुटने की चोट के कारण बीबीएल से बाहर हुए आर. अश्विन

नई दिल्ली, 4 नवंबर। घुटने की सर्जरी की वजह से आर अश्विन को सिडनी थंडर के साथ अपना बीबीएल डेब्यू रद्द करना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह मौका गंवाने से वह ''बहुत निराश'' हैं, क्योंकि इससे वह बीबीएल में खेलने वाले भारत के पहले कैप्ड खिलाड़ी बन जाते। वहीं थंडर ने कहा कि वे ''अश्विन के साथ मिलकर एक नई योजना पर काम कर रहे हैं।''

इस साल की शुरुआत में आईपीएल से संन्यास लेने के बाद अश्विन के लिए विदेशी लीग में खेलने का रास्ता खुला था। उन्होंने थंडर के साथ पूरे बीबीएल सीजन के लिए करार किया था। अश्विन ने थंडर के बयान में कहा, ''मुझे बीबीएल 15 मिस करने का बहुत अफसोस है। अब मेरा पूरा ध्यान रिकवरी पर है। मैं थंडर परिवार और फ़ैंस का शुक्रगुज़ार हूं, जिन्होंने पहले ही बहुत अपनापन दिखाया है। ट्रेंट (कोपलैंड, थंडर जनरल मैनेजर) और पूरी मैनेजमेंट टीम ने पहले ही बातचीत से मुझे क्लब का हिस्सा महसूस कराया।

''अगर रिहैब और यात्रा की योजना अनुमति दें, तो मैं सीजन के बाद के हिस्से में टीम के साथ रहना और फ़ैंस से मिलना चाहूंगा। थंडर टीमों को शानदार साल की शुभकामनाएं।'' ट्रेंट कोपलैंड ने कहा, ''सिडनी थंडर के सभी लोग अश्विन की घुटने की चोट की खबर से बहुत दुखी हुए, जिसने उन्हें बीबीएल 15 से बाहर कर दिया। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

''जब हमने पहली बार अश्विन से बात की, तभी उनके थंडर के प्रति समर्पण का अंदाज़ा लग गया था। हमें उम्मीद है कि हम उन्हें बीबीएल 15 के कुछ हिस्से के दौरान अपने डगआउट में स्वागत कर सकेंगे, फ़ैंस से मिलवाएंगे और एक लंबे समय का रिश्ता बनाएंगे।''

देवनानी की पत्नी के अंतिम संस्कार में मुख्यमंत्री सहित कई मंत्री पहुँचे

विभिन्न राजनीतिक दलों, प्रतिनिधियों के साथ हजारों की संख्या में जनता उपस्थित थी

अजमेर, 4 नवम्बर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी इंदिरा देवनानी का मंगलवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित, राज्य सरकार के कई मंत्रियों ने अजमेर में देवनानी के निवास पर इंदिरा देवनानी को श्रद्धांजलि दी एवं शोक संतप्त परिवार को ढ ांढ स बंधाया। अंतिम संस्कार में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित हजारों की संख्या में शहर के लोग उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी इंदिरा देवनानी की पार्थिव देह आज अजमेर के ऋषि घाटी स्थित मुक्तिधाम में पंचतत्व में विलीन हुई। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी के पुत्र महेश ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। इंदिरा देवनानी की पार्थिव देह मंगलवार सुबह आठ बजे जयपुर से अजमेर लाकर उनके निवास स्थान पर दर्शनार्थ रखी गई।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के घर पर इंदिरा दवेनानी की पार्थिव देह को पुष्पांजलि अर्पित की। केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, सहकारिता मंत्री गौतम दक, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित कुमार गोदारा, ऊर्जा मंत्री हीरा लाल नागर,

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व कई मंत्रियों ने मंगलवार को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी इंदिरा दवेनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई, मुख्य सचेतक एवं पूर्व मंत्री जोगेश्वर गर्ग, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, राजस्थान धरोहर संरक्षण प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक मसूदा वीरेंद्र सिंह कानावत, भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, जयपुर विधायक गोपाल शर्मा, ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत, भंवर सिंह पलाड़ा श्रद्धांजलि देने के लिए अजमेर पहुंचे।

श्रद्धांजलि देने वालों में अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, दीनबंधु चौधरी, आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व विधायक किशन सोनगरा, पूर्व विधायक डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, किशनगढ़ के पूर्व विधायक सुरेश टांक, किसान मोर्चा अध्यक्ष हरिराम

■ अंतिम संस्कार में अजमेर के विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा विश्व हिन्दू परिषद व आरएसएस के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

रिणवा, मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष जी आर मूलचंदानी, जिला अध्यक्ष रमेश सोनी, देहात अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, नागौर जिला अध्यक्ष गजेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष जालौर श्रवण सिंह राव, महेंद्र सिंह रलावता, विजय जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष अरविंद यादव, पूर्व सभापति सुरेन्द्र सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष देवी शंकर भूतड़ा, एडीए के पूर्व अध्यक्ष शिव शंकर हेड़ा, पूर्व जिला प्रमुख पुखराज पहाडिय़ा, पूर्व कुलपति बी.एल. छीपा, विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री शशि प्रकाश इंदौरिया, प्रांत संघ चालक जगदीश राणा, प्रचारक राजेन्द्र सिंह एवं गोविंद, जिला संघ संचालक खाजू लाल चौहान सहित, संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, महानिरीक्षक पुलिस राजेंद्र सिंह, जिला कलेक्टर लोकबंधु भी शामिल थे।

एसआईआर के खिलाफ सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी

बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत के पहले दिन ही तृणमूल ने मार्च निकाला

कोलकाता, 4 नवंबर। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता में मंगलवार को एक रैली निकाली। मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं व मंत्रियों के साथ कोलकाता में सड़क पर उतरकर एक विशाल विरोध मार्च का नेतृत्व किया।

इस मार्च में तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव व ममता के सांसद भतीजे अभिषेक बनर्जी भी शामिल हुए। करीब चार किलोमीटर लंबा यह पैदल मार्च कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड से शुरू होकर जोड़ासांकों ठाकुरबाड़ी (रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास) के पास समाप्त हुआ, जिसमें हजारों तृणमूल कार्यकर्ता व समर्थक हाथों में एसआइआर के विरुद्ध पोस्टर और बैनर लेकर शामिल हुए।

दूसरी ओर बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता व भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने एसआइआर के समर्थन और इसके माध्यम से घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की मांग को लेकर कोलकाता से लगे उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी में जुलूस का नेतृत्व किया।

इसी के साथ, तृणमूल कांग्रेस पर हुगली जिले के सिंगुर में भाजपा द्वारा एसआइआर के समर्थन में आयोजित एक सभा पर हमले का आरोप लगा है। आरोप है कि सभा में शामिल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई।

■ इधर सिंगूर में भाजपा द्वारा एसआईआर के समर्थन में आयोजित एक सभा पर कथित रूप से तृणमूल के लोगों ने हमला कर दिया, हालांकि तृणमूल ने इन आरोपों का खंडन किया है।

इसमें कई कार्यकर्ता घायल हो गए। हालांकि, सत्तारूढ़ दल ने भाजपा के आरोपों का खंडन किया है।

पैदल मार्च के समापन के बाद सभा को संबोधित करते हुए ममता व अभिषेक ने एसआइआर को लेकर भाजपा व केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। ममता ने कहा कि चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार छीनना चाहती है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं जान दे दूंगी, लेकिन किसी का भी अधिकार छीनने नहीं दूंगी। उन्होंने फिर चेतावनी दीकि एक भी वैध मतदाता का नाम कटने पर दिल्ली जाकर बड़ा आंदोलन व घेराव किया जाएगा। ममता ने कहा कि लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर अदालत तक लड़ाई जारी रहेगी।

ममता ने कहा कि भाजपा मतदाता सूची में गड़बड़ी व फर्जी लोगों के नाम शामिल होने की बात करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बिना उन्होंने सवाल किया कि अगर ऐसा है तो आप इतने सालों से किस वोटर लिस्ट से जीतते आए हैं और केंद्र व कई राज्यों की सत्ता में हैं? अगर ये लिस्ट झूठी है, तो आपकी सरकार भी झूठी है, आपका पद भी झूठ है। उन्होंने कहा कि दिखाने के लिए मोदी हर साल कुछ न कुछ कर रहे हैं। एक बार उन्होंने नोटबंदी की। आज हमें बताइए, क्या आप काला धन वापस लाए? कितना काला धन वापस आया?

वहीं, नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता व तृणमूल पर एसआइआर को लेकर भय पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने एसआइआर के कथित डर से कुछ लोगों द्वारा आत्महत्या किए जाने के लिए ममता को जिम्मेदार ठहराया।

जद (यू) ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनंत सिंह, जिनके खिलाफ पहले ही 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं, अब गैंगस्टर से राजनेता बने दुलार सिंह यादव की हत्या के आरोपी के रूप में नामजद किए गए हैं। यादव मोकामा में जन सूराज के उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के लिए प्रचार कर रहे थे, लेकिन पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने इस बात का खंडन किया कि दुलार सिंह यादव जन सूराज से जुड़े थे।

सुप्रीम कोर्ट ने धर्मान्तरण कानून पर राजस्थान सरकार को नोटिस भेजा

अधिवक्ता हुजैफा अहमदी और वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता जॉन दयाल की याचिका पर नोटिस जारी किए गए हैं

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2025 के कई प्रावधानों को चुनौती देने वाली जनहित याचिका पर राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने अधिवक्ता एवं शोधकर्ता एम. हुजैफा और वरिष्ठ मानवाधिकार कार्यकर्ता जॉन दयाल की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड यशवंत सिंह के माध्यम से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि ये प्रावधान मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और दंडात्मक विध्वंस और सामूहिक दंड के समान हैं। याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता अभय महादेव थिप्से ने किया।

न्यायालय ने इस मामले को एक अन्य लंबित जनहित याचिका, दशरथ कुमार हिनूनिया बनाम राजस्थान राज्य, के साथ संलग्न कर दिया, जिस पर वरिष्ठ अधिवक्ता हुज़ेफ़ा अहमदी ने तर्क दिया था, जिसमें पहले नोटिस और

■ याचिका में आरोप लगाया गया है कि देश के विभिन्न राज्यों में जो धर्मान्तरण कानून बने हैं उनमें राजस्थान का कानून सर्वाधिक गंभीर है।

स्थगन आवेदन जारी किए गए थे।

सुनवाई के दौरान पीठ ने सवाल किया कि याचिका राजस्थान उच्च न्यायालय में क्यों नहीं दायर की गई।

जवाब में अहमदी ने दलील दी कि अन्य राज्यों के धर्मांतरण विरोधी कानूनों को चुनौती देने वाली इसी तरह की याचिकाएँ पहले से ही शीर्ष न्यायालय में लंबित हैं, और संबंधित मामले इसी न्यायालय में स्थानांतरित कर दिए गए हैं। उन्होंने राजस्थान के कानून को सभी राज्य धर्मांतरण विरोधी कानूनों में "सबसे गंभीर" बताते हुए कहा कि इस कानून में सामूहिक धर्मांतरण (दो से अधिक व्यक्तियों के धर्मांतरण के रूप में परिभाषित) के लिए 20 लाख रुपये तक के जुर्माने और 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये प्रावधान बिना सुनवाई के दंडात्मक कार्रवाई की अनुमति देकर संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 22 और 300ए का उल्लंघन करते हैं, तथा कानून के शासन और शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को कमजोर करते हैं। अल्पसंख्यकों और हाशिए पर पड़े समूहों पर पड़ने वाले असमान प्रभाव को उजागर करते हुए याचिकाकर्ताओं ने शीर्ष न्यायालय से इन प्रावधानों को असंवैधानिक बताते हुए उन्हें रद्द करने का आग्रह किया है।

इंडिया गठबंधन एसआईआर का देश व्यापी विरोध करेगा

नयी दिल्ली, 04 नवंबर। इंडिया गठबंधन ने मंगलवार से शुरू हो रही दूसरे चरण की मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का विरोध करने की योजना बनायी है।

सूत्रों के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एसआईआर को लेकर इंडिया गठबंधन ने देशव्यापी आंदोलन करने की तैयारी की है। इंडिया गठबंधन इसके विरोध में सामूहिक रूप से उच्चतम न्यायालय का फिर से रुख करने की भी तैयारी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार बिहार विधानसभा चुनाव के बाद (एसआईआर) के मसले पर इंडिया गठबंधन की बैठक आयोजित की जायेगी, जिसमें उच्चतम न्यायालय से गुहार करने और देशव्यापी आंदोलन करने की रूपरेखा तैयार की जायेगी। फिलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेतृत्व के साथ मिलकर मतदाता सूची पुनरीक्षण मुद्दे पर संघर्ष को आगे बढ़ाने पर सहमति दी है।

गौरतलब है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 27 अक्टूबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसआईआर के दूसरे चरण की घोषणा की थी। उनके अनुसार, एसआईआर चार नवंबर से गणना चरण के साथ शुरू होगा और चार दिसंबर तक जारी रहेगा। चुनाव आयोग नौ दिसंबर को प्रारंभिक मतदाता सूची जारी करेगा और अंतिम सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जायेगी।

गौरतलब है कि दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ , राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप, लक्षद्वीप, गोवा, गुजरात, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु में मतदाता सूची का पुनरीक्षण किया जायेगा।

महाराष्ट्र में नगर परिषदों व पंचायतों के चुनाव 2 दिसम्बर को

मुंबई, 04 नवंबर। महाराष्ट्र के प्रदेश चुनाव आयोग ने मंगलवार को 246 नगर परिषदों और 42 पंचायतों के लिए मतदान की तारीख दो दिसंबर घोषित कर दी है। लेकिन आयोग ने 29 नगर निगमों के चुनाव की तारीख की घोषणा फिलहाल नहीं की है। राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश टी. वाघमारे ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मतगणना 03 दिसंबर को होगी और परिणाम 10 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे। आयोग के मुताबिक, नामांकन प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है और 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जाँच की जाएगी। वाघमारे ने बताया कि इन स्थानीय निकायों में 6,859 सदस्यों और 288 अध्यक्षों के चुनाव के लिए मतदान होगा।

एनडीए का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रयासों के बावजूद, स्थानीय चुनावी माहौल अस्थिर और अनिश्चित बना हुआ है। एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी), जिसे पटना ज़िले में चार सीटें दी गई हैं, के प्रदर्शन पर भी नज़दीक से नज़र रखी जा रही है। गठबंधन के भीतर से मिली सूचनाओं के अनुसार, पार्टी ज़मीनी स्तर पर संघर्ष कर रही है और संभव है कि उसे एक भी सीट न मिले, ऐसा नतीजा एनडीए की कुल सीटों की संख्या को और कम कर सकता है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बदलता हुआ रुख सत्ता विरोधी लहर, बेरोज़गारी की चिंताओं और राजद के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन के मजबूत संगठन से प्रभावित मतदाताओं की गहरी भावनाओं को दर्शाता है। अगर यह रुझान बना रहा, तो कई सीटों पर भाजपा तीसरे स्थान पर जा सकती है, जो उसकी पिछली बढ़त के बिल्कुल विपरीत होगा।

इन संकेतों को देखते हुए, भाजपा रणनीतिकार सत्ता बरकरार रखने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बचे-खुचे समर्थन पर अधिक भरोसा कर रहे हैं। शुरुआती रिपोर्टों में कड़ी टक्कर के संकेत मिलने के साथ, जनता दल (यूनाइटेड) पर एन.डी.ए. की निर्भरता और बढ़ती जा रही है। एक रणनीतिकार के शब्दों में, "तेजस्वी को सत्ता से बाहर रखना है, तो हमें नीतीश की ज़रूरत पहले से कहीं ज़्यादा है।" इस चुनाव में भाजपा के लिए दांव असामान्य रूप से ऊँचा है, न सिर्फ अपने गढ़ को बचाने के लिए, बल्कि बिहार जैसी अस्थिर राजनीति वाले राज्य में अपनी साख और ताकत बनाए रखने के लिए भी। पहले चरण के मतदान में अब कुछ ही समय बाकी है और बिहार एक ऐसे मुकाबले की तैयारी में है जो राज्य के सत्ता संतुलन को बदल सकता है और राष्ट्रीय राजनीति पर असर डाल सकता है।

पैसेंजर ट्रेन व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टक्कर के बाद ओवरहेड वायर और सिग्नल सिस्टम बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिससे ट्रेन परिचालन ठप हो गया है। स्थिति को देखते हुए कई ट्रेनों को रद्द या डायवर्ट किया गया है।

रेलवे ने मौके पर मेडिकल यूनिट और राहत दल भेज दिए हैं। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रशासन ने जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।

रेलवे ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच-पांच लाख तथा सामान्य रूप से घायल यात्रियों को एक-एक लाख की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

बारह राज्यों में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गणना अवधि आज से शुरू हो गई है और यह चार दिसंबर तक पूरे एक महीने तक जारी रहेगी।

27 अक्टूबर, 2025 तक मतदाता सूची में शामिल प्रत्येक मतदाता को एक विशिष्ट गणना प्रपत्र (ईएफ) उपलब्ध कराया जाएगा, जो आंशिक रूप से पहले से भरा होगा। सभी 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में ईएफ का वितरण शुरू हो चुका है और 100 प्रतिशत ईएफ छप चुके हैं।

एसआईआर प्रक्रिया को पूरा करने के लिए 5.3 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), 7.64 लाख बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए), 10,448 ईआरओ/एईआरओ और 321 डीईओ लगाये गये हैं।

'सड़क दुर्घटनाएं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सड़क सुरक्षा नीति, 2017 अपनाई गई है और इसमें ब्लैक-स्पॉट प्रबंधन व यातायात निगरानी का भी प्रावधान है। इसके बावजूद प्रशासन यहां पर ओवरलोड वाहनों के अनधिकृत प्रवेश और लापरवाही से संचालन को रोकने में विफल रहा है।

याचिका में अदालत से आग्रह किया है कि जयपुर नगरपालिका सीमा के भीतर भारी वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश और संचालन को प्रतिबंधित किया जाए।

सभी एजेंसियों के संयुक्त प्रवर्तन अभियानों के जरिए कानूनी प्रावधानों का प्रभावी क्रियान्वयन हो। इसके अलावा राज्य सड़क सुरक्षा परिषद, पीएचईडी, जेडीए को निर्देश दिया जाए कि वे शहर की प्रमुख सड़कों की इंजीनियरिंग की ऑडिट करें और एक्सीडेंट वाले ब्लैक स्पॉट की पहचान करें व मरम्मत करे।

भूमिहार बिहार में जनसंख्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावी गठबंधनों और प्रतिद्वंद्विताओं की जटिलताओं को समझने के लिए मजबूर हैं। जबकि अनंत सिंह और सूरज भान सिंह के बीच अंतिम सीधा टकराव दो दशकों से भी अधिक समय पहले हुआ था, राजनीतिक माहौल अब भी उनके बीच की दुश्मनी को कम नहीं कर पाया है।

यह चुनाव उनकी पहले की झड़पों में एक बदलाव लाते हुए, मतदान की लड़ाई की वापसी को दर्शाता है, जबकि पहले अक्सर बंदूकों से फैसले होते थे।

सूरज भान सिंह, जिनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अब उनकी पत्नी, वीणा देवी के कंधों पर टिकी हैं, मोकामा में शक्ति के जटिल समीकरणों को उजागर करते हैं। सन् 1992 के एक हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काटने के बाद, उन्होंने चुनावी प्रभाव फिर से हासिल करने के लिए अपनी पत्नी को मैदान में उतारा है। उनकी उम्मीदवारी न केवल उनके विरासत की निरंतरता है, बल्कि यह एक रणनीतिक कदम भी है, जो उनके समर्थकों के इतिहास और उनकी वफादारी का लाभ उठाने का प्रयास है। जब वे अनंत सिंह के खिलाफ प्रचार करती हैं, तो उनके दांव उतने ही व्यक्तिगत भी होते हैं, जितने राजनीतिक।

बिहार की राजनीति के रंग-बिरंगे क्षेत्र में, जहां जाति और समुदाय के प्रति लोगों की निष्ठा अक्सर विचारधारा पर हावी रहती है। लेकिन भूमिहार समुदाय इसका एक विचारणीय विरोधाभास प्रस्तुत करता है। भले ही भूमिहार केवल 2.9 प्रतिशत मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन 2025 के विधानसभा चुनाव के समीप आने के साथ ही भूमिहार तीव्र राजनीतिक दाँव-पेच के केन्द्र बन गये हैं। यह छीना-झपटी केवल संख्या के कारण नहीं है, यह प्रभाव, विरासत और राजनीतिक सपनों की जिंदा रहने की लड़ाई है।

बड़ी राजनीतिक पार्टियां, विशेषकर एनडीए और महागठबंधन, ऐसे समुदाय को लेकर इतना प्रयास क्यों करती हैं, जिसके वोट का हिस्सा 3 प्रतिशत से भी कम है? इसका उत्तर भूमिहारों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता में छिपा हुआ है। पारंपरिक रूप से इन्हें एक उच्च जाति के रूप में देखा जाता है (जो लगभग ब्राह्मणों के समान मानी जाती है), और इनका बिहार की राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है।

भूमिहारों के उत्पत्ति के बारे में एक मान्यता यह है कि वे ब्राह्मण थे, जिन्हें बौद्ध शासक अशोक महान के शासन में अनुदान स्वरूप भूमि प्रदान की गई थी। जब उन्होंने हिंदू धर्म को अपनाया, तब हिंदू पुजारियों ने उन्हें ब्राह्मणों से मामूली सा नीचा दर्जा दिया।

कुछ उन्हें ब्राह्मणों और राजपूतों का मिश्रण मानते हैं। भूमिहार एक पारंपरिक रूप से भू स्वामी जाति रही है और छोटी रियासतों और जमींदारियों पर उनका नियंत्रण रहा है, जैसे बेतिया, टेकरी, हठवा, तमुखी, शिवहर, पाकुर, महिषादल और महेशपुर, और उत्तर प्रदेश की वाराणसी। ब्रिटिश शासन के दौरान, भूमिहारों ने अधिकांश रूप से सेना में शामिल होकर एक सैन्य छवि बनाई।

भूमिहार समुदाय ने कई सृजनशील बुद्धिजीवियों को जन्म दिया, जैसे वीर रस परम्परा के राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, लेखक राहुल सांस्कृतायन, रामवृक्ष बेनीपुरी और ऐसे ही अन्य बहुत से साहित्यकार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवम्बर को पटना में दिनकर चौक से अपने रोड शो की शुरुआत की, और कवि दिनकर का यशोगान किया।

श्री कृष्ण सिंह, जो संविधान सभा के सदस्य और बिहार के पहले मुख्यमंत्री (1946 से 1961 तक) और एक भूमिहार नेता थे, की विरासत बहुत महत्वपूर्ण है, और यह सभी पक्षों को यह याद दिलाती है कि यह समुदाय चुनावी परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है।

सिंह के लंबे कार्यकाल में कई प्रभावशाली भूमिहार नेताओं का उदय हुआ, जिनमें महेश प्रसाद सिन्हा, कृष्णकांत सिंह, एलपी शाही, बसवन सिन्हा और कैलाशपति मिश्र शामिल हैं। कैलाशपति मिश्र (गुजरात के पूर्व गवर्नर) बिहार के एक बहुत प्रभावशाली भाजपा नेता थे।

इसी तरह, पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सी.पी. ठाकुर भी प्रभावशाली भूमिहार नेताओं में शामिल थे। आज भाजपा में शीर्ष भूमिहार नेता हैं, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा।

भले ही ओबीसी नेताओं जैसे लालू प्रसाद और नीतीश कुमार ने 1990 से 2025 तक बिहार की राजनीति में दबदबा बनाया हो, भूमिहारी समुदाय ने नौकरशाही, शिक्षा, मीडिया, और पेशेवर क्षेत्रों, जैसे कानून, चिकित्सा आदि में अपनी छाप छोड़ी है। बिहार के प्रमुख ठेकेदार मुख्यत: भूमिहार ही हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में भूमिहार कायस्थों और ब्राह्मणों से मुकाबला करते हैं। आक्रामकता में भूमिहार राजपूतों और यादवों से मुकाबला करते हैं। व्यापार में भूमिहार बनियों से मुकाबला करते हैं। वे राजनीति में भी हावी हैं, राजीव रंजन सिंह (उर्फ लल्लन सिंह, प्रमुख जेडीयू नेता और केन्द्रीय पंचायतीराज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री), जो पीएम मोदी के रोड शो में उनके साथ थे, एक प्रमुख भूमिहार नेता हैं।

इसी तरह, पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह भी भूमिहार हैं। लल्लन सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दशकों पुराने करीबी दोस्त हैं। जब 2005 में नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने, तो पटना में एक प्रसिद्ध कहावत थी "ताज नीतीश को, राज भूमिहार को।"

भूमिहार बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के हर हिस्से में फैले हुए हैं, लेकिन वे मध्य बिहार के तीन केन्द्रीय क्षेत्रों में प्रमुख रूप से हावी हैं: अरवल, जहानाबाद (पुराना गया और पुराना शाहाबाद क्षेत्र), मोकामा और मुंगेर क्षेत्र, और बेगूसराय, लखीसराय और बरैया क्षेत्र। समस्तीपुर के मिथिलांचल जिलों में भूमिहार ब्राह्मणों से वैवाहिक रिश्ते बनाते हैं और उन्हें "दो-गामिया" समुदाय के रूप में जाना जाता है।

मोकामा "जंगल राज" के रणवीर सेना काल की एक शक्तिशाली पुन: गूंज है।

1990 के दशक के बाद, चुनावी राजनीति में उनके प्रभाव में गिरावट आने के बाद, बहुत से भूमिहार रणवीर सेना, जो 1994 में एक नागरिक सेना (मिलिशिया) के रूप में स्थापित की गई थी, से जुड़ गए थे। रणवीर सेना का नाम 19वीं सदी के एक शक्तिशाली भूमिहार नेता रणवीर चौधरी के नाम पर रखा गया था। इस मिलिशिया ने 1990 के दशक के अंत में लाल सेना (एक सशस्त्र माओवादी संगठन) पर जहानाबाद, मखदूमपुर और औरंगाबाद क्षेत्रों में सशस्त्र हमले किए थे।

रणवीर सेना द्वारा लक्ष्मणपुर बाठे सहित, अन्य अनेक स्थानों पर नरसंहार किए गए थे। बाद में सेनारी में लाल सेना ने बहुत से भूमिहारों का नरसंहार किया। आज मोकामा में हो रही हिंसा रणवीर सेना के "जंगल राज" के दौर की शक्तिशाली पुनर्गूंज है।

राहुल गाँधी की, फ्रैश, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिलाध्यक्ष नहीं चाहते, जो उनके प्रभाव क्षेत्र में फिट न बैठते हों।

सिफारिश किए गए नामों में प्रमोद सिसोदिया (चित्तौड़गढ़), सबनम गोदारा (हनुमानगढ़) और पुष्पेन्द्र भारद्वाज (जयपुर) शामिल हैं।

पार्टी की ओर से अभी औपचारिक आदेश जारी नहीं हुए हैं, लेकिन स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन को स्वच्छ और विश्वसनीय बनाने की पार्टी की प्रतिबद्धता के संदर्भ में चयनित नामों की जांच की जानी चाहिए।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स () पोर्टल के अनुसार, भारद्वाज के हलफनामे में निम्नलिखित मुकदमों का उल्लेख है:

एफआईआर संख्या 1129/2008, सीआईएस संख्या 20789/14, एसीएमएम संख्या 9, जयपुर-1 - आईपीसी की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), मामला लंबित।

एफआईआर संख्या 155/2001, केस संख्या 321/2002, एसीएमएम संख्या 9, जयपुर - आईपीसी की धाराएं 147, 148, 149, 452, 427 (दंगा व संबंधित अपराध)। इसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था, लेकिन परिवीक्षा अधिनियम के तहत रिहा किया गया; अपील अब भी लंबित है।

भारद्वाज दो बार सांगानेर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार रहे हैं, लेकिन दोनों बार 50,000 से अधिक वोटों से हार चुके हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनकी डिप्टी सीएम और भाजपा नेता प्रेमचंद बैरवा से नज़दीकी हितों के टकराव की स्थिति पैदा करती है।

पिछले साल वायरल हुए एक वीडियो में भारद्वाज के बेटे और बैरवा के बेटे को पुलिस वाहनों के साथ खुली जीप में घूमते हुए दिखाया गया था, जिससे सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को लेकर काफी आलोचना हुई। बाद में जारी एक और वीडियो में भारद्वाज ने इस घटना का बचाव किया, बजाय निंदा करने के। यह मामला राष्ट्रीय मीडिया में भी प्रमुखता से छपा था।

हनुमानगढ़ और चित्तौड़गढ़ में जमीनी कार्यकर्ताओं ने सबनम गोदारा और प्रमोद सिसोदिया के नामों पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इनकी स्थानीय साख और कार्यशैली पर पहले से सवाल उठते रहे हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि औपचारिक नियुक्ति से पहले इन सभी के पृष्ठभूमि की जांच बेहद जरूरी है।

जयपुर जिला (शहरी) कांग्रेस कमेटी के कुछ सदस्यों ने एआईसीसी नेतृत्व को ज्ञापन देकर मांग की है कि जिलाध्यक्ष पद के उम्मीदवारों की जांच की जाए कि उनके खिलाफ कोई कानूनी मामला लंबित न हो और न ही कोई हितों का टकराव हो।

जयपुर के एक कार्यकर्ता ने कहा, राहुल गांधी जी के संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य एक पारदर्शी संगठन बनाना है। और जिनके खिलाफ विवाद या आपराधिक रिकॉर्ड हैं, उन्हें जिलाध्यक्ष नहीं बनाया जाना चाहिए।

राजस्थान पीसीसी कार्यालय की ओर से जवाब मिला कि अंतिम सूची केवल पृष्ठभूमि जांच के बाद ही जारी की जाएगी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस समय "संगठन सृजन अभियान" के तहत राजस्थान में अपने जिला इकाइयों का पुनर्गठन कर रही है। राज्य नेतृत्व का कहना है कि यह पहल जमीनी कार्यकर्ताओं को सम्मान देने और आगामी नगर निकाय व पंचायत चुनावों से पहले पार्टी की साफ छवि पेश करने के लिए की जा रही है।

एस आई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजकुमार यादव की जमानत याचिका को खारिज किया है। अदालत ने आरपीएससी के सदस्य रहे बाबूलाल कटारा के रिश्तेदार राहुल कटारा, दलाल रविन्द्र सिंह, असफल अभ्यर्थी नेहा, नैतिक, ऋद्धि, भरत और डमी कैंडिटेड्स अशोक सिंह व राधिका को जमानत दी है। गौरतलब है कि एसओजी ने मामले में अपने बेटे भरत यादव के लिए पेपर खरीदने के आरोप में राजकुमार यादव को गिरफ्तार किया था। उसका बेटा भरत भर्ती की लिखित परीक्षा में पास हो गया था, लेकिन इसके बाद हुई दक्षता परीक्षा में वह फेल हो गया था।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908